किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

दैनिक समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 330 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) मंगलवार 08 सितम्बर 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

बाढ़ में बहा चीन का नेपाल में प्रभाव बढ़ाने का सपना

तबाही के बीच फंसा 51 हजार करोड़ रुपये का प्रस्तावित रेल प्रोजेक्ट

काठमांडू, 7 सितंबर। नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने चीन की नेपाल में रणनीतिक और आर्थिक पकड़ मजबूत करने की योजनाओं को बड़ा झटका दिया है। नेपाल-चीन सीमा पर करीब 1800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ग्यिरोंग लैंड पोर्ट बाढ़ और भूस्खलन के बाद मलबे में तब्दील हो गया है।

बाढ़ के तेज बहाव ने सड़क, पुल और सीमा से जुड़ी कई अहम सुविधाओं को भारी नुकसान पहुंचाया है। हालात का जायजा लेने पहुंचे चीनी बचावकर्मियों को चारों तरफ मलबा और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचा नजर आया। कई स्थानों पर सड़कें दब गई हैं और पुल भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

सबसे बड़ी चिंता प्रस्तावित चीन-नेपाल रेलवे कॉरिडोर को लेकर सामने आई है। करीब 51 हजार करोड़ रुपये की लागत वाले इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में ग्यिरोंग इलाके को महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। प्राकृतिक आपदा ने इस क्षेत्र के बुनियादी ढांचे की मजबूती और परियोजना की व्यवहारिकता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

एयर इंडिया को फिर से महान बनाएंगे नए सीईओ टेवोल्डे गेब्रेमारियम

समाज जागरण

नई दिल्ली। एयर इंडिया के आगामी सीईओ एवं प्रबंध निदेशक टेवोल्डे गेब्रेमारियम ने कार्यभार संभालने से पहले कर्मचारियों को भरोसा दिलाया है कि वह टाटा समूह की एयरलाइन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया की विरासत बेहद शानदार है और इसमें विकास की अपार संभावनाएं हैं।

कर्मचारियों के साथ आयोजित टाउन हॉल बैठक में एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन और मौजूदा सीईओ एवं एमडी कैंपबेल विल्सन भी मौजूद रहे। इसी दौरान गेब्रेमारियम ने कहा, *"मैं अमेरिका से आ रहा हूं, इसलिए मैं एक फ्रेज 'एमएजीए' का इस्तेमाल करना चाहूंगा–हम एयर इंडिया को फिर से महान बनाएंगे।"*

गेब्रेमारियम फिलहाल सरकार से जरूरी सुरक्षा मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद वह औपचारिक रूप से एयर इंडिया के सीईओ एवं एमडी का पद संभालेंगे।

उन्होंने एयर इंडिया की क्षमता पर भरोसा जताते हुए कहा कि एयरलाइन की विरासत शानदार है, ब्रांड मजबूत है और इसमें काफी संभावनाएं हैं। यदि सही समय पर सही फैसले लिए जाएं तो एयरलाइन की प्रगति की कोई सीमा नहीं होगी।

सुरक्षा और यात्रियों का भरोसा सर्वोच्च प्राथमिकता

टाउन हॉल बैठक में एन. चंद्रशेखरन ने एयर इंडिया के अगले चरण की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि सुरक्षा, यात्रियों का भरोसा, परिचालन उत्कृष्टता और लागत पर नियंत्रण कंपनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण होंगे।

चंद्रशेखरन ने कहा कि एयर इंडिया को टाटा समूह में वापस लाना उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया केवल एक व्यावसायिक कंपनी नहीं है, बल्कि यह अरबों लोगों से जुड़ी हुई एयरलाइन है।

उन्होंने कर्मचारियों से यात्रियों और आम जनता का भरोसा जीतने को सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य बनाने का आह्वान किया।

ग्राहक सेवा और लागत नियंत्रण पर भी जोर

एयर इंडिया प्रबंधन ने ग्राहक सेवा और यात्री अनुभव में अधिक एकरूपता लाने की जरूरत पर भी जोर दिया। कर्मचारियों से बदलते परिचालन माहौल के अनुरूप तेजी से निर्णय लेने और चुस्त-दुरुस्त तरीके से काम करने की अपेक्षा की गई।

इसके साथ ही एयरलाइन में वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। चंद्रशेखरन ने पूरी एयर इंडिया में लागत के प्रति जागरूकता की संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता बताई।

नए नेतृत्व के आने के साथ एयर इंडिया के सामने सुरक्षा, सेवा, परिचालन क्षमता और वित्तीय प्रदर्शन को मजबूत करने की बड़ी चुनौती होगी।

मुश्किल दौर से गुजर चुकी है एयरलाइन

चंद्रशेखरन ने कहा कि पिछले 18 महीनों के दौरान एयर इंडिया को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। भू-राजनीतिक तनाव, एयरस्पेस बंद होने, ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव और दुखद एआई171 दुर्घटना ने एयरलाइन के संचालन को प्रभावित किया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि एयर इंडिया की सर्वोच्च प्राथमिकता सुरक्षा ही रहेगी। उनका कहना था कि एयरलाइन को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ एयरलाइनों के मुकाबले भी बेहतर सुरक्षा रिकॉर्ड बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। चंद्रशेखरन ने कहा, "सुरक्षा इस बारे में नहीं है कि हम क्या कहते हैं। यह इस बारे में है कि हम हर दिन क्या करते हैं।"

उन्होंने संगठन के सभी स्तरों पर नियमों के कड़ाई से पालन, विश्वस्तरीय प्रक्रियाओं और व्यक्तिगत जवाबदेही को मजबूत करने पर जोर दिया।

सेनाओं की ताकत बढ़ेगी, 1.10 लाख करोड़ की रक्षा खरीद को मंजूरी

समाज जागरण

नई दिल्ली, 7 सितंबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में सशस्त्र बलों की क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

थलसेना के लिए रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु टोही वाहन, उच्च गतिशीलता वाले वाहन, स्वचालित बारूदी सुरंग बिछाने वाली मशीनें, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर और सर्वत्र पुल प्रणाली समेत कई उपकरणों की खरीद को मंजूरी मिली है।

नौसेना के लिए आधुनिक 'अरुध्रा रडार' और स्वदेश में विकसित मरीन गैस टर्बाइन के डिजाइन एवं विकास तथा खरीद का रास्ता साफ किया गया है। वहीं वायुसेना के लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों की युद्धक क्षमता बढ़ाने तथा ग्राउंड आधारित बहुउद्देशीय जैमर की खरीद को भी मंजूरी दी गई है।

डीएसी ने तीनों सेनाओं में कागज आधारित पहचान पत्रों की जगह रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान तकनीक आधारित स्मार्ट कार्ड व्यवस्था लागू करने को भी स्वीकृति दी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन प्रस्तावों में करीब 98 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योग से की जाएगी। इससे स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ विदेशी रक्षा उपकरणों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। (इनपुट-आईएएनएस)

अमेरिका में भी इस रूप में विराजमान हैं नीम करोली बाबा

ताओस, अमेरिका। उत्तराखंड के प्रसिद्ध कैंची धाम वाले नीम करोली बाबा की भक्ति और उनकी आध्यात्मिक परंपरा भारत की सीमाओं से कहीं आगे तक पहुंच चुकी है। अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य के ताओस शहर की पहाड़ियों के बीच स्थित हनुमान मंदिर और आश्रम भारतीय आध्यात्मिकता और संस्कृति का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना विकसित राष्ट्र का लक्ष्य संभव नहीं : ओम बिरला

33% महिला आरक्षण से खुलेंगे राजनीतिक नेतृत्व के नए रास्ते

समाज जागरण

फरीदाबाद, 7 सितंबर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की जोरदार पैरवी करते हुए कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान ऐतिहासिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सेवाओं और विभिन्न पेशों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए वह दिन दूर नहीं, जब नेतृत्व के 50 प्रतिशत से अधिक पदों पर महिलाएं होंगी।

बिरला सोमवार को फरीदाबाद में राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से आयोजित 'लिंग-उत्तरदायी शासन' विषय पर दो दिवसीय अखिल भारतीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का उद्घाटन कर रहे थे।

सहायता से आगे नीति निर्माण में भागीदारी जरूरी

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण का दायरा केवल उन्हें सहायता और अवसर उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। महिलाओं को नीतियों, कार्यक्रमों और कानूनों के

निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को उन कानूनों के निर्माण में स्वयं भाग लेना चाहिए, जो उनकी वास्तविक चिंताओं और आकांक्षाओं का समाधान कर सकें। बिरला ने महिलाओं की समानता के प्रति संविधान की प्रतिबद्धता के साथ-साथ उनकी सुरक्षा, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए किए गए विभिन्न विधायी प्रयासों का भी उल्लेख किया।

महिला प्रतिनिधि उठा सकती हैं जमीनी मुद्दे

ओम बिरला ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी संस्थाओं की भूमिका महिलाओं के सामने उभर रही चुनौतियों की पहचान करने और उनके समाधान का रास्ता तैयार करने में महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिला प्रतिनिधि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उचित मंच तक पहुंचा सकती हैं। इससे कानून और नीतियां बनाने में जमीनी वास्तविकताओं को बेहतर तरीके से शामिल किया जा सकेगा।

विकसित भारत के लिए महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता जरूरी

बिरला ने कहा कि देश की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है। महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के बिना भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को रोजगार, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सशक्तिकरण के पर्याप्त अवसर मिलना जरूरी है। लोकसभा अध्यक्ष ने महिला विधायकों से ऐसी नीतियों, योजनाओं और विधायी उपायों पर विचार करने का आह्वान किया, जो अभाव और कठिनाइयों का सामना कर रही महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक हों।

ग्रामीण उपभोक्ताओं को अब 25 दिन में मिलेगा सिलेंडर

एलपीजी रिफिल बुकिंग नियम में बदलाव

समाज जागरण

नई दिल्ली, 7 सितंबर। घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी राहत देते हुए रिफिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सभी घरेलू एलपीजी उपभोक्ता 25 दिन के अंतराल पर रिफिल सिलेंडर बुक कर सकेंगे। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को रिफिल बुक कराने के लिए 45 दिन तक इंतजार करना पड़ता था।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घरेलू एलपीजी आपूर्ति की स्थिति में सुधार हुआ है और रिफिल का लंबित बैकलॉग भी काफी कम हुआ है। इसी को देखते हुए सरकार ने पहले लगाए गए प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला किया है।

मंत्री ने बताया कि अब देशभर में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए रिफिल बुकिंग का अंतराल समान होगा। पेट्रोलियम मंत्रालय ने तेल विपणन कंपनियों को संशोधित व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

संकट के दौरान बढ़ाया गया था अंतराल

वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की आपूर्ति में व्यवधान के बीच घरेलू एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने रिफिल बुकिंग पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे। उस दौरान शहरी उपभोक्ताओं को 25 दिन के अंतराल पर रिफिल बुक करने की अनुमति थी, जबकि ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए यह अंतराल 45 दिन रखा गया था।

अमेरिका-ईरान संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ा था। ऐसे में सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की उपलब्धता बनाए रखने और संभावित कमी को रोकने के लिए आपूर्ति प्रबंधन के कई कदम उठाए थे।

वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति भी सामान्य

सरकार इससे पहले वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति पर लगाए गए प्रतिबंधों में भी ढील दे चुकी है। जून में गैर-घरेलू पैक्ड एलपीजी की आपूर्ति को संघर्ष से पहले के स्तर के करीब सामान्य करने के निर्देश दिए गए थे।

उद्योगों को भी संकट के दौरान आपूर्ति संबंधी व्यवधानों से निपटने के लिए राहत दी गई थी। सरकार का कहना है कि एलपीजी आपूर्ति में सुधार और लंबित रिफिल की स्थिति बेहतर होने के बाद अब घरेलू उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में अधिक सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। (इनपुट-आईएएनएस)

लाल टोपी के बाद अब सपा का 'नीली पैंट, नीली शर्ट वाला दांव', अखिलेश यादव ने बदल दिया छात्र सभा का पूरा हुलिया

समाज जागरण

उत्तर प्रदेश की सियासत में साल 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए लगातार बदल रही है. सभी राजनीतिक दल फूंक-फूंक कर कदम रख रही हैं. इसी कड़ी में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) ने एक मास्टरस्ट्रोक खेला है. अब तक जो सपा लाल टोपी और लाल-हरे गमछे के लिए जानी जाती थी, उसने अपना ड्रेस कोड बदल लिया है. सपा अब केवल लाल टोपी नहीं बल्कि नीली पैंट, नीली शर्ट या नीली जींस और नीली टी-शर्ट पहचान बनाने की तैयारी में लगी है. दरअस, सोमवार को सपा चीफ ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों से अपनी पार्टी की छात्र संगठन ह्यसमाजवादी छात्र सभाह्न को जोड़ने की कोशिश कर रही है, जिसे देखते हुए रूप-रंग

और ड्रेस कोड को पूरी तरह से बदलने का फैसला लिया गया है.

सूत्रों और पार्टी कार्यक्रमों के अनुसार, सपा चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को आधिकारिक रूप से इस नई ड्रेस को लॉन्च करेंगे. इस भव्य लॉन्चिंग कार्यक्रम के लिए पार्टी कार्यालय में प्रदेशभर के सैकड़ों कार्यकताओं को विशेष तौर पर बुलाया गया है. इसके अलावा विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र संघों के पूर्व व वर्तमान अध्यक्षों के साथ-साथ प्रमुख छात्र नेताओं को भी इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है.

क्या होगा छात्र सभा का नया ड्रेस कोड?

संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों और उनकी विचारधारा से गहरे तौर पर प्रभावित होते हुए समाजवादी पार्टी ने अपने छात्र विंग के लिए नीले रंग को चुना है. नई व्यवस्था के तहत अब समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी नीले रंग की पोशाक में दिखाई देंगे.

'सड़क बनेगी तो धंसेगी, सड़क धंसेगी तो फिर बनेगी'

केशव मौर्य के बयान का वीडियो वायरल, सोशल मीडिया पर लोगों ने उठाए सवाल

प्रयागराज, 7 सितंबर। भगवान श्रीराम के वनवास से जुड़े राम गमन मार्ग के एक हिस्से के धंसने के बाद उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। सड़क धंसने को लेकर मीडिया के सवाल पर उनके जवाब का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में केशव प्रसाद मौर्य कहते सुनाई दे रहे हैं, "सड़क बनेगी तो धंसेगी... सड़क धंसेगी तो बनेगी।"

60 किमी की रफ्तार से चलेंगी तूफानी हवाएं

हिमाचल से यूपी-बिहार तक मौसम विभाग का अलर्ट, 8 सितंबर को भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली, 7 सितंबर। देश के कई हिस्सों में मानसून एक बार फिर सक्रिय होता नजर आ रहा है। मौसम विभाग ने 8 सितंबर को उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में भारी बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। कुछ इलाकों में हवा की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार मध्य उत्तर प्रदेश के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके साथ मानसूनी टर्फ रेखा भी सक्रिय है।

कम दबाव के क्षेत्र और चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम खराब रहने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर में उमस बढ़ाएगी परेशानी

दिल्ली-एनसीआर में फिलहाल भारी बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है, लेकिन बारिश थमने के बाद उमस और गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है। मौसम में बदलाव के कारण यातायात और रोजमर्रा की गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है।

यूपी बीजेपी का जिला प्रभारियों को बदलने का बड़ा दांव

महेन्द्र तिवारी

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी धीरे-धीरे गरमाती जा रही है। राज्य की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीतिक तैयारियों के तहत सांगठनिक मशीनरी को मथना शुरू कर दिया है। गौरतलब है, किसी भी राजनीतिक दल के लिए चुनाव केवल बयानों और भाषणों से नहीं लड़े जाते, बल्कि इसके पीछे एक मजबूत, अनुशासित और दुरुस्त संगठन की बड़ी भूमिका होती है। भाजपा इस बात को भली-भांति समझती है कि संगठन के कमजोर होने का मतलब कांग्रेस बन जाना होता है। इसीलिये उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और राजनीतिक रूप से संवेदनशील सूबे में तीसरी बार विजय हासिल करने के लिए जमीन पर पार्टी के ढांचे का एकदम सटीक बैठाये जाने के लिये लम्बा विचार-विमर्श चल रहा है। यही कारण है कि प्रदेश और क्षेत्रीय कार्यकारिणी में बड़े पैमाने पर फेरबदल करने के बाद अब पार्टी का पूरा फोकस जिलों के प्रभारियों और जिला कमेटियों को बदलने पर केंद्रित हो गया है। सांगठनिक फेरबदल की इन चल रही बयारों और सुगबुगाहटों ने उन तमाम नेताओं और कार्यकताओं की नींद उड़ा दी है, जो आगामी विधानसभा चुनाव के लिए खुद को टिकट का सबसे प्रबल दावेदार मानकर चल रहे थे।

संगठनात्मक बदलाव के इस सिलसिले की शुरूआत निचले और मध्यम स्तर पर व्यवस्थित ढंग से की जा रही है, जिसके तहत पिछले दिनों मुरादाबाद महानगर और जिला कार्यकारिणी के गठन व पुनर्गठन के जरिए साफ संदेश दे दिया गया था। इन नई कमेटियों के गठन के पीछे केवल सतही बदलाव का उद्देश्य नहीं था, बल्कि इसके जरिए बहुत ही बारीकी से जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है। उत्तर प्रदेश की राजनीति जातिगत ताने-बाने से गहराई से जुड़ी हुई है और कोई भी दल सामाजिक संतुलन को नजरअंदाज करके आगे नहीं बढ़ सकता है। भाजपा ने जिस प्रकार से विभिन्न जिलों में नियुक्तियों के दौरान क्षेत्रीय और जातीय संतुलन का ध्यान रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी का केंद्रीय और प्रांतीय नेतृत्व किसी भी एक वर्ग या समीकरण के भरोसे चुनाव में उतरने का जोखिम नहीं उठाना चाहता। हर जिले और महानगर में वहां की सामाजिक जनसांख्यिकी के मुताबिक चेहरों को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि चुनावों से ठीक पहले किसी भी प्रकार के असंतोष को पनपने से रोका जा सके और सभी प्रमुख जातियों को संगठन के साथ जोड़कर एक मजबूत संदेश दिया जा सके।

जिला स्तर पर होने वाले इन बदलावों की श्रृंखला में अगला और सबसे महत्वपूर्ण चरण जिला प्रभारियों का फेरबदल माना जा रहा है, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चचाएं तेज हो गई हैं। जिला प्रभारी की भूमिका किसी भी जिले में पार्टी के भीतर बेहद प्रभावी और निर्णायक होती है। जिला प्रभारी न केवल संगठन और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय का काम करते हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर टिकट वितरण से लेकर चुनावी रणनीति की रूपरेखा तय करने में भी उनकी केंद्रीय भूमिका होती है। जब किसी जिले का प्रभारी बदला जाता है, तो उस जिले की पूरी राजनीतिक गतिशीलता प्रभावित होती है। अब तक जिन जिलों में पुराने प्रभारी जमे हुए थे, उनके साथ स्थानीय नेताओं और टिकट के दावेदारों के समीकरण सेट हो चुके थे। कई दावेदार पिछले कई वर्षों से अपने आकाओं और प्रभारियों के जरिए जमीन तैयार करने में जुटे थे, ताकि सही समय पर टिकट की जुगत भिड़ाई जा सके। लेकिन नए प्रभारियों के आने की संभावना मात्र से इन पुराने समीकरणों के ध्वस्त होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे टिकट के दावेदारों की धड़कनें तेज होना स्वाभाविक है।

इस पूरी प्रक्रिया का सबसे बड़ा मनोवैज्ञानिक असर उन नेताओं पर पड़ा है, जो लंबे समय से खुद को क्षेत्र का सर्वसर्वा मानकर बैठे थे और जिन्हें लगता था कि स्थानीय संगठन पर उनकी पकड़ के कारण पार्टी उनके सामने टिकट वितरण में किसी और विकल्प पर विचार ही नहीं करेगी। भाजपा में संगठनात्मक संस्कृति हमेशा से व्यक्ति-केंद्रित न होकर व्यवस्था-केंद्रित रही है, और समय-समय पर प्रभारियों को बदलकर पार्टी यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी नेता या पदाधिकारी एक ही जगह पर लंबे समय तक रहकर गुटबाजी या व्यक्तिगत प्रभाव का केंद्र न बन जाए। जब नए जिला प्रभारी आएंगे, तो वे अपने साथ नई कार्यशैली, निष्पक्ष आकलन रिपोर्ट और बिल्कुल नया दृष्टिकोण लेकर आएंगे। वे बिना किसी पूर्व पूर्वाग्रह के जमीनी हकीकत का जायजा लेंगे कि कौन सा नेता वास्तव में जनता के बीच लोकप्रिय है और किसकी सक्रियता सिर्फ कागजों तक सीमित है। यही वह बात है, जो उन दावेदारों को सबसे ज्यादा डरा रही है, जिनकी पकड़ जनता के बीच कम और पार्टी कार्यालयों के गलियारों में ज्यादा मजबूत मानी जाती है।

टिकट के दावेदारों की बढ़ी हुई मुश्किलों के पीछे एक और बड़ा कारण यह है कि नए प्रभारियों के जरिए पार्टी हाईकमान का सीधा संदेश कार्यकताओं की कार्यक्षमता और जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता पर आधारित है। अब तक टिकट के कई दावेदार सिर्फ इस भ्रम में जीते रहे हैं कि उनके पास वित्तीय संसाधन हैं या पार्टी के किसी वरिष्ठ पदाधिकारी से उनकी नजदीकी है, तो टिकट उनकी झोली में खुद-ब-खुद आ जाएगा। लेकिन जिस प्रकार से पार्टी ने माइक्रो-मैनेजमेंट और जमीनी फीडबैक के आधार पर बदलाव करने शुरू किए हैं, उससे साफ है कि इस बार पैराशूट या केवल सिफारिश के दम पर टिकट पाने की राह आसान नहीं होगी। जिला प्रभारियों के बदलने से स्थानीय स्तर पर चल रहे वे तमाम गुप्त समीकरण और समझौते बिखर जाएंगे, जिनके बूते लोग टिकट की उम्मीद लगाए बैठे थे। नए प्रभारियों की यह जिम्मेदारी होगी कि वे पूरी पारदर्शिता के साथ जिताऊ और जुझारू उम्मीदवारों के पैनल तैयार करें, जिससे उन लोगों की मुश्कलें बढ़ गई हैं, जो सिर्फ हवा हवाई दावों के दम पर अपनी जमीन मजबूत मान रहे थे।

इसके साथ ही, इस पूरी संगठनात्मक सर्जरी के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल बना रहे। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि चुनाव नजदीक आते-आते स्थानीय स्तर पर कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों के बीच दूरियां बढ़ने लगती हैं, जिसका सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ता है। नए प्रभारियों की तैनाती इस बात को भी ध्यान में रखकर की जा रही है कि वे समन्वय स्थापित करने में माहिर हों और किसी भी तरह के आंतरिक विरोध या भीतरघात को समय रहते कुचल सकें। जब संगठन का पहिया दुरुस्त होता है और नीचे से लेकर ऊपर तक के पदाधिकारियों में एक स्पष्ट वैचारिक व कार्यगत अनुशासन होता है, तो चुनावी प्रबंधन स्वतः आसान हो जाता है। भाजपा का यह आंतरिक फेरबदल इस बात का प्रमाण है कि पार्टी ने चुनाव से काफी पहले ही अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करना शुरू कर दिया है, ताकि चुनावी समर में उतरने से पहले संगठन का हर एक सिपाही पूरी तरह से प्रशिक्षित और युद्ध के लिए तैयार मिले।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश में जिस तरह से विपक्षी दल भी अपनी रणनीतियों को धार देने में लगे हैं, ऐसे में भाजपा का यह मथने वाला अभियान उसकी दूरगामी राजनीतिक सोच को दशार्ता है। संगठन के भीतर लगातार हो रहे इन परिवर्तनों से भले ही कुछ समय के लिए असंतोष या असमंजस की स्थिति पैदा होती हो, लेकिन दीर्घकालिक रूप से यह पार्टी को अधिक अनुशासित और धारदार बनाता है। जिन दावेदारों की मुश्किलें इन बदलावों की वजह से बढ़ी हैं, उनके पास अब अपनी कार्यशैली बदलने और जनता के बीच अपनी वास्तविक जमीनी पकड़ साबित करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। उन्हें यह समझ आ चुका है कि अब केवल भाई-भतीजावाद या व्यक्तिगत नजदीकियों के सहारे उम्मीदवारी हासिल नहीं की जा सकती, बल्कि इसके लिए संगठन के मानकों पर खरा उतरना ही होगा। अंततः, उत्तर प्रदेश की राजनीति का यह दौर इस बात का गवाह बन रहा है कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए केवल चेहरों पर नहीं, बल्कि एक अचूक और परिष्कृत सांगठनिक तंत्र के निर्माण पर पूरी ताकत से काम कर रही है, जिसके आगे हर व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को किनारे होना पड़ रहा है।

मौत का जाम...!

सागर की धरती रो पड़ी,
आँखों में है नमी,
किसने घोला जहर, बाँटी
हैं मौत की गमी?
जाम समझ बढ़े,
"जिंदगी" हाथ से छूट
गई,
घर की चौखट सूनी,
लाखों उम्मीदें टूट गईं।

वो किसके लाल ग्यारह,
बहुतों के थे सहारे,
हर माँ की आँखें पूछ
रहीं, कहाँ मेरे दुलारे?
शराब नहीं, ये जहर था,
घर-घर शोक दिया,
लालच की आँधी ने घर
संसार झोंक दिया।

सात दुकानों पे ताले,
सवाल अभी बाकी है,
कानून की चौखट पे
जवाबदेही की बारी है।
कितना बिकता रहेगा
जहर, यूं घर उजड़ेंगे?
चंद सिक्कों की खातिर
इंसानियत से लड़ेंगे?

ऐसा समाज बनाएंगे,
जीवन सबसे प्यारा हो,
यूं नशे के अंधियारे में
मानवता उजियारा हो।
ग्यारह दीप बुझ गए, सिर्फ
ये संदेश छोड़ गए,
जिंदगी अनमोल है, इसे
जाम में ना खोने दो।
(संदर्भ - जहरीली शराब
ने ली 11 जानें।)

**संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व
समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य
प्रदेश)**

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, जिंदादिली से जीने की सीखें कला

जीवन के मोल का अंदाजा केवल एक बात से लगा लीजिए कि, एक मृत शरीर है, दुनिया की सारी दौलत खर्च करके, अत्याधुनिक अस्पताल, सरकारें, धार्मिक कर्मकांड सब मिलकर कोशिश कर लें, पूरे ब्रह्मांड की ताकत लगाकर भी मृत शरीर में एक सेकंड के लिए भी जान नहीं ला सकते। मतलब जीवन अनमोल है, उसे खत्म करने का अधिकार हमें स्वयं भी नहीं, क्योंकि यह जीवन अन्य की देन हैं। हर साल 10 सितंबर को ह्लविश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसह्ल जागरूकता हेतु दुनियाभर में मनाया जाता है, इसका उद्देश्य लोगों में आत्महत्या जैसे बुरे विचारों को दूर करके एक सुखद सकारात्मक सोच जैसा वातावरण बनाने पर जोर देना हैं। इसकी थीम "आत्महत्या के बारे में सोच बदलना और बातचीत शुरू करें" यह है, वर्ष 2024 से 2026 तक यही थीम रखी गयी हैं।

आज के आधुनिक युग में आत्महत्याओं में बेहद बढ़ोतरी हमें संकेत दे रही है कि, हम अनुचित वातावरण में जी रहे है, आत्महत्या के कारण जैसे - मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, मानसिक खेलों का शिकार होना, अकेलापन और कमजोर होते सामाजिक संबंध, असफलता, पढ़ाई और करियर का दबाव, आर्थिक असुरक्षितता, धोखाधड़ी, डर, रिश्तों का टूटना, सामाजिक तुलना और डिजिटल दबाव, हिंसा, दुर्व्यवहार और भेदभाव, नशीले पदार्थों का सेवन या बुरी लत, झूठे दिखावे की आदत, शरीर या मन में लंबे समय तक दर्द और बीमारी। ऐसे अनेक कारणों से आत्महत्या में लगातार वृद्धि हुयी है, इसमें जल्द सुधार की आवश्यकता हैं। जब आत्महत्या होती है, तब केवल एक जान ही नहीं जाती, बल्कि उस परिवार, रिश्तेदार, कार्यस्थल, समाज और उससे संबंधित संपूर्ण समुदाय में हमेशा के लिए एक स्थान रिक्त होता है, सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक प्रभाव पड़ता हैं। आत्महत्याओं को रोकने के लिए आपसी रिश्तों में सहानुभूति के साथ बातचीत को बढ़ावा देना बहुत जरुरी हैं। गलतफहमी को दूर करना, समस्या साझा करना, खुलेपन से अपनी बात रखना, सहानुभूति और सहयोग का माहौल बनाना, यह बातें बेहद आवश्यक हैं। सरकार और सामाजिक संस्थाओं ने भी समाज में सकारात्मक माहौल बनाये रखने में अमूल्य भूमिका निभानी चाहिए।

जिस देश या समाज में ज्यादा समस्याएं, परेशानियां होती है, वहां के वातावरण में रहनेवाले लोग ज्यादा आत्महत्याएं और अपराध करते है, क्योंकि जीने के लिए अधिक संघर्ष का सामना करना पड़ता हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानसिक स्वास्थ्य एटलस 2024 रिपोर्ट अनुसार, साल 2021 में 7,27,000 मौतें आत्महत्या के कारण हुईं। युवाओं में मौत की तीसरी सबसे बड़ी वजह आत्महत्या ही हैं। वैश्विक स्तर के तुलना में भारत में आत्महत्याएं ज्यादा होती हैं। महाराष्ट्र में किसान वर्ग की आत्महत्या सबसे ज्यादा चिंता का विषय हैं। महाराष्ट्र सरकार के आंकड़ों अनुसार, राज्य में साल 2023 में कुल 6,669 किसान और खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की, जबकि पुरे भारत में 10786 किसानों ने आत्महत्या की थी।

बहुत बार हमें पता होता है कि, कोई चीज हमारे लिए नुकसानदायक है, फिर भी हम नहीं सुधरते। अनेक बार छोटी-छोटी बिना काम की बातों को अधिक तूल दिया जाता है, जिसका सीधा बुरा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता हैं। आजकल खुद को दुःख देने के लिए हम खुद ही ज्यादा जिम्मेदार है, जल्द गुस्सा आना, मनमाफिक काम न होने पर आपा खो देना, दुसरो को दोष देना या द्वेष करना, दूसरों पर अंधा भरोसा, भावनाओं में बह जाना, स्वार्थ, लालच, झूठा दिखावा करना और विपरीत स्थिति में भी दिखावा बनाये रखना, समाधान की कमी, लगातार जिंदगी की प्रतियोगिता में भागते रहना, बुरी संगत, दूसरों की खुशी में दुखी और दूसरों के गम में खुश होना, ईर्ष्या, लोगों से ज्यादा अपेक्षाएं लगाना, आश्रित होना, मानसिक खेलों का शिकार होना, मेहनत से दूर भागना और शॉर्टकट अपनाना जैसी अनेक बातें मनुष्य के खुद की उपज है, चाहे तो मनुष्य इन बातों पर नियंत्रण रखकर बेहतर स्वास्थ्यवर्धक समाधानी जीवन जी सकता हैं। हमारी गलतियों का नतीजा ही बहुत बार हमें आत्महत्या के विचारों तक लाता है, इसलिए काम या व्यवहार ही ऐसा करें, जो हमें परेशानी और गलतियों से बचायें।

दूसरों पर जल्द भरोसा न करें, अंधा भरोसा किसी पर भी न करें। समयानुसार अपने काम में परिवर्तनशीलता लाये, कौशलता सीखें। गहरे मनोवैज्ञानिक खेल खेलने वालों से बचें। झूठे दिखावे से बचें, नशे से दूर रहें, बुरी संगत न करें। पछतावे में समय न गवाएं, अब क्या बेहतर हो सकता है, ये सोचें। कम ही सही लेकिन अच्छे लोगों के संपर्क में रहें, जो विपरीत परिस्थितियों में भी आपका साथ दें। आधुनिकता और सोशल मीडिया की लत न लगायें। किसी भी निर्णय से पहले सोचें-समझें, परिणाम का अंदाज लगाए फिर क्रिया करें। उग्र गुस्सा, भावनाओं या जोश में अनुचित निर्णय लेने से बचें। आधुनिक जीवनशैली मानव जीवन के लिए अभिशाप साबित हो रही है, इसका अनुसरण ना करें। समाधानी बनें, मेहनत पर भरोसा करें, अपनी इच्छाएं दूसरों पर न थोपें, रोजाना खुद के लिए समय निकालें, हेअल्थी हॉबी को प्राथमिकता दें।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की तंदरुस्ती के लिए रोजाना व्यायाम करें। प्रकृति, पर्यावरण, पशु-पक्षी की रक्षा और परोपकार की भावना जगायें, असहायों की मदद करें। जिंदगी जिंदादिली से जीना है काटना नहीं हैं। अपनों के प्यार, भावनाओं की कद्र करें और अपने अनमोल जीवन का मोल समझें। हमारी वजह से कभी किसी को तकलीफ न हों, ऐसे जीवन का निर्धार करें। अगर हम अनुचित काम नहीं कर रहे, तो लोग क्या कहेंगे इसका विचार न करें, कोई काम छोटा-बड़ा नहीं होता हैं। दूसरों की खुशी में खुश और दूसरों के गम में दर्द बांटना ही इंसानियत है, यही मानव का फर्ज हैं। ऐसी आदतों और वातावरण में जीनेवाला व्यक्ति हमेशा सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत होता है, तकलीफों और मुश्किलों से भागता नहीं, डटकर मुकाबला करता हैं। हमेशा शांत, सजग, समाधानी और प्रसन्न रहता है और ऐसे ही हमें जीना हैं।

लुई ब्रेल, अब्राहम लिंकन, फ्लोरेंस नाइटिंगेल, महात्मा ज्योतिराव फुले, सावित्रीबाई फुले, थॉमस एडिसन, अलेक्जेंडर ग्राहम बेल, मैरी क्यूरी, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, श्रीनिवास रामानुजन, चार्ली चैपलिन, नेल्सन मंडेला, मदर टेरेसा, ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, दशरथ मांझी, बछेंद्री पाल, सिंधुताई सपकाल, अरुणिमा सिन्हा, मलाला यूसुफजई, निक वुजिचिक, तुलसी गौड़ा, सोनम वांगचुक, मैरी कॉम जैसे असंख्य लोग हुए और आज भी है, जो विपरीत परिस्थितियों पर मात कर संघर्षमय जीवन को एक मिसाल बनाकर दुनिया में पथ प्रदर्शक के रूप में रोशन हुए हैं।

तनाव के कारण हार्ट अटैक, पक्षाघात या अन्य गंभीर बीमारी की समस्या तेजी से बढ़ रही है, किसी भी समस्या में तनाव न लें, यह तनाव व्यवस्थापन की कला हमने अपने देश के नेताओ से सीखना चाहिए। अतिसाधारण ग्रामीण व्यक्ति, साधारण, कद-काठी लगभग अनपढ़ गरीब मजदूर दशरत मांझी ने बिना किसी के सहारे 22 साल के अथक परिश्रम से अकेले पहाड़ काटकर लोगों की सुविधा के लिए रास्ता बनाया। इतनी मुसीबतों में उन्होंने इतिहास रचा, तो हम क्यों जल्दी जिंदगी से हार मान लेंगे। जब तक सफलता नहीं मिलती तब तक प्रयास जारी रखें, अपने कार्य में छोटीसी चींटी भी कभी हार नहीं मानती, फिर तो हम इंसान है, जीत जायेंगे हम भी अगर हमारा इरादा और हौसला बुलंद है तो। मुश्किलें, असफलता या दुःख आये या कभी भी बुरे ख्याल परेशान करे तो, एक बात ध्यान में रखना कि, दुनिया में हमसे भी ज्यादा बुरे परिस्थिति में लोग जी रहे है और समय परिवर्तनशील है वक्त बदलता जरूर है, हमारा भी वक्त बदलेगा।

लेखक - डॉ. प्रितम भि. गेडाम

साक्षरता : अक्षर ज्ञान से आगे, अधिकार और आत्मसम्मान की रोशनी

किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों, बढ़ती अर्थव्यवस्था और आधुनिक तकनीक से नहीं किया जा सकता। किसी राष्ट्र की असली ताकत इस बात में निहित होती है कि उसके नागरिक कितने जागरूक, शिक्षित, विवेकशील और अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग हैं। इसी दृष्टि से साक्षरता केवल अक्षर पहचानने या पढ़ना-लिखना सीख लेने का नाम नहीं, बल्कि व्यक्ति को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने की पहली सीढ़ी है।

हर वर्ष 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया में शिक्षा और साक्षरता की दिशा में काफी प्रगति के बावजूद आज भी अनेक लोग पढ़ने-लिखने और बुनियादी ज्ञान से वंचित हैं। यह स्थिति केवल व्यक्ति के विकास में बाधा नहीं बनती, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी प्रभावित करती है। साक्षर व्यक्ति अपने आसपास की दुनिया को अधिक स्पष्टता से समझ सकता है। वह किसी दस्तावेज को पढ़ सकता है, बैंक संबंधी जानकारी समझ सकता है, सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकता है, अपने अधिकारों के बारे में जान सकता है और आवश्यक निर्णय अधिक आत्मविश्वास के साथ ले सकता है। इसके विपरीत निरक्षरता व्यक्ति को दूसरों पर निर्भर बना देती है और कई बार उसे शोषण तथा धोखाधड़ी का आसान शि कार भी बना देती है।

इसीलिए साक्षरता को आत्मसम्मान और स्वतंत्रता का माध्यम कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। लेकिन आज साक्षरता की परिभाषा को भी व्यापक बनाने की आवश्यकता है। केवल अपना नाम लिख लेना या किसी पुस्तक के शब्द पढ़ लेना पर्याप्त नहीं है। आधुनिक युग में व्यक्ति को कार्यात्मक साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य साक्षरता और नागरिक साक्षरता की भी आवश्यकता है।

डिजिटल युग में मोबाइल फोन और इंटरनेट हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में डिजिटल जानकारी का अभाव भी एक प्रकार की नई निरक्षरता पैदा कर रहा है। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी पोर्टल, ऑनलाइन आवेदन और सोशल मीडिया का उपयोग करते समय यदि व्यक्ति बुनियादी डिजिटल समझ नहीं रखता तो वह साइबर ठगी और गलत सूचनाओं का शिकार हो सकता है। इसलिए आज साक्षरता का अर्थ यह भी है कि व्यक्ति डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और विवेकपूर्ण ढंग से व्यवहार करना जाने।

महिला साक्षरता इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। जब एक महिला शिक्षित होती है तो उसका लाभ केवल उसे ही नहीं मिलता। शिक्षित मां अपने बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य को लेकर अधिक जागरूक निर्णय ले सकती है। वह परिवार के आर्थिक और सामाजिक निर्णयों में अधिक प्रभावी भागीदारी कर सकती है। इसीलिए महिला साक्षरता को वास्तव में एक पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों की साक्षरता माना जा सकता है।

ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में साक्षरता की चुनौती आज भी विशेष महत्व रखती है। आर्थिक कठिनाइयां, विद्यालयों की दूरी, सामाजिक रूढ़ियां, बाल श्रम, शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी और कई बार पारिवारिक परिस्थितियां बच्चों को शिक्षा से दूर कर देती हैं। ऐसे क्षेत्रों में सरकार के साथ समाज, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षकों और जागरूक नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। साक्षरता अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम बनकर सफल नहीं हो सकते। जब तक समाज स्वयं यह जिम्मेदारी नहीं लेता कि उसके आसपास कोई व्यक्ति पढ़ने-लिखने से वंचित न रहे, तब तक लक्ष्य अधूरा रहेगा। प्रत्येक शिक्षित व्यक्ति यदि कम से कम एक निरक्षर व्यक्ति को पढ़ना-लिखना सिखाने का संकल्प ले, तो यह एक बड़ी सामाजिक क्रांति का आधार बन सकता है।

साक्षरता का संबंध लोकतंत्र से भी गहरा है। लोकतंत्र केवल मतदान करने का अधिकार नहीं है। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब नागरिक अपने अधिकारों, संवैधानिक मूल्यों, सरकारी नीतियों और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक हों। पढ़ा-लिखा और विवेकशील नागरिक अफवाहों तथा भ्रामक प्रचार से प्रभावित होने के बजाय तथ्यों को समझने और विचार करने की क्षमता रखता है। आज सोशल मीडिया के दौर में यह चुनौती और बढ़ गई है। सूचना की अधिकता के बीच सही सूचना की पहचान करना स्वयं एक कौशल बन गया है। इसलिए हमें ऐसी साक्षरता चाहिए जो व्यक्ति को केवल पढ़ने की क्षमता न दे, बल्कि सोचने, समझने, प्रश्न करने और सत्य-असत्य में अंतर करने की क्षमता भी प्रदान करे।

साक्षरता का आर्थिक विकास से भी सीधा संबंध है। पढ़ा-लिखा व्यक्ति रोजगार के बेहतर अवसर तलाश सकता है, नई तकनीक सीख सकता है, सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकता है और छोटे व्यवसाय को अधिक व्यवस्थित तरीके से चला सकता है। इस प्रकार साक्षरता व्यक्ति की आर्थिक क्षमता बढ़ाने के साथ गरीबी कम करने में भी सहायक बनती है। हालांकि हमें यह भी समझना होगा कि साक्षरता और शिक्षा एक-दूसरे के पर्याय नहीं हैं। साक्षरता शिक्षा की शुरूआत है। वास्तविक शिक्षा तब पूर्ण होती है जब व्यक्ति में ज्ञान के साथ विवेक, संवेदना, नैतिकता और जिम्मेदारी का विकास हो।

यदि पढ़ा-लिखा व्यक्ति भी दूसरों के अधिकारों का सम्मान नहीं करता, प्रकृति के प्रति संवेदनशील नहीं है और समाज के प्रति अपने दायित्वों को नहीं समझता, तो उसकी शिक्षा अधूरी ही मानी जाएगी। इसलिए आज आवश्यकता केवल साक्षर भारत की नहीं, बल्कि जागरूक, विवेकशील और जिम्मेदार भारत की है।हमें बच्चों की शिक्षा के साथ वयस्क साक्षरता पर भी ध्यान देना होगा। ऐसे अनेक बुजुर्ग और वयस्क हैं जो जीवन के लंबे अनुभव के बावजूद अक्षर ज्ञान से वंचित हैं। उनके लिए साक्षरता का अवसर केवल ज्ञान प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि आत्मविश्वास वापस पाने का अवसर भी है। एक व्यक्ति जब पहली बार स्वयं अपना नाम लिखता है, किसी पत्र को पढ़ पाता है, अपने मोबाइल पर संदेश समझ लेता है या किसी सरकारी दस्तावेज को बिना किसी की सहायता के पढ़ लेता है, तो उसके भीतर पैदा होने वाला आत्मविश्वास किसी प्रमाणपत्र से कहीं अधिक मूल्यवान होता है।

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस इसलिए केवल आंकड़ों की समीक्षा करने का दिन नहीं होना चाहिए। यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति से एक प्रश्न पूछने का अवसर है,क्या हमारे आसपास कोई ऐसा व्यक्ति है जो पढ़ना-लिखना चाहता है, लेकिन अवसर के अभाव में साक्षर नहीं हो पाया? यदि उत्तर हां है, तो उसके जीवन में अक्षर का पहला दीप जलाने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा साांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

डीएम ने प्राथमिक विद्यालय मथुरापुर का किया औचक निरीक्षण

स्मार्ट क्लास, खेल गतिविधियों और मिड-डे मील की व्यवस्था देखी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 7 सितंबर। जिलाधिकारी ने सोमवार को दादरी ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय मथुरापुर का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्मार्ट क्लास, खेलकूद, मिड-डे मील, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलने पर उन्होंने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान सभी शिक्षक उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और शैक्षिक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से गिनती और 15 से 20 तक के पहाड़े सुने। विभिन्न कक्षाओं में

विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम से जुड़े सवाल भी पूछे और शिक्षण कार्य की गुणवत्ता परखी।

जिलाधिकारी ने स्मार्ट क्लास और डिजिटल शिक्षण व्यवस्था का अवलोकन करते हुए इनके प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के साथ व्हाइट बोर्ड जैसी पारंपरिक शिक्षण विधियों का भी संतुलित उपयोग किया जाए। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए नियमित खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां संचालित करने पर भी जोर दिया।

विद्यालय की कक्षाओं में शैक्षिक सामग्री व्यवस्थित मिलने पर भी जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने मिड-डे मील की गुणवत्ता, शौचालय, पेयजल, प्रकाश, वेंटिलेशन और परिसर की स्वच्छता का निरीक्षण किया। भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता पर नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने तथा शैक्षिक गुणवत्ता और सीखने के स्तर में लगातार सुधार के लिए विशेष ध्यान देने को कहा गया। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

60 शिक्षकों को मिलेट्स के प्रति जागरूक करने का प्रशिक्षण

विद्यार्थियों और अभिभावकों तक पहुंचाई जाएगी मोटे अनाज के पोषण व आर्थिक लाभ की जानकारी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 7 सितंबर। उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत सोमवार को डिफेन्स पब्लिक स्कूल, दादरी में शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के सरकारी, मान्यता प्राप्त और निजी जूनियर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट विद्यालयों के 60 शिक्षकों को मिलेट्स यानी श्री अन्न के उत्पादन, पोषण और उपयोग के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

उप कृषि निदेशक विवेक दुबे ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों के माध्यम से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को मोटे अनाज के पौष्टिक एवं आर्थिक लाभों के प्रति जागरूक करना है। मिलेट्स को विद्यालयी गतिविधियों का हिस्सा बनाकर इनके उपयोग और उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र छोलस के वैज्ञानिक डॉ. मोहन सिंह ने की। उन्होंने बताया कि मिलेट्स में फाइबर, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम समेत कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। संतुलित आहार में इनका उचित मात्रा में सेवन स्वस्थ जीवनशैली के लिए लाभकारी हो सकता है।

उन्होंने बताया कि कई मिलेट्स कम पानी में भी उगाए जा सकते हैं और बदलती जलवायु परिस्थितियों में भी बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। प्रशिक्षण में उत्पादन से लेकर उपभोग तक की जानकारी शिक्षकों को दी गई। कार्यक्रम में जिले के 62 विद्यालयों के शिक्षक शामिल हुए। इस दौरान अपर जिला कृषि अधिकारी दिव्यम यादव, सहायक विकास अधिकारी कृषि दुष्यंत भारद्वाज, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक नवल सिंह शेखावत, विक्रम सिंह तथा प्रशिक्षण नोडल शिक्षक महेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

न्यायालय परिसर में पार्किंग व कैंटीन संचालन के लिए निविदा

इच्छुक व्यक्ति 20 सितंबर तक जमा कर सकेंगे आवेदन

गौतमबुद्धनगर, 7 सितंबर। जनपद न्यायालय परिसर, गौतमबुद्धनगर में पार्किंग/स्टैंड-01 और कैंटीन-प्रथम के संचालन के लिए इच्छुक व्यक्तियों से निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। यह व्यवस्था वित्तीय वर्ष 2026-27 की शेष अवधि 1 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक के लिए होगी।

अध्यक्ष नीलामी समिति एवं अपर जिला जज/पोक्सो प्रथम अभिषेक पाण्डेय ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति 7 सितंबर से 15 सितंबर की शाम 4 बजे तक किसी भी कार्यदिवस में केंद्रीय नजारत, जनपद न्यायालय से निविदा फार्म प्राप्त कर सकते हैं। पार्किंग के लिए फार्म शुल्क 1500 रुपये और कैंटीन के लिए 1000 रुपये निर्धारित है।

इच्छुक आवेदकों को सभी औपचारिकताएं पूरी कर पात्रता एवं निर्धारित शर्तों से संबंधित दस्तावेजों के साथ 20 सितंबर की शाम 4 बजे तक निविदा फार्म केंद्रीय नजारत में जमा करना होगा। प्राप्त निविदाएं 25 सितंबर को शाम 4:30 बजे जनपद न्यायालय परिसर स्थित मीटिंग हॉल में नीलामी बोली के लिए खोली जाएंगी। सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर बैठक

सीडीओ ने अधिकारियों को माइक्रो प्लान तैयार कर समय से व्यवस्थाएं पूरी करने के दिए निर्देश

गौतमबुद्धनगर, 7 सितंबर। मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में सोमवार को विकास भवन सभागार में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में अभियान के तहत प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विभागवार माइक्रो प्लान तैयार कर सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए।

सीडीओ ने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक जनपद में अभियान आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों से आए सकारात्मक बदलावों को लोगों तक पहुंचाने तथा नागरिकों को ह्विकसित भारत-2047ह्व के सामूहिक संकल्प से जोड़ना है।

उन्होंने निर्देश दिए कि माइक्रो प्लान में कार्यक्रम का स्थान, तिथि, समय, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, लाभार्थियों की सूची, संसाधन और प्रचार-प्रसार की व्यवस्था स्पष्ट रूप से शामिल की जाए। अभियान के दौरान स्वच्छता, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान और जागरूकता कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

अभियान के तहत 'आशीर्वाद का दीया', 'नमो सेवा गाथा', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार', 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' और 'जनसेवा महाकुंभ' सहित विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

सीडीओ ने विकासखंड स्तर पर 'सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार' के तहत बहुउद्देशीय सेवा शिविर आयोजित कर पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ मौके पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही लाभार्थियों की अद्यतन सूची, विकास कार्यों के फोटो-वीडियो और कार्यक्रमों की दैनिक प्रगति का अभिलेखीकरण सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी आशीष कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश कुमार सिसौदिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क उपकरण मापन शिविर

दनकौर में 11 और दादरी में 12 सितंबर को होगा आयोजन

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 7 सितंबर। समग्र शिक्षा अभियान समेकित शिक्षा के तहत जिले के परिषदीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नामांकित 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु मापन शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर का आयोजन एलिम्को कानपुर के सहयोग से किया जा रहा है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि 11 सितंबर को सुबह 10 बजे बीआरसी दनकौर में मापन शिविर लगेगा। इसी स्थान पर 27 नवंबर को सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। वहीं 12 सितंबर को सुबह 10 बजे बीआरसी दादरी में मापन शिविर आयोजित होगा और 28 नवंबर को यहीं उपकरण वितरित किए जाएंगे।

शिविर में शामिल होने वाले बच्चों के अभिभावकों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, दिव्यांगता दर्शाते हुए चार फोटो तथा अभिभावक के पहचान पत्र की एक-एक छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। बीएसए ने पात्र बच्चों के अभिभावकों से निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है। सौजन्य : सूचना विभाग,

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहन को हरी झंडी

12 सितंबर को जिला मुख्यालय और तहसील न्यायालयों में होगी लोक अदालत

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 7 सितंबर। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव ने सोमवार को प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन के माध्यम से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पंपलेट वितरित कर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर 2026 (द्वितीय शनिवार) को सुबह 10 बजे से जनपद न्यायालय मुख्यालय के साथ जिले के समस्त तहसील न्यायालयों में किया जाएगा। इसमें विभिन्न मामलों का निस्तारण आपसी सहमति और समझौते के आधार पर किया जाएगा।

लोक अदालत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर, वैवाहिक विवाद, उत्तराधिकार, दीवानी मामले,

एनआई एक्ट, ई-चालान, आर्बिट्रेशन, विद्युत अधिनियम, भू-राजस्व और लघु शमनीय मामलों समेत विभिन्न प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। इसके अलावा सेवा, पेंशन, श्रम तथा प्री-लिटिगेशन स्तर के बैंक ऋण, विद्युत और बीएसएनएल बिल से जुड़े मामलों को भी आपसी समझौते से निपटाया जाएगा।

जनपद न्यायाधीश ने जिले के लोगों से अपने लंबित मामलों के त्वरित एवं सुलभ निस्तारण के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के ई-मेल dlsa.gbnnoida@gmail.com अथवा मोबाइल नंबर 9716535451 और 7678643985 पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर अपर जिला जज एवं विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) तथा राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अधिकारी सोमप्रभा मिश्रा, पीठासीन अधिकारी एमएसीटी कोर्ट वत्सल श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

आबकारी टीम ने शराब की दुकानों और ढाबों का किया औचक निरीक्षण

गोपनीय टेस्ट परचेज के साथ सीसीटीवी कैमरों की भी जांच

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 7 सितंबर। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देश तथा जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में जिले में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। इसके तहत 6 सितंबर को जनपदीय आबकारी टीमों ने देशी शराब, कंपोजिट शॉप, मॉडल शॉप, प्रीमियम रिटेल शॉप, बार अनुज्ञापनों और ढाबों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुज्ञापियों और विक्रेताओं को शराब के

विभिन्न ब्रांड प्रदर्शित करने तथा पास मशीन से स्कैन कर निर्धारित मूल्य पर ही मदिरा की बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। टीमों ने कैंटीनों की भी गहन जांच की।

आबकारी टीमों ने शराब की दुकानों पर गोपनीय तरीके से टेस्ट परचेज कर बिक्री व्यवस्था की जांच की। इसके साथ ही दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति और रियल टाइम रिकॉर्डिंग भी देखी गई। अधिकारियों ने विक्रेताओं को निर्धारित नियमों का पालन करने और बिक्री प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

105 पव्वे अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

इकोटेक-1 पुलिस ने बिजलीघर के पीछे सर्विस रोड से दबोचा

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 7 सितंबर। थाना इकोटेक-1 पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 105 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार कार्रवाई लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग के आधार पर की गई।

पुलिस ने बताया कि 6 सितंबर को टीम ने बिजलीघर के पीछे सर्विस रोड से मिंटू पुत्र प्रकाश, निवासी ग्राम चूहड़पुर खादर, थाना इकोटेक-1, उम्र 35 वर्ष को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 105 पव्वे अवैध देशी शराब

बरामद हुई।

मामले में थाना इकोटेक-1 में मु0अ0सं0 0096/2026, धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। सौजन्य : मीडिया सेल, पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

12 बाइक और दो स्कूटी बरामद, दो आरोपियों से चाकू भी मिले

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 7 सितंबर। थाना सूरजपुर पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से दोपहिया वाहन चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से चोरी की 12 मोटरसाइकिल और दो स्कूटी, करीब 20 लाख रुपये कीमत के वाहन बरामद किए हैं। दो आरोपियों के पास से अवैध चाकू भी मिले हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों को 6 सितंबर को गुलिस्तानपुर अंडरपास से एलजी कंपनी की ओर जाने वाली सड़क से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शिवम उर्फ

शूटर (24), अभिषेक (18), अजीत कुमार (23) और गौरव कुमार (19) के रूप में हुई है।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी दिल्ली-एनसीआर और नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में रेकी कर मोटरसाइकिल चोरी करते थे। चोरी के वाहनों को रेलवे पुल के पास कच्चे रास्ते से लगे जंगल में छिपाकर रखते थे और मौका मिलने पर उन्हें बेच देते थे। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर जंगल में छिपाकर रखे गए चोरी के वाहन भी बरामद किए। शिवम और अजीत के कब्जे से एक-एक अवैध चाकू बरामद किया गया।

मामले में थाना सूरजपुर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक गिरोह से जुड़े अन्य मामलों और संभावित सदस्यों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। सौजन्य : मीडिया सेल, पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर

जेवर एयरपोर्ट की बिजली आपूर्ति होगी और मजबूत

तीसरे स्वतंत्र फीडर के विकास पर चर्चा, 220 केवी लाइन का काम तेज करने के निर्देश

समाज जागरण/संदीप गर्ग

जेवर, 7 सितंबर। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर को गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय और निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने विद्युत व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में कदम तेज कर दिए हैं। सोमवार को पीवीवीएनएल के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एयरपोर्ट की वर्तमान विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, भविष्य की आवश्यकताओं और विद्युत तंत्र को और सुदृढ़ करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई।

33 केवी आपूर्ति फिलहाल सुचारू

बैठक में अधिकारियों ने एयरपोर्ट की वर्तमान 33 केवी विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार एयरपोर्ट को

वर्तमान में 33 केवी से बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से मिल रही है और अभी तक किसी प्रकार का ब्रेकडाउन नहीं हुआ है।

प्रबंध निदेशक ने एयरपोर्ट जैसे महत्वपूर्ण संस्थान की विद्युत व्यवस्था की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत तंत्र के नियमित अनुरक्षण, सुरक्षा व्यवस्था और समयबद्ध रखरखाव को और मजबूत करने पर जोर दिया, ताकि भविष्य में किसी भी तरह की विद्युत बाधा को रोका जा सके।

तीसरे स्वतंत्र फीडर पर आगे बढ़ेगा काम

एयरपोर्ट की भविष्य की विद्युत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बैठक में ईएसएस के लिए तीसरे स्वतंत्र फीडर के विकास पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि स्वतंत्र फीडर से संबंधित आवश्यक कार्यवाही के लिए यीडा के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

अधिकारियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक कार्यवाही पूरी करने और स्वतंत्र फीडर से जुड़े काम को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए। माना जा रहा है कि अतिरिक्त स्वतंत्र फीडर से एयरपोर्ट की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी।

220 केवी लाइन के काम में आएगी तेजी

बैठक में पारेषण खंड के माध्यम से निर्मित की जा रही 220 केवी विद्युत लाइन की प्रगति की भी समीक्षा की गई। प्रबंध निदेशक ने संबंधित अधिकारियों को पारेषण खंड के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर लाइन के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट की बढ़ती विद्युत जरूरतों को देखते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्युत तंत्र को पहले से मजबूत करना जरूरी है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग समयबद्ध तरीके से कार्य करें।

निर्बाध बिजली आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता ने अधिकारियों से कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की विद्युत आपूर्ति में विश्वसनीयता, निरंतरता और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने एयरपोर्ट की विद्युत व्यवस्था की लगातार निगरानी करने और किसी भी संभावित समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता तथा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रतिनिधि मयंक माहेश्वरी सहित संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

15 साल से बिजली संकट झेल रहे लोगों ने पत्रकार महेंद्र माही को सम्मानित कर जताया आभार

नोएडा, 8 सितंबर। सेक्टर-63 स्थित चोटपुर कॉलोनी में लंबे समय से बिजली संकट झेल रहे लोगों को अब राहत मिली है। करीब 15 वर्षों से कुछ घंटे ही बिजली मिलने और कई लोगों के बिजली कनेक्शन से वंचित रहने की समस्या को लेकर लगातार खबरें सामने आने के बाद अब कॉलोनी में बिजली आपूर्ति में सुधार हुआ है। स्थानीय लोगों ने इस बदलाव के लिए आवाज उठाने वाले पत्रकार महेंद्र माही का सम्मान कर आभार जताया।

महेंद्र माही ने सोशल मीडिया पर साझा की गई पोस्ट में बताया कि चोटपुर कॉलोनी में लंबे समय से लोग बिजली की समस्या से परेशान थे। उन्होंने करीब एक महीने के दौरान कई बार इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया और वहां रहने वाले परिवारों की परेशानी को अपने परिवार की समस्या की तरह सामने रखा।

बाढ़ प्रभावितों तक पहुंची राहत, 6.83 लाख लंच पैकेट और 1.11 लाख राहत किट वितरित

19,496 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, 1,072 मेडिकल टीमें सक्रिय

लखनऊ, 7 सितंबर। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की स्थिति के बीच योगी सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार प्रदेश के प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक टीमें लगातार राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटी हैं। अब तक 6.83 लाख से अधिक लंच पैकेट और 1.11 लाख से ज्यादा बाढ़ राहत किट वितरित की जा चुकी हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से अब तक 19,496 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सोमवार को ही करीब 6,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। प्रभावित लोगों के लिए प्रदेश में 1,315 शरणालय स्थापित किए गए हैं।

राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी बनाने के लिए अब तक 1,634 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं। प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 1,072 मेडिकल टीमें सक्रिय हैं। वहीं राहत और बचाव अभियान में 2,161 नाव एवं मोटरबोट लगाई गई हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा पर भी जोर

बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन और राहत सामग्री के साथ स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक 6.68 लाख क्लोरीन टैबलेट और 2.60 लाख से अधिक ओआरएस पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं पर भी नजर रखी जा रही है। बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त मकानों के मामलों में भी प्रभावित परिवारों को सहायता दी जा रही

है। अब तक 1,490 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली है, जिनमें से 1,272 मामलों में सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है।

26 जिले बाढ़ से प्रभावित

राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार प्रदेश के अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बदायूं, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, चंदौली, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, कासगंज, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, मिर्जापुर, मुरादाबाद, प्रयागराज, रायबरेली, संत कबीर नगर, रामपुर, सीतापुर, शाहजहांपुर, उन्नाव और वाराणसी जिले बाढ़ से प्रभावित हैं।

सरकार के अनुसार राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी हैं। प्रशासन का फोकस प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, भोजन एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने पर है। उपलब्ध सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक बाढ़ से जनहानि और पशुहानि शून्य दर्ज की गई है।

दवा लेकर लौट रहे साले-बहनोई की बाइक में पीछे से टक्कर, रेफर

समाज जागरण

गुन्नौर। मां की दवा लेकर बाइक से घर लौट रहे साले-बहनोई को पीछे से तेज गति से आ रही दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को ई-रिक्शा से सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र (सीएचसी) गुन्नौर पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने एक घायल की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद अलीगढ़ रेफर कर दिया।

जुनावई थाना क्षेत्र के गांव दवतरा हिमांचल निवासी आकाश ने बताया कि वह अपने बहनोई अनोखे लाल के साथ मां की दवा लेने बबराला गया था। दवा लेकर दोनों बाइक से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पीछे से तेज गति से आई दूसरी बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में आकाश और अनोखे लाल घायल हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को ई-रिक्शा से सीएचसी गुन्नौर पहुंचाया। चिकित्सकों ने अनोखे लाल की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद अलीगढ़ रेफर कर दिया।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को दिए जागरूक करने के टिप्स

समाज जागरण

मिशन शक्ति अभियान के तहत सोमवार को बबराला पुलिस टीम ने गांव मीरमपुर पहुंचकर महिलाओं और युवतियों को महिला सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर बिना संकोच तत्काल पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस टीम ने महिलाओं को शासन की ओर से संचालित महिला हेल्पलाइन और सुरक्षा संबंधी सेवाओं की जानकारी देते हुए साइबर अपराध, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा सहित महिलाओं के साथ होने वाले अन्य अपराधों से बचाव के उपाय बताए। पुलिसकर्मियों ने कहा कि किसी भी घटना को छिपाने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें, जिससे समय रहते कार्रवाई कर अपराध पर अंकुश लगाया जा सके।

इस दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर और निर्भीक बनने के साथ ही अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया। पुलिस टीम ने सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को देने की अपील की। अभियान के दौरान एसआई जगबीर सिंह, शिवानी, मीनाक्षी समेत पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

गांव में घुसा तालाब का पानी ग्रामीणों को हो रही परेशानी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मंडावर। लगातार हो रही बारिश से गाँव के पास स्थित तालाब उफान गये जिनका पानी निकलकर कई घरो में भर गया। घरों में पानी भरने से परेशान ग्रामीण सामान लेकर सुरक्षित स्थानो पर पहुंच रहे है।

लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गाँव भोजपुर भोपतपुर के पास तीन तालाबो का पानी निकलकर गाँव में भर गया गाँव में हर तरफ पानी ही पानी बह रहा है। तालाब का पानी गाँव में स्थित प्राथमिक बिद्यालय के मैदान ओर मुस्लिम आबादी की ओर मौसीन,भूरे, अकबर, आजाद,काले ,आबिद आदि सहित एक दर्जन से अधिक लोगो के घरो में भर गया। घरों में पानी भरने के कारण ग्रामीण अपना सामान भैंसा बुग्गीयो में भरकर अपनी रिस्तेदारियों व सुरक्षित स्थान पर पहुंच रहे है। ग्रामीणों ने बताया की पिछले तीन चार दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है।बारिश का पानी गाँव के पास स्थित तीनो तालाबों में आता है। अधिक बरसात होने के कारण तीनो तालाब भर गए है,जिनका पानी गाँव में कई घरो में भर गया है। ग्रामीणो ने प्रशासन से जल निकासी की व्यवस्था कराने तथा प्रभावित परिवारो को राहत पहुंचाने की मांग की है।

शाहमत अली के महल की दीवार गिरी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मंडावर। कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण रविवार की देर शाम कस्बे के मोहल्ला संभा बाजार स्थित मुतवल्ली शाहमत अली के महल की दीवार का मलबा भरभर भरा कर सडक पर गिर गया गनीमत रही की इस दौरान कोई उधर से नहीं गुजर रहा था। और न ही शनिवार का दिन था क्योंकि शनिवार के दिन यहा पर एक बड़ा बाजार लगता है, नहीं तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। बताया जाता है कि अंग्रेजी शासन काल में कस्बे के निवासी शाहमत अली ने विट्रियस की रानी विक्टोरिया को तालीम दी थीं।जिससे खुश होकर रानी विक्टोरिया ने कस्बे के मोहल्ला संभा बाजार में यह महल बनवाया था। जो उन्होंने मुंशी शाहमत अली को दे दिया था जो आज भी छोटी लखोरी ईंटों से जाना जाता है। जिसकी दीवारें काफी मोटी मोटी है और महल के पास शनिवार को साप्ताहिक बाजार भी लगता है।

कोर्ट परिसर में सांप मिलने से मचा हड़कंप

ब्यूरो शमीम सिद्दीकी समाज जागरण

जनपद बिजनौर नगीना। न्यायालय परिसर में सोमवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया,जब पेड़ों के पास एक दो मीटर लम्बा सांप रेंगता हुआ पार्किंग स्थल की ओर से न्यायालय परिसर की तरफ जाता दिखाई दिया। सांप को देखकर मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं में अफरा तफरी मच गई। अधिवक्ताओं ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी।सूचना मिलने पर वन दरोगा नईम अली वन विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने सावधानीपूर्वक सांप का सकुशल रेस्क्यू किया। इसके बाद सांप को उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया।सांप के रेस्क्यू होने के बाद अधिवक्ताओं और न्यायालय परिसर में मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

बबराला विद्याकुंज इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को किया सम्मानित

समाज जागरण

बबराला विद्याकुंज इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और उनके विचारों को याद करते हुए की गई। इस दौरान जिला शिक्षा बेसिक के जिला अध्यक्ष गिरीश यादव को सम्मानित किया गया।

रोटरी क्लब बबराला गंगा की ओर से विद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में विशेष पहल की गई। क्लब अध्यक्ष पूजा गोयल ने सभी शिक्षकों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान मिलने पर शिक्षकों ने आभार जताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। गीत, नृत्य और अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की।विद्यालय प्रबंधक अतुल गोयल ने विद्यार्थियों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही उन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की। समारोह में रो. विवेक वार्ष्णेय, रो. एमपी सिंह, रो. एकता द्विवेदी समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

रसूलपुर में बदहाल तालाब बना ग्रामीणों के लिए मुसीबत

जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से गलियां और मुख्य मार्ग जलभराव व कीचड़ से बेहाल, स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी

समाज जागरण

गुन्नौर। गुन्नौर-नरौरा राजमार्ग स्थित रसूलपुर गांव में तालाब की बदहाली ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। समय से तालाब की सफाई न होने और नालियों की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इससे गांव की कई गलियां और मुख्य मार्ग जलभराव व कीचड़ से पट गए हैं। गंदे पानी और दुर्गंध के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक दिक्कत स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों को हो रही है। रास्तों पर पानी और कीचड़ भरा होने से बच्चों का विद्यालय पहुंचना जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव के कारण बच्चों के पानी में गिरने अथवा किसी दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन ग्राम प्रधान और संबंधित अधिकारियों की ओर से अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों में रोष है। उन्होंने प्रशासन से तालाब की तत्काल सफाई कराने, नालियों की व्यवस्था दुरुस्त करने और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

एसपी ने हजरतनगरगढ़ी थाने का किया आकस्मिक निरीक्षण

अभिलेखों के अद्यावधिक रख-रखाव और फरियादियों की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

समाज जागरण

संभल। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने थाना हजरतनगरगढ़ी का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय, भोजनालय, हवालात, बैरक और शस्त्रागार का निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न अभिलेखों और रजिस्टरों का अवलोकन करते हुए उन्हें अद्यावधिक रखने के निर्देश दिए। उन्होंने थाने पर आने वाले फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनकर उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान अपराध नियंत्रण, वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी, लंबित विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, प्रभावी गश्त तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिसकर्मियों को पूर्ण सतर्कता, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए निर्देशित किया गया।

योगी सरकार का सड़क सुरक्षा विजन, हादसों पर रोक के लिए जीरो फैटैलिटी डिस्ट्रिक्ट योजना को मिशन मोड में लागू करने के निर्देश

- हादसे को महज संयोग न मानें, मूल कारण तलाश कर करें स्थायी समाधान- डीजीपी राजीव कृष्ण

- 59 जिलों की 228 टीमों को मिला प्रशिक्षण, डीजीपी ने कहा- दुर्घटना रोकना भी टीम की जिम्मेदारी

- जेडएफडी के जरिए 1 हजार से ज्यादा लोगों की जान बचाई गई, दुर्घटनाओं में 6.97 व मृतकों में 8.03 प्रतिशत की कमी आई

- हादसे रोकने में बेहतर काम करने वाली टीमों को डीजीपी ने किया सम्मानित

समाज जागरण

लखनऊ, 07 सितंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली जनहानि को न्यूनतम करने के विजन के तहत प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय में जीरो फैटैलिटी डिस्ट्रिक्ट (जेडएफडी) योजना के तृतीय एवं चतुर्थ चरण की क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों के प्रभारियों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 59 जिलों के 213 दुर्घटना बाहुल्य स्थानों पर गठित 228 क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों के प्रभारी और जेडएफडी नोडल अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में हादसों के मूल कारणों की वैज्ञानिक पहचान कर उनकी रोकथाम पर विशेष जोर दिया गया।

हादसों को महज संयोग न मानें, मूल कारण तलाशें: डीजीपी

यूपी डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को केवल आकस्मिक घटना मानकर नहीं चलना चाहिए। प्रत्येक हादसे के पीछे मौजूद कारणों की पहचान कर उन्हें दूर करना जरूरी है। उन्होंने क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों को अपने-अपने क्षेत्र में दुर्घटना संभावित स्थानों और उनके कारणों की पहचान कर मिशन मोड में प्रभावी रोकथाम और प्रवर्तन कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीजीपी ने कहा कि दुर्घटना रोकथाम और दुर्घटना की विवेचना दोनों विशेषज्ञता वाले कार्य हैं, इसलिए टीमों को तकनीकी और व्यावहारिक जानकारी के साथ काम करना होगा। उन्होंने संबंधित विभागों के साथ लगातार समन्वय और चिन्हित कमियों के समाधान का फॉलोअप करने के भी निर्देश दिए।

दुर्घटना के बाद कार्रवाई ही नहीं, रोकथाम भी प्राथमिक जिम्मेदारी

डीजीपी ने स्पष्ट किया कि क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों की जिम्मेदारी केवल दुर्घटना के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि हादसों को रोकना भी उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक दुर्घटना के बाद उसके कारणों की समीक्षा कर यह पता लगाया जाए कि व्यवस्था में कौन सी कमी के कारण हादसा हुआ और उसकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या सुधार जरूरी है। उन्होंने आवश्यक प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा उपाय और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ प्रक्रिया का सही और लगातार पालन करने पर भी जोर दिया।

रोजाना औसतन 7 हादसे और 5 जानें बचीं

बताया गया कि जेडएफडी योजना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। जनवरी से अगस्त 2026 तक जेडएफडी से आच्छादित स्थानों पर पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में 6.97 प्रतिशत, मृतकों में 8.03 प्रतिशत और घायलों में 6.11 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इस अवधि में 1,255 सड़क दुर्घटनाएं कम हुईं और 1,107 अमूल्य मानव जीवन बचाने में सफलता मिली। यानी औसतन रोजाना करीब 7 दुर्घटनाएं कम हुईं और करीब 5 लोगों की जान बची।

जहां दुर्घटनाएं अधिक, वहां कार्रवाई अधिक

जेडएफडी योजना जहां दुर्घटनाएं अधिक, वहां कार्रवाई अधिक के सिद्धांत पर आधारित है। इसके तहत वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर दुर्घटना बाहुल्य स्थानों की पहचान की जा रही है। इन स्थानों पर लक्षित प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा उपाय, संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल और सड़क अभियांत्रिकी से जुड़ी कमियों को दूर करने पर जोर दिया जा रहा है।

तकनीक और प्रशिक्षण से मजबूत होगी सड़क सुरक्षा

कार्यशाला में सड़क सुरक्षा, मोटर वाहन अधिनियम, दुर्घटना जांच, ब्लैक स्पॉट, प्रथम उपचार, सीपीआर समेत अन्य विषयों पर विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिया। डीजीपी ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और जांच में विशेषज्ञता विकसित करने, जरूरी प्रशिक्षण लेने व उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से तटीय गांवों में बढ़ी परेशानी

खेतों में कई फीट पानी भरने से फसलें जलमग्न, पशुओं के चारे के लिए नावों का सहारा

समाज जागरण

गुन्नौर। नरौरा बैराज से गंगा नदी में बढ़े जलस्तर और जल निकासी के कारण निचले इलाकों के तटीय गांवों में स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है। नदी का पानी तटबंधों से बाहर निकलकर कृषि भूमि में पहुंच गया है, जिससे कई क्षेत्रों में जलभराव की समस्या विकराल हो गई है।

बैराज के आसपास हुसैनपुर सैलाब, ईसमपुर, बिचपुरी सैलाब और गंगावास क्षेत्र के खेतों में कई-कई फीट पानी भर गया है। किसानों की मेहनत और लागत से तैयार फसलें जलमग्न हो गई हैं। लहलहाती फसलों को पानी में डूबता देखकर किसानों को आर्थिक नुकसान की चिंता सताने लगी है।

जलस्तर बढ़ने का असर आवागमन पर भी पड़ा है। नरौरा बैराज से करीब दो किलोमीटर दूर हुसैनपुर और बिचपुरी सैलाब के पास नरौरा-गुन्नौर मार्ग के दोनों ओर तीन से चार फीट तक पानी भर गया है। खेतों की कच्ची पगडंडियां भी जलमग्न होने से ग्रामीणों को दैनिक कार्यों के लिए आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सबसे बड़ी चुनौती पशुओं के चारे की व्यवस्था को लेकर सामने आ रही है। जलमग्न खेतों से हरा चारा और भूसा लाने के लिए ग्रामीणों ने रास्तों पर नावों की व्यवस्था की है। ग्रामीण जोखिम उठाकर नाव के जरिए अपने मवेशियों के लिए चारा ला रहे हैं।

क्षेत्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए तटीय इलाकों के ग्रामीणों ने प्रशासन से राहत और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही जलभराव की निकासी, आवागमन की व्यवस्था तथा प्रभावित फसलों के नुकसान का आकलन कर आवश्यक कदम उठाएगा।

तेज रफ्तार ट्रक से बचने की कोशिश पड़ी भारी

युवा पत्रकार मोहम्मद वसीम हादसे मैं घायल, हाथ-पैर में फ्रैक्चर

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीक

जनपद बिजनौर बुढ़नपुर निवासी युवा पत्रकार एवं समाजसेवी तथा राष्ट्रीय महासचिव फ़्रअ मोहम्मद वसीम सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही उनके परिचितों, पत्रकार साथियों और शुभचिंतकों में चिंता की लहर दौड़ गई। सभी उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। बताया गया कि मोहम्मद वसीम स्कूटी से फीना मार्ग से गुजर रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज - रफ्तार में आ रहे एक ट्रक से बचने के प्रयास में उनकी स्कूटी अचानक - अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में उनके हाथ और पैर में फ्रैक्चर होने की जानकारी - सामने आई है। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने उन्हें संभाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में भी चिंता का माहौल बन गया। पत्रकारिता और सामाजिक कार्यों से

जुड़े मोहम्मद वसीम के घायल होने की खबर सुनकर उनके साथी और शुभचिंतक उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने में जुट गए। वहीं राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरबाज अंसारी तथा समस्त राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के पदाधिकारी कार्यकताओं ने मोहम्मद वसीम के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके जल्द स्वस्थ होकर अपने सामाजिक एवं पत्रकारिता कार्यों में लौटने की दुआ की। परिवार और शुभचिंतकों ने भी लोगों से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करने की अपील की है।

न्याय पंचायत दुपट्टा कला में विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा

फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री व आयुष्मान कार्ड में लापरवाही पर दो पंचायत सहायकों का वेतन रोका, तीन को नोटिस

समाज जागरण

बहजोई/संभल। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन और मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में विकासखंड रजपुरा की न्याय पंचायत दुपट्टा कला में विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री, आयुष्मान कार्ड, स्वच्छता, जल संरक्षण, डिजिटल लाइब्रेरी, स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनबाड़ी और विभिन्न पेंशन योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री और आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर दो पंचायत सहायकों का वेतन रोकने तथा तीन पंचायत सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की कार्रवाई की गई। अधिकारियों को इन कार्यों की नियमित समीक्षा कर पात्र ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ समय से दिलाने के निर्देश दिए गए।

एनआरएलएम के तहत 80 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के लिए समूह सखियों से संवाद किया गया। महिलाओं को लखपति दीदी योजना और मिशन शक्ति की जानकारी देते हुए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

बैठक में ग्राम पंचायतों में तालाब खुदाई और जल संरक्षण संबंधी कार्यों की भी समीक्षा की गई। रोजगार सेवकों को कार्यों में तेजी लाने तथा ग्रामीणों को अनावश्यक रूप से समरसेबल न चलाने और जल संचयन के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने डिजिटल लाइब्रेरी का निरीक्षण कर पुस्तकों और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि जल्द ही प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी में तीन कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अध्ययन में मदद मिलेगी।

बैठक में खंड विकास अधिकारी रजपुरा, सहायक विकास अधिकारी पंचायत, जिला मिशन प्रबंधक मोहनलाल, ब्लॉक मिशन प्रबंधक, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, समूह सखियां और विभिन्न विभागों के ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत बहजोई में 4.44 करोड़ रुपये से होंगे 64 विकास कार्य

विभिन्न गांवों में सड़क, नाली, सीसी टाइल्स, शौचालय सहित कराए जाएंगे विकास कार्य

समाज जागरण

बहजोई। क्षेत्र पंचायत बहजोई के अंतर्गत विभिन्न गांवों में विकास कार्यों को गति मिलने जा रही है। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने क्षेत्र पंचायत बहजोई के प्रस्तावों के आधार पर जनहित से जुड़े 64 विकास कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। पत्रांक 549/निर्माण कार्य/ स्वीकृति/ 2026-27, दिनांक 5 सितंबर 2026 के माध्यम से स्वीकृत इन कार्यों की कुल अनुमानित लागत 4 करोड़ 43 लाख 52 हजार रुपये है। स्वीकृत विकास कार्य रायपुर कला, बहटा जय सिंह, सादातबाड़ी, पाठकपुर, लहरावन, कमालपुर, चौपा शोभापुर, धासीपुर, किरारी, कुबपुर, चाटन, परतापुर, ईसमपुर-चितनपुर, मझकड़े, भरतपुर, नगालिया कठेर, बैरीखेड़ा, बहरौली, फरीदपुर खुशहाल, बरखेड़ा सोनक, बल्लमपुर, पगौना, चंदन कटि मौजा, पगौना की मढ़ैया, ख्योराजपुर की मढ़ैया, मोहकमपुर, बहरौली ताहरपुर, अर्जुनपुर खुर्द, रम्पुरा, समशोई, वनमपुरी, अकबरपुर, भगवंतपुर और अलावलपुर सहित विभिन्न गांवों में कराए जाएंगे।

इनमें सीसी टाइल्स व नाली निर्माण, सड़क निर्माण एवं मरम्मत, महिला व सामुदायिक शौचालय, मध्यान्ह भोजन शेड, विद्यालय एवं छात्रावास से संबंधित कार्य, बाउंड्रीवॉल निर्माण, तालाब की ओर नाली व सिल्ट चैंबर निर्माण, बारातघर निर्माण तथा धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण सहित अन्य विकास कार्य शामिल हैं।

इन गांवों में होंगे प्रमुख कार्य

रायपुर कला के प्राथमिक विद्यालय में मध्यान्ह भोजन शेड और महिला शौचालय, बहटा जय सिंह के कंपोजिट विद्यालय में महिला शौचालय तथा सादातबाड़ी में मध्यान्ह भोजन शेड, महिला शौचालय सहित अन्य निर्माण कार्य कराए जाएंगे। पाठकपुर में सुगम ज्ञान केंद्र की मरम्मत व जीर्णोद्धार तथा लहरावन स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के छात्रावास परिसर में मिट्टी भराव एवं बाउंड्रीवॉल संबंधी कार्य होंगे।

कमालपुर, चौपा शोभापुर और धासीपुर में गो आश्रय स्थलों से जुड़े निर्माण व मरम्मत कार्य प्रस्तावित हैं। किरारी, कुबपुर, चाटन और परतापुर में सीसी टाइल्स व नाली निर्माण कराया जाएगा। ईसमपुर-चितनपुर, मझकड़े और भरतपुर में नाली, सिल्ट चैंबर तथा सीसी टाइल्स के कार्य होंगे।

बैरीखेड़ा में सरभंगा बाबा रामताल आश्रम पर कीर्तन स्थल व सार्वजनिक शौचालय निर्माण तथा सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। बहरौली, फरीदपुर खुशहाल, बरखेड़ा सोनक और बल्लमपुर में सड़क, नाली, सीसी टाइल्स सहित अन्य निर्माण कार्य होंगे। पगौना, चंदन कटि मौजा, पगौना की मढ़ैया, ख्योराजपुर की मढ़ैया और मोहकमपुर में सीसी टाइल्स एवं नाली निर्माण प्रस्तावित है।

बहरौली ताहरपुर में प्राथमिक विद्यालय से समाधि स्थल तक सीसी टाइल्स और नाली निर्माण कराया जाएगा। अर्जुनपुर खुर्द, रम्पुरा, समशोई, वनमपुरी, अकबरपुर, भगवंतपुर और अलावलपुर में सड़क, सीसी टाइल्स, नाली तथा सिल्ट चैंबर से संबंधित कार्य किए जाएंगे। फरीदपुर में बारातघर निर्माण तथा सादातबाड़ी में शिव मंदिर मेला प्रांगण के पुनर्निर्माण सहित अन्य कार्य भी स्वीकृत किए गए हैं।

इसके अलावा विकासखंड बहजोई परिसर में रसोईघर निर्माण, स्टोर रूम की मरम्मत एवं छत निर्माण, क्षेत्र पंचायत आवास में आवश्यक कार्य तथा मुख्य कार्यालय तक सीसी टाइल्स निर्माण भी कराया जाएगा।

जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी स्वीकृत कार्य वित्तीय एवं निर्माण संबंधी नियमों का पूर्ण अनुपालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरे कराए जाएं। उन्होंने निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए हैं।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें। न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में नोएडा देशभर में आठवें स्थान पर

3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में एक पायदान का सुधार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 7 सितंबर। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में नोएडा ने 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देशभर में आठवीं रैंक हासिल की है। पिछले वर्ष नोएडा इसी श्रेणी में नौवें स्थान पर था। इस वर्ष एक पायदान सुधार करते हुए शहर ने आठवां स्थान प्राप्त किया है।
नोएडा प्राधिकरण के अनुसार यह उपलब्धि वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे प्रयासों के साथ-साथ शहरवासियों की सहभागिता का परिणाम है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में शहरों का मूल्यांकन वायु गुणवत्ता सुधार, सड़क की धूल पर नियंत्रण, कचरा प्रबंधन, हरित क्षेत्र के विकास और जनभागीदारी समेत विभिन्न मानकों के आधार पर किया जाता है।

धूल नियंत्रण और सड़क सफाई पर जोर

नोएडा में निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के उपायों को मजबूत किया गया है। प्रमुख मार्गों की मैकेनिकल रोड स्वीपिंग, पानी का छिड़काव और प्रदूषण निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाया गया है। अत्यधिक धूल वाले क्षेत्रों में एंटी-स्मॉग गन और वाटर स्प्रिंकलर टैंकरों के माध्यम से नियमित पानी का छिड़काव कराया जाता है।
प्राधिकरण के अनुसार वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रमुख सड़कों की सफाई के साथ धूल वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। साथ ही वायु गुणवत्ता सुधार के लिए सीएक्यूएम के निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

हरित क्षेत्र और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा

शहर में हरित पट्टियों के विस्तार के साथ स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। प्राधिकरण का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न स्तरों पर लगातार कार्य किया जा रहा है।
वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाने में जागरूकता अभियानों और नागरिकों की भागीदारी को भी महत्वपूर्ण माना गया है। प्राधिकरण के अनुसार लोगों की सहभागिता से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े प्रयासों को मजबूती मिली है।

अगले वर्ष पहली रैंक का लक्ष्य

नोएडा प्राधिकरण ने आगामी स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में शहर को पहली रैंक दिलाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए वायु गुणवत्ता सुधार से जुड़े सभी मानकों का प्रभावी अनुपालन करने और मौजूदा व्यवस्थाओं को और मजबूत करने की तैयारी है।
प्राधिकरण के अनुसार सड़क सफाई, धूल नियंत्रण, हरित क्षेत्र के विकास, प्रदूषण निगरानी और जनभागीदारी जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों को और प्रभावी बनाया जाएगा। आठवीं रैंक को शहर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए प्राधिकरण ने स्वच्छ, हरित और टिकाऊ नोएडा के लक्ष्य की दिशा में प्रयास जारी रखने की बात कही है।

आगरा में सवर्ण प्रदर्शनकारियों का विरोध, भाजपा नेताओं के गांव में प्रवेश रोकने की चेतावनी

आगरा, 8 सितंबर। आगरा में यूजीसी रेगुलेशन, एससी-एसटी एक्ट और जातिगत आरक्षण के विरोध में सवर्ण समुदाय से जुड़े लोगों का विरोध प्रदर्शन अब विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई देने लगा है। प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के सांसदों और विधायकों के खिलाफ भी नाराजगी जताते हुए उन्हें गांव में प्रवेश नहीं करने देने की चेतावनी दी।

प्रदर्शन के दौरान एक सवर्ण प्रदर्शनकारी ने कहा, "भाजपा के सांसद और विधायक को गांव में घुसने नहीं देंगे। हम योगी जी के चेहरे पर वोट करते हैं। हम मोदी जी को नहीं जानते।" प्रदर्शनकारी के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर भी चर्चा में है।

391 लाख के कार्यों का लोकार्पण, 758 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास

नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र के कई गांवों में सड़क, नाली, चौपाल और अन्य विकास कार्यों को मिली गति

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 7 सितंबर। नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में ग्रामीण इलाकों के विकास को गति देने के लिए सोमवार को विभिन्न गांवों में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर और दादरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक तेजपाल सिंह नागर ने 391.04 लाख रुपये के पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण तथा 758.38 लाख रुपये के नए विकास कार्यों का शिलान्यास किया।
इन कार्यों में ग्रामीण क्षेत्रों में सीसी रोड, नालियों, कलवर्ट, एमएस जाल, बारातघर, चौपाल एवं पुस्तकालय समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य शामिल हैं। प्राधिकरण के अनुसार सभी कार्य ग्रामीणों की मांग और जनहित को ध्यान में रखते हुए कराए जा रहे हैं।

छपरौली, दोस्तपुर मंगरौली और शाहदरा में कार्यों का लोकार्पण

कार्यक्रम के दौरान ग्राम छपरौली में सीसी रोड एवं नाली निर्माण के 138.48 लाख रुपये के कार्य का लोकार्पण किया गया। इसके अलावा ग्राम दोस्तपुर मंगरौली में सीसी रोड एवं नाली निर्माण पर 107.47 लाख रुपये की लागत से कराए गए कार्य का लोकार्पण हुआ।
वहीं सेक्टर-141 स्थित ग्राम शाहदरा में सीसी रोड, एमएस जाल, नालियों, कलवर्ट एवं अन्य मिश्रित कार्यों पर 145.09 लाख रुपये की लागत से किए गए कार्य का भी लोकार्पण किया गया।

सात विकास कार्यों का शिलान्यास

विभिन्न गांवों में प्रस्तावित विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया गया। ग्राम याकूतपुर में सीसी रोड एवं नाली अनुरक्षण के लिए 64.59 लाख रुपये का कार्य प्रस्तावित है।
ग्राम दोस्तपुर मंगरौली में पुस्तकालय एवं चौपाल निर्माण के लिए 24.71 लाख रुपये तथा ग्राम छपरौली में बारातघर की गली संख्या 44, 48 और श्रीरामचंद्र मिशन स्कूल के सामने आरसीसी नाले के निर्माण के लिए 197.68 लाख रुपये के कार्य का शिलान्यास किया गया।

इसके अलावा ग्राम मोहियापुर की आंतरिक गलियों में सीसी पेवमेंट एवं नालियों के निर्माण पर 98.14 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। सेक्टर-143 स्थित ग्राम गढ़ी में बारातघर के अनुरक्षण के लिए 220.07 लाख रुपये तथा सेक्टर-141 स्थित ग्राम शाहदरा में श्री नागर गली और अन्य स्थानों पर कलवर्ट के पुनर्निर्माण, सीसी सड़क की मरम्मत और एमएस जाल लगाने के लिए 153.19 लाख रुपये के कार्य का शिलान्यास किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं पर जोर

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार इन विकास कार्यों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, जल निकासी और सामुदायिक सुविधाओं को बेहतर बनाना है। प्राधिकरण द्वारा ग्रामीणों की मांग के आधार पर जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।
कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ नोएडा प्राधिकरण के मुख्य अनुरक्षण अभियंता (जन स्वास्थ्य), वरिष्ठ प्रबंधक वर्क सर्किल-9, वरिष्ठ प्रबंधक वर्क सर्किल-8 सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रो अल्टीमेट जिम्स ने पार किया 200 शाखाओं का आंकड़ा

नोएडा सेक्टर-22 शाखा उत्तर भारत में फिटनेस विस्तार की प्रमुख कड़ी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 7 सितंबर। प्रो अल्टीमेट जिम्स ने देशभर में 200 से अधिक शाखाओं का आंकड़ा पार करने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार यह उपलब्धि देश में फिटनेस सेवाओं के विस्तार और आधुनिक फिटनेस सुविधाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव है। नोएडा सेक्टर-22 स्थित शाखा भी उत्तर भारत में ब्रांड के विस्तार की प्रमुख कड़ियों में शामिल है।
वर्ष 2012 में अभिषेक गगनेजा द्वारा स्थापित प्रो अल्टीमेट जिम्स का विभिन्न शहरों में विस्तार हुआ है। कंपनी के अनुसार उसका लक्ष्य गुणवत्ता, स्वच्छता और आधुनिक उपकरणों के साथ फिटनेस सुविधाओं को अधिक सुलभ बनाना है।

ट्रेनिंग के साथ रिकवरी पर भी जोर

प्रो अल्टीमेट जिम्स के अनुसार उसके फिटनेस मॉडल में केवल वर्कआउट ही नहीं, बल्कि ट्रेनिंग, रिकवरी और व्यक्तिगत मार्गदर्शन को भी महत्व दिया जाता है। सदस्यों के लिए मसाज चेयर, आइस-कोल्ड बाथ और स्टीम जैसी रिकवरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।
कंपनी की पर्सनल ट्रेनिंग व्यवस्था में ट्रेनर्स को बेसिक, स्टैंडर्ड, एडवांस्ड और एलीट स्तरों में वर्गीकृत किया गया है। इससे सदस्य अपनी जरूरत और फिटनेस लक्ष्य के अनुरूप ट्रेनिंग का विकल्प चुन सकते हैं।

फिटनेस से जुड़े कई क्षेत्रों में विस्तार

प्रो अल्टीमेट जिम्स के अलावा कंपनी फिटनेस उपकरण, प्रशिक्षण एवं प्रमाणन, स्पोर्ट्स अपैरल और जिम प्रबंधन सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों में भी काम कर रही है। कंपनी का दावा है कि इस एकीकृत व्यवस्था के जरिए जिम सदस्यों और फ्रैंचाइजी साझेदारों को एक व्यापक फिटनेस अनुभव उपलब्ध कराया जा रहा है।
संस्थापक एवं चेयरमैन अभिषेक गगनेजा ने कहा कि 200 से अधिक शाखाओं का आंकड़ा पार करना सदस्यों और फ्रैंचाइजी साझेदारों के भरोसे का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य विश्वस्तरीय फिटनेस सुविधाओं को देश के अधिक से अधिक हिस्सों तक पहुंचाना है।
कंपनी के अनुसार उसे आईएचएफ-एफ शेरू क्लासिक-2024 में भारत की सबसे तेजी से बढ़ती जिम चेन के खिताब से सम्मानित किया गया था। प्रो अल्टीमेट जिम्स ने 2024, 2025 और 2026 में दिल्ली और मुंबई में आयोजित आईएचएफएफ शेरू क्लासिक आयोजनों में प्रमुख प्रायोजक के रूप में भी भागीदारी की है।

टीएमयू के स्टार्टअप लीगल लॉक जर्नल्स को यूपी सरकार देगी 7.50 लाख की मदद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के तीर्थंकर महावीर इन्नोवेशन फाउंडेशन-टीएमआईएफ से संबद्ध लीगल लॉक जर्नल्स-एलएलपी को यूपी सरकार की ओर से 7.50 लाख रुपए की मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है, उत्तर प्रदेश सरकार की स्टार्टअप नीति-2020 के तहत पहली किस्त के रूप में 3 लाख रुपए बतौर सीड कैपिटल/मार्केटिंग की सहायता को दे दिए गए हैं। यह पहल प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाने और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। तीर्थंकर महावीर इन्नोवेशन फाउंडेशन-टीएमआईएफ, तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में इनक्यूबेटेड स्टार्टअप लीगल लॉक जर्नल्स-एलएलपी की स्थापना श्री पार्थ जैन ने की है, जबकि श्री वरुण अग्रवाल इसके सह-संस्थापक हैं।

इस उपलब्धि से गदगद एलएलपी के संस्थापक श्री पार्थ जैन और सह-संस्थापक श्री वरुण अग्रवाल ने आज टीएमयू के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर श्री अक्षत जैन से शिष्टाचार मुलाकात की। श्री जैन ने दोनों को बधाई देते हुए कहा, वे अपनी दूरदृष्टि से एलएलपी को बुलंदियों तक ले जाएं। टीएमयू के दरवाजे उनके लिए चौबीसों घंटे खुले हैं। स्टार्टअप कानूनी एवं पेशेवर सेवाओं के क्षेत्र में नवाचार आधारित समाधान विकसित करने की दिशा में कार्यरत है। टीएमआ-ईएफ के स्टार्टअप के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। टीएमआ-ईएफ की मैनेजर श्रीमती ज्योति मदान कहती हैं, टीएमयू अपने इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स को सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता, मेंटरशिप एवम दीगर आवश्यक संसाधनों तक पहुंच प्रदान कर उनके विकास को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर श्री अक्षत जैन से मुलाकात के समय टीएमआईएफ के डिप्टी मैनेजर श्री दीपक जैन की भी मौजूदगी रही।

नोएडा में रेहड़ी-पटरी संचालकों का सत्यापन अभियान शुरू

पात्र संचालकों को नियमानुसार बिक्री प्रमाण पत्र दिलाने की पहल

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 7 सितंबर। राष्ट्रीय संगठन रेहड़ी-पटरी संचालक की ओर से नोएडा में रेहड़ी-पटरी संचालकों के सत्यापन का अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत संगठन की टीम विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर रेहड़ी-पटरी संचालकों की जानकारी और आवश्यक दस्तावेजों का सर्वे कर रही है।
संगठन के अनुसार, अभियान का उद्देश्य केवल आंकड़े जुटाना नहीं, बल्कि लंबे समय से अपना छोटा कारोबार कर रहे पात्र रेहड़ी-पटरी संचालकों को नियमानुसार बिक्री प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करना है। सत्यापन के दौरान संचालकों से उनके कारोबार से संबंधित आवश्यक जानकारी और दस्तावेज लिए जा रहे हैं।
अभियान के दौरान नोएडा सचिव रूप सिंह एवं पहलवान दोहरे के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न स्थानों पर रेहड़ी-पटरी संचालकों की दुकानों पर पहुंचकर सर्वे किया। संगठन ने स्पष्ट किया है कि सत्यापन की प्रक्रिया पूरी तरह स्वैच्छिक है। जो संचालक अपना सत्यापन कराना चाहते हैं, उन्हीं का सर्वे किया जाएगा। किसी भी व्यक्ति पर सत्यापन के लिए दबाव नहीं बनाया जाएगा।

राष्ट्रीय संगठन रेहड़ी-पटरी संचालक का कहना है कि रेहड़ी-पटरी संचालक शहर की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे में कानून और निर्धारित प्रक्रिया के तहत पात्र लोगों के अधिकार सुनिश्चित किए जाने आवश्यक हैं। संगठन सत्यापन के बाद तैयार रिकॉर्ड को प्रशासन और संबंधित प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करेगा, ताकि पात्र संचालकों को नियमानुसार बिक्री प्रमाण पत्र दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।
संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक श्याम किशोर गुप्ता ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य नोएडा में कारोबार कर रहे पात्र रेहड़ी-पटरी संचालकों का व्यवस्थित सत्यापन कराना और उन्हें उनके अधिकारों के अनुरूप बिक्री प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करना है। संगठन ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और संचालकों की समस्याओं एवं अधिकारों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा।

UPTET 2026 के सफल अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्र जारी

प्राथमिक स्तर के 5,71,435 और उच्च प्राथमिक स्तर के 7,59,513 अभ्यर्थी हुए सफल

समाज जागरण/संदीप गर्ग

लखनऊ, 7 सितंबर। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET)-2026 में सफल घोषित सभी अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्र जारी कर दिए हैं। सफल अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से अपना अनुक्रमांक और जन्मतिथि दर्ज कर प्रमाण-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।
आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि विज्ञापन संख्या 01/2026 के तहत आयोजित UPTET-2026 की लिखित परीक्षा 2, 3 और 4 जुलाई 2026 को कुल पांच पालियों में प्रदेश के 60 जनपदों के 955 परीक्षा केंद्रों पर कराई गई थी। इनमें उच्च प्राथमिक स्तर की तीन और प्राथमिक स्तर की दो पालियां शामिल थीं।
परीक्षा का परिणाम 26 अगस्त 2026 को घोषित किया गया था। प्राथमिक स्तर यानी कक्षा 1 से 5 तक की परीक्षा में कुल 7,13,648 अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनमें 5,71,435 अभ्यर्थी यानी 80.07 प्रतिशत सफल घोषित किए गए। वहीं, उच्च प्राथमिक स्तर यानी कक्षा 6 से 8 तक की परीक्षा में 10,57,021 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इनमें 7,59,513 अभ्यर्थी यानी 71.85 प्रतिशत सफल रहे।
आयोग के अनुसार परिणाम घोषित होने के बाद सभी सफल अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्र निर्गत कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी उ.प्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के जरिए अनुक्रमांक और जन्मतिथि दर्ज कर अपना प्रमाण-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रमाण-पत्र जल्द ही डिजिलॉकर के माध्यम से भी उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जा रही है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने सफल अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफलता शिक्षण क्षेत्र में आगे बढ़ने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। आयोग का प्रयास है कि परीक्षा और प्रमाण-पत्र से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं पारदर्शी, सुगम और अभ्यर्थी हितैषी तरीके से समयबद्ध पूरी की जाएं।

उत्तर प्रदेश को प्रमुख वस्त्र एवं परिधान उद्योग हब बनाने की तैयारी

8-9 सितंबर को लखनऊ में होगा यू.पी. टेक्स-2026, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे शुभारंभ

समाज जागरण/संदीप गर्ग

लखनऊ, 7 सितंबर। उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख वस्त्र एवं परिधान उद्योग केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में योगी सरकार ने कदम तेज कर दिए हैं। प्रदेश में निवेश, रोजगार और निर्यात को बढ़ावा देने के साथ हथकरघा, रेशम, परिधान, तकनीकी वस्त्र और हस्तशिल्प को वैश्विक बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से 8 और 9 सितंबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में यू.पी. टेक्स-2026 का आयोजन किया जाएगा।
दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र से जुड़ी प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन करेंगे। इसके अलावा प्रमुख उद्यमियों और निवेशकों के साथ उच्चस्तरीय गोलमेज संवाद में प्रदेश में उद्योग विस्तार, निवेश और रोजगार की संभावनाओं पर चर्चा होगी।
यू.पी. टेक्स-2026 में उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक, विशेषज्ञ और विभिन्न संस्थाओं से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन में प्रदेश की उत्पादन क्षमता बढ़ाने, निर्यात को गति देने, तकनीकी वस्त्र उद्योग के विस्तार तथा आधुनिक परिधान विनिर्माण को बढ़ावा देने पर मंथन होगा।

तीन प्रमुख योजनाओं का होगा शुभारंभ

आयोजन के उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 'यू.पी. टेक्स मित्र' पोर्टल, हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना तथा उत्तर प्रदेश वस्त्र क्षेत्र प्रशिक्षण एवं कौशल विकास योजना का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ निवेश से जुड़े पत्रों और चेक का वितरण तथा निवेश संबंधी समझौतों का आदान-प्रदान भी प्रस्तावित है।
वस्त्र उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर सीआ-ईटीआई-एनआईटीआरए की संयुक्त अध्ययन रिपोर्ट 'एआई, ऑटोमेशन एवं डिजिटलीकरण के लिए भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग की तैयारी' भी जारी की जाएगी।

टेक्सटाइल पार्कों पर रहेगा विशेष जोर

सम्मेलन में पीएम मित्र और संत कबीर टेक्सटाइल पार्क को वैश्विक स्तर के विनिर्माण एवं निवेश केंद्र के रूप में विकसित करने पर विशेष चर्चा होगी। सरकार का लक्ष्य फाइबर से लेकर परिधान और तकनीकी वस्त्र तक पूरी मूल्य श्रृंखला को एकीकृत करना तथा बड़े घरेलू और वैश्विक निवेशकों के लिए अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार करना है। इन पार्कों के माध्यम से निवेश के साथ रोजगार सृजन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का एकीकरण, तकनीकी हस्तांतरण, कौशल विकास और निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

होम टेक्सटाइल से लेकर खेल और रक्षा वस्त्र तक चर्चा

पहले दिन उत्तर प्रदेश में होम टेक्सटाइल की संभावनाओं पर विशेष सत्र होगा। इसमें बेड लिनेन, तौलिया, पर्दे, फर्निशिंग, कालीन और गलीचे जैसे उत्पादों में मूल्य संवर्धन, तकनीकी नवाचार, निवेश और निर्यात की संभावनाओं पर चर्चा होगी। 'स्केल यूपी अपैरल' सत्र में छोटे और असंगठित परिधान निर्माण इकाइयों को आधुनिक एवं प्रतिस्पर्धी इकाइयों में बदलने, परिधान क्लस्टर विकसित करने और प्रदेश के एमएसएमई को वैश्विक परिधान मूल्य श्रृंखला से जोड़ने की रणनीति पर मंथन किया जाएगा।
9 सितंबर को उत्तर प्रदेश को खेल वस्त्र एवं खेल सामग्री का प्रमुख विनिर्माण केंद्र बनाने तथा सुरक्षात्मक एवं रक्षा वस्त्रों का राष्ट्रीय केंद्र विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा होगी। इसके अलावा हस्तशिल्प और हस्तनिर्मित उत्पादों के निर्यात के लिए रोडमैप तैयार करने पर भी विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा।

आगरा में सवर्ण प्रदर्शनकारियों का विरोध, भाजपा नेताओं के गांव में प्रवेश रोकने की चेतावनी

यूजीसी रेगुलेशन, एससी-एसटी एक्ट और जातिगत आरक्षण के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने जताई नाराजगी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

आगरा, 8 सितंबर। आगरा में यूजीसी रेगुलेशन, एससी-एसटी एक्ट और जातिगत आरक्षण के विरोध में सवर्ण समुदाय से जुड़े लोगों का विरोध प्रदर्शन अब विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई देने लगा है।
प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के सांसदों और विधायकों के खिलाफ भी नाराजगी जताते हुए उन्हें गांव में प्रवेश नहीं करने देने की चेतावनी दी।
प्रदर्शन के दौरान एक सवर्ण प्रदर्शनकारी ने कहा, "भाजपा के सांसद और विधायक को गांव में घुसने नहीं देंगे। हम योगी जी के चेहरे पर वोट करते हैं। हम मोदी जी को नहीं जानते।" प्रदर्शनकारी के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर भी चर्चा में है।
प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे यूजीसी से जुड़े नियमों, एससी-एसटी एक्ट और मौजूदा जातिगत आरक्षण व्यवस्था को लेकर अपनी आपत्तियां सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। उनका आरोप है कि इन मुद्दों पर लंबे समय से सवर्ण समाज की मांगों और चिंताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया है।
आगरा में अलग-अलग क्षेत्रों में विरोध के दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की और सरकार से संबंधित नीतियों पर पुनर्विचार करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि उन नीतियों के खिलाफ है, जिन्हें वे अपने समुदाय के हितों के प्रतिकूल मानते हैं।

ईस्टर्न पेरीफेरल पर दर्दनाक हादसा, आठ की मौत, 24 घायल

- सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपये सहायता देने के निर्देश दिए

- राजस्थान से बदायूं लौट रहे 32 लोगों से भरी पिकअप डिवाइडर से टकराकर पलटी, कई घायल दिल्ली रेफर

समाज जागरण बागपत।
ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर बड़ा गांव के पास रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 24 लोग घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि पिकअप के पलटते ही उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। मृतकों में एक बच्ची भी शामिल बताई जा रही है। घायलों में कई की हालत गंभीर होने पर उन्हें दिल्ली के हायर सेंटर रेफर किया गया है। पिकअप वाहन में करीब 32 लोग सवार थे। सभी राजस्थान के गोगामेड़ी से दर्शन कर अपने गांव अलाहपुर, थाना उझानी, जनपद बदायूं लौट रहे थे। रविवार की रात करीब 12 बजे बड़ा गांव के पास ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद वाहन पलट गया और उसमें सवार लोग उसके नीचे और आसपास जा गिरे। हादसे की सूचना मिलते ही चार पीआरवी, एंबुलेंस, खेकड़ा थाना पुलिस और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू कर घायलों को बाहर निकाला। घायलों को सीएचसी खेकड़ा, सीएचसी बागपत और जिला अस्पताल बागपत पहुंचाया गया। गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए दिल्ली के जीटीवी अस्पताल समेत अन्य हायर सेंटर रेफर किया गया।

अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर जाना घायलों का हाल-

हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी अस्मिता लाल और पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय देर रात जिला अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने उपचाराधीन घायलों का हालचाल जाना और चिकित्सकों को घायलों का प्राथमिकता के आधार पर बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक और मेरठ रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा अस्पताल पहुंचकर घायलों की स्थिति की जानकारी ली। पुलिस ने घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था संभालते हुए एक्सप्रेसवे पर आवागमन सुचारू कराया। प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी की जाती रही।

सीएम योगी ने जताया दुख, आर्थिक सहायता की घोषणा-

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बागपत में हुए हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रत्येक मृतक के परिवार को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को घायलों के समुचित और बेहतर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

अलाहपुर गांव में भी छा गया मातम-

हादसे के बाद बदायूं के अलाहपुर गांव में भी मातम छा गया। अपनों के सकुशल लौटने का इंतजार कर रहे परिवारों में हादसे की खबर पहुंचते ही कोहराम मच गया। प्रशासन मृतकों और घायलों की पहचान तथा उनके परिजनों से संपर्क की कार्रवाई में जुटा है।

स्वच्छ वायु के लिए विद्यार्थियों ने लिया संकल्प, निबन्ध प्रतियोगिता में दिव्या शर्मा प्रथम, शिवानी द्वितीय और लवली को मिला तृतीय स्थान।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, फिरोजाबाद द्वारा कोमल फाउंडेशन के सहयोग से स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत ह्लइंटरनेशनल डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काइज" विषय पर जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन श्री गोपी श्याम इंटर कॉलेज, कौशल्या नगर, जलेसर रोड, फिरोजाबाद में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में स्वच्छ वायु के महत्व, वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए स्वच्छ वायु एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अपने विचार प्रस्तुत किए। निबंध प्रतियोगिता में दिव्या शर्मा ने प्रथम, शिवानी ने द्वितीय तथा लवली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त 11 छात्र -छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, फिरोजाबाद के सहायक वैज्ञानिक अधिकारी एस. एस. चौहान ने कहा कि वायु प्रदूषण वर्तमान समय की गंभीर पर्यावरणीय चुनौती है। स्वच्छ वायु का लक्ष्य केवल सरकारी प्रयासों से पूरा नहीं हो सकता, बल्कि प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। के. के. सारस्वत ने कहा कि वायु प्रदूषण को कम करने के लिए जन-जागरूकता के साथ व्यवहार में बदलाव भी जरूरी है। कूड़ा न जलाना, अनावश्यक वाहनों के प्रयोग से बचना, पौधरोपण करना तथा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाना स्वच्छ वायु की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कोमल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं राज्य युवा पुरस्कार विजेता अश्वनी कुमार राजौरिया ने कहा कि बच्चों और युवाओं को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना समय की आवश्यकता है। स्वच्छ वायु केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज के जागरूक विद्यार्थी ही कल स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण के वाहक बनेंगे। कार्यक्रम के दौरान श्री गोपी श्याम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य धर्वेंद्र सिंह, प्रशासक मुकेश दीक्षित, चेतन दीक्षित, श्रीमती अर्चना शर्मा, कोमल फाउंडेशन की रेशमा कुशवाहा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विजेता एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छ वायु, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपने स्तर पर प्रभावी प्रयास करने का संकल्प लिया।

संपूर्ण समाधान में 97 शिकायतें आई, 12 का मौके पर निस्तारण

समस्या के समाधान में शिथिलता बरतने पर दिये कड़ी कार्यवाही के निर्देश

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह
शिकोहाबाद। शासन की मंशा के अनुरूप जन सामान्य की समस्याओं को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु तहसील सभागार शिकोहाबाद में सोमवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिला धिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें कुल 97 शिकायतें आईं, जिनमें से 12 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे एवं मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य तथा अन्य समस्त जिला तथा तहसील स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति रहीं। समाधान दिवस में क्षेत्र के दूर.दराज के ग्रामीण व शहरी अंचलों से आए बड़ी संख्या में फरियादियों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। जिला धिकारी संतोष कुमार शर्मा ने प्राप्त प्रार्थना पत्र को अत्यंत गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना और उपस्थित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध निष्पादन के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अवैध कब्जो एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण से सम्बंधित मामलों में त्वरित स्थलीय जांच कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादी को बार.बार चक्कर न लगाना पड़े। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 97 मामले आए जिनमें से 12 मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण कराया गया। अवशेष प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया गया। इस दौरान मौजा दिवनारा की रचना पचौरी ने शिकायत कि की गाटा संख्या 864 पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किया गया है, जिलाधिकारी ने प्रकरण की गंभीरता देखते हुए थानाध्यक्ष और तहसीलदार शिकोहाबाद को त्वरित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी तरह आवेदक विजय कुमार निवासी मौजा कनवारा थाना खैरगढ़ द्वारा शिकायत की गई थी गाटा संख्या 243 भाग 239 में पैमाइश के बाद भी विपक्षीगणों के द्वारा मैड़ डालने में बाधा उत्पन्न की जा रही है। जिलाधिकारी ने इस पर उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद को निर्देशित किया कि पुलिस व राजस्व की टीम को संयुक्त रूप से तत्काल मौके पर जाकर निस्तारण करें। इसी तरह नीतू द्वारा शिकायत की की गाटा संख्या 514 में से सह खातेदारों द्वारा कम रकबा दिया जा रहा है, उनके साथ सही न्याय नहीं हो रहा है और सही पैमाइश हो।

इस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई हेतु संदर्भित किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने निस्तारित शिकायतों की वास्तविक स्थिति जानने हेतु शिकायतकताओं से दूरभाष पर वार्ता कर फीडबैक लिया। इनमें हरिया निवासी कमलेश कुमार, डभौनी निवासी रघुवीर सिंह,नौभवन निवासी रघुवीर सिंह से वाताकार्र उनसे शिकायत की स्थिति की जानकारी ली, सभी शिकाय तकर्ता निस्तारण की स्थिति से संतुष्ट थे।

शिक्षक अश्वनी कुमार जैन को राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मान

समाज जागरण

सिरसागंजः- जनपद फिरोजाबाद के श्री महावीर दिगम्बर जैन इंटर कॉलेज, सिरसागंज के नागरिक शास्त्र के प्रवक्ता अश्वनी कुमार जैन को मानविकी वर्ग में गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अश्वनी कुमार जैन को यह पुरस्कार विद्यालय में अपने विषय में विद्यार्थियों के नामांकन बढ़ाने, नागरिक शास्त्र विषय को रुचिकर बनाने, उसमें नवाचार करने नागरिक शास्त्र मेला, भारतीय संसद का निर्माण, संविधान प्रस्तावना पाठ, संविधान क्विज, संविधान पोस्टर प्रतियोगिता, पैनल बोर्ड से वीडियो के माध्यम से अध्ययन, शैक्षिक भ्रमण, टी एल एम से विद्यार्थियों को अध्ययन, विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं में योगदान, महापुरुषों की जयंती एवं राष्ट्रीय पर्वों पर मंच संचालक की भूमिका का निर्वहन, नगर पालिका परिषद सिरसागंज के स्वच्छ भारत अभियान के ब्राण्ड एम्बेसडर की भूमिका में स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, वृक्षारोपण कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा, मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम, आजादी का अमृत महोत्सव, विद्यार्थियों को संसद, चुनाव आदि की जानकारी एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका प्रदान करने के लिए दिया गया है। उनको प्रदेश स्तर से सम्मानित होने से जिले के शिक्षकों और विद्यार्थियों में खुशी की लहर है।

विद्यालय में अश्वनी जैन के अभिनंदन समारोह का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज कुमार जैन के संयोजन में किया गया। नीरज जैन ने उन्हें शुभकामनाएं प्रदान करते हुए बताया कि जैन विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। विद्यालय में नागरिक शास्त्र मेला, संविधान पर विभिन्न कार्यक्रमों को कुशलता पूर्वक संचालित करने के साथ वह जिला विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक भी हैं और उन्होंने अपने विद्यालय व जिले के विभिन्न विद्यालयों में एक हजार से अधिक विज्ञान प्रदर्शनियां एवं गतिविधियां आयोजित की हैं। उनके द्वारा विद्यालय में सभी गतिविधियों में पूर्ण सक्रियता रहती है। हेमचन्द्र जैन ने बताया कि जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग से पहली बार राज्य स्तर पर शिक्षक सम्मानित हुए हैं। यह जनपद के लिए गौरव का क्षण है।

अश्वनी कुमार जैन ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री, समस्त जनप्रतिनिधियों, समस्त प्रशासनिक अधिकारियों, जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक साथी, विद्यालय की प्रबन्ध समिति, सोसायटी, समस्त विद्यालय परिवार, समस्त मीडिया वर्ग का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि काम ही पहचान है, उनका प्रयास सदैव यह रहा है कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक और सृजनात्मक अनुभव मिल सके। उन्होंने कहा कि शिक्षक का कर्तव्य केवल किताबें पढ़ाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करना भी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ नितिन मिश्र ने किया। इस अवसर पर संदीप जैन, संजय कटारा, राजकुमार, संजीव जैन, सुनील जैन, विष्णुमणि, शैलेन्द्र जैन, सत्यपाल सिंह, अमित जैन, शिवकुमार सिंह, प्रशांत जैन, नितिन जैन, अंजय जैन, दुर्गेश नंदन श्रीवास्तव, परेश जैन, निर्भय जैन, परेश जैन, निशान्त जैन, ध्रुवकांत झा, योगेश श्रीवास्तव, धीरज जैन, राजेश सक्सेना, कुलदीप जैन, अमित कुमार जैन, मनीष जैन, नवनीत प्रकाश जैन, प्रेम चन्द्र निमेष, रामवीर सिंह, विशाल यादव, विपुल जैन, हरिशंकर, सत्यकाम सिंह, मनोज शाक्य, विपुल जैन, संदीप सिंह, श्रीमती सुकीर्ति चतुर्वेदी, सरिता जैन, प्रीती जैन, स्वाती जैन, रंजना जैन, सारिका कुलश्रेष्ठ, साधना मोडवेल, अंजली जैन, साक्षी, पारुल कुशवाह, विधि जैन, साधना यादव, अशोक कुमार, जसवंत सिंह, अवनीश कुमार, मनीष, शिवम, अवनीश आदि उपस्थित रहे।

फ्लाईओवर निर्माण में हाइड्रा की चपेट में आने से चौकीदार की मौत, सपा नेता ने उठाए सवाल

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जैन मंदिर-सुहाग नगर चौराहे पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर में लगी हाइड्रा मशीन की चपेट में आने से 57 वर्षीय विपिन बिहारी शर्मा की मौत के मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं सामाजिक कार्यकर्ता सतेंद्र जैन सौली ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने और हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सपा नेता सोमवार को प्रदेश सचिव मुकेश कुमार उर्फ टीटू प्रधान, जिला उपाध्यक्ष डॉ. मुजाहिद खान और सपा नेता मयंक यादव के साथ मृतक के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया। परिजनों ने बताया कि विपिन बिहारी शर्मा सुहाग नगर स्थित एक फैक्टरी में चौकीदारी करते थे। चार सितंबर की शाम करीब सात बजे वह ड्यूटी के लिए घर से निकले थे। रात करीब आठ बजे पुलिस ने परिवार को सूचना दी कि जैन मंदिर-सुहाग नगर चौराहे पर फ्लाईओवर निर्माण में लगी मशीन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई है। परिजनों के अनुसार, घटना के बाद नगर विधायक मनीष असीजा मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने अंतिम संस्कार करने के बाद पांच लाख रुपये की तत्काल सहायता और आगे भी आर्थिक मदद दिलाने का आश्वासन दिया था। साथ ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया था। आरोप है कि अब तक न तो आर्थिक सहायता मिली और न ही जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हुई।
सतेंद्र जैन सौली ने कहा कि निमार्णाधीन फ्लाईओवर आखिर कितनी जिंदगियां लेगा। पिछले एक महीने में यह दूसरी घटना है। इससे पहले भी कई लोग घायल हो चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण लोगों की जान खतरे में पड़ रही है। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा देने और सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

जेल से रिहा होकर घर लौटे युवक को फिर मिली झूठे मुकदमे में फंसाने व जान से मारने की धमकी, पुलिस से लगाई गुहार

समाज जागरण बागपत।
कस्बा खेकड़ा के करबला मोहल्ला निवासी एक युवक ने पुलिस को शिकायत देकर पड़ोस के ही दंपत्ति पर बार-बार धमकी देने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाना प्रभारी को शिकायती पत्र सौंपकर अपनी जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करबला मोहल्ला निवासी सुहेब ने पुलिस को दिए पत्र में बताया कि पूर्व में आरोपी पक्ष ने उस पर लड़की के झूठे मामले में केस दर्ज कराया था, जिसके चलते उसे जेल जाना पड़ा था। पीड़ित का आरोप है कि इस घटना के सदमे में उसकी मां का भी देहांत हो गया था, जबकि इस पूरे मामले में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। पीड़ित सुहेब का कहना है कि जेल से रिहा होने के बाद जब वह अपने घर लौटा, तो आरोपी पक्ष उसे आते-जाते तथा घर के बाहर बैठने पर रोक-टोक करते हुए आपत्ति जताते हैं। आरोपी पक्ष उसे लगातार धमकी दे रहा है कि या तो वह घर से निकलना बंद कर दे, वरना उसे दोबारा किसी झूठे केस में फंसा दिया जाएगा या फिर जान से मार दिया जाएगा। आरोपियों की धमकियों से खौफजदा पीड़ित ने थाना खेकड़ा पुलिस को लिखित शिकायत देकर मामला दर्ज करने और दबंगों से अपनी जान बचाने की अपील की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेकड़ा में मानव सेवा की मिसाल

- 147 लोगों की निशुल्क आंखों की जांच

समाज जागरण बागपत।
खेकड़ा कस्बे के प्रसिद्ध एडीके जैन आई हॉस्पिटल में सोमवार को मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण देखने को मिला। ईश पुत्र संस्था के तत्वावधान में आयोजित विशाल निशुल्क नेत्र जांच शिविर में कुल 147 मरीजों की निशुल्क जांच की गई। शिविर में जांच के दौरान 61 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई, जिन्हें निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया है। संस्था द्वारा इन सभी चयनित मरीजों का ऑपरेशन पूरी तरह निशुल्क किया जाएगा।शिविर का शुभारंभ अस्पताल की सीईओ डॉ रूमा गुप्ता और ईश पुत्र संस्था के अध्यक्ष नगीन गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस अवसर पर अस्पताल में पूर्व में ऑपरेशन करा चुके मरीजों की भी फॉलोअप जांच की गई, जिसमें सभी मरीजों की स्थिति बिल्कुल सही पाई गई।

मरीजों ने अस्पताल की सेवाओं की सराहना की। शिविर को सफल बनाने में चिकित्सकों की विशेष टीम ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें डॉ शालिनी अग्रवाल, डॉ सोनी सिंह, डॉ मुग्धा जैन, डॉ अशले के साथ संजय शर्मा, आशीष आर्य, सोमपाल आदि शामिल रहे। वहीं ईश पुत्र संस्था की ओर से भूषण कुमार जैन सहित अन्य कार्यकताओं ने व्यवस्था संभाली।

चार घंटे में विद्युत विभाग ने मानीं किसानों की प्रमुख मांगें

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। विद्युत समस्याओं को लेकर भारतीय किसान क्रांति यूनियन ने सोमवार को जिला अध्यक्ष राहुल यादव के नेतृत्व में फिरोजाबाद डिवीजन कार्यालय पर धरना दिया। किसानों ने समस्याओं का समाधान नहीं होने पर अनिश्चितकालीन धरना जारी रखने की चेतावनी दी।
धरने में गोदाम क्षेत्र में करंट लगने से मृत भैंस के मुआवजे, बिजली विभाग की लापरवाही से पूर्व में मृत दो भैंसों के लंबित मुआवजे और यूपीएसआईडीए के जेई व जसराना क्षेत्र में तैनात जेई के स्थानांतरण की मांग उठाई गई। धरने की जानकारी पर एसी और एक्सईएन ग्रामीण मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए लिखित आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने की कार्रवाई शुरू कराने के साथ भैंसों के मुआवजे की कागजी कार्रवाई पूरी कर भुगतान कराने का भी आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद करीब चार घंटे में ही किसानों की प्रमुख मांगों पर सहमति बन गई। इसके बाद संगठन ने अनिश्चित कालीन धरना स्थगित कर दिया। इन क्षेत्रों की समस्याएं भी उठाईं किसानों ने हवेली, फतेहपुर, प्रसादपुर, शिकोहाबाद और बालाजी मंदिर क्षेत्र की विद्युत समस्याओं को भी उठाया। खराब ट्रांसफार्मर बदलने, क्षमता बढ़ाने, जर्जर तार बदलने और बालाजी मंदिर के पीछे पार्किंग स्थल से गुजर रही 440 केवी लाइन को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की गई। धरने में थाना दक्षिण के थाना प्रभारी/एसएचओ समेत संगठन के सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। किसान ट्रैक्टर और चारपहिया वाहनों के साथ धरना स्थल पर पहुंचे।

राशन डीलर की शिकायत पर कार्यवाही नहीं होने पर डीएम से लगाई गुहार

ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों का राशन डीलर से सांठगांठ का लगाया आरोप

समाज जागरण

शिकोहाबाद। जसराना क्षेत्र के गांव दारापुर रसैनी के ग्रामीणों ने राशन डीलर की कई बार शिकायत की, लेकिन आज तक उसपर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इससे राशन लीडर अब राशन उपभोक्ताओं से आए दिन अभद्रभाषा का प्रयोग करता है और मनमानी करके राशन वितरित करता है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से इस संबंध में न्याय की गुहार लगाई है। शिकायतकर्ता सत्यराम पुत्र प्रेमपाल सिंह ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि राशन डीलर राकेश यादव राशन वितरण में अनेक अनियमितताएं की जा रही हैं। इस कारण ग्रामीणों ने राशन लीडर की शिकायत की, लेकिन जांच अधि कारी ने सही जांच नहीं की और राशन लीडर से सांठ गांठ करके शिकायत को निस्तारित कर दिया।

जिसकी बजह से राशन लीडर पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उसके बाद से राशन ड़ीलर अब और अधिक मनमानी करने लगा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि राशन डीलर के विरुद्ध सक्षम अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराकर उसके विरुद्ध सख्त एवं कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए।

टेलीग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री रखने के आरोपी को दबोचा

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। थाना रजावली पुलिस ने टेलीग्राम एप पर बच्चों से संबंधित यौन शोषण सामग्री डाउनलोड कर मोबाइल में रखने, अपलोड करने और बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को राजमल-मंडनपुर रोड से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक थाना रजावली में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 116/2026 में आईटी एक्ट की धारा 67बी और पॉक्सो एक्ट की धारा 13, 14 व 15 के तहत जांच की जा रही है। जांच के दौरान प्रकाश में आए आरोपी रिंकू पुत्र नत्थू सिंह निवासी खेरालंगर, थाना रजावली को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में पुलिस पहले आरोपी पूजा पुत्री नरेश कुमार निवासी नगला बीच को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज चुकी है। पुलिस का कहना है कि रिंकू सोशल मीडिया एप टेलीग्राम के माध्यम से प्रतिबंधित बाल यौन शोषण सामग्री को डाउनलोड, संग्रहित, अपलोड और बेचने में संलिप्त था।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने यह कार्रवाई की। आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।
कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक नारखी संजय कुमार पांडे, थानाध्यक्ष रजावली बृजकिशोर सिंह, उपनिरीक्षक दिलीप कुमार, कांस्टेबल विष्णु कुमार और इंद्रजीत शामिल रहे।

जटेला धाम से पर्यावरण संरक्षण का महासंकल्प - श्री महंत राजेन्द्र दास जी महाराज के सानिध्य में लगेंगी एक लाख तुलसी

**दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)**

भिवानी/झज्जर/रोहतक/चरखी दादरी, 07 सितंबर।भक्ति के साथ पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम। तपोभूमि जटेला धाम में इस बार 227वें निर्वाण पर्व पर आध्यात्म के साथ हरियाली का महायज्ञ भी होगा। श्री महंत स्वामी राजेन्द्र दास जी महाराज के पावन सानिध्य में एक लाख तुलसी के पौधे लगाने का महासंकल्प लिया गया है।

महंत जी ने कहा कि पूज्य स्वामी नितानंद जी महाराज ने हमेशा प्रकृति और मानवता की सेवा का संदेश दिया है। तुलसी केवल एक पौधा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति में माँ के समान पूजनीय है और आयुर्वेद में इसका अमूल्य महत्व है। यदि एक लाख घरों में तुलसी लगेगी तो पर्यावरण शुद्ध होगा और लोगों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। यह अभियान जटेला धाम के 227वें निर्वाण पर्व (भादों शुदी एकम मेला) दिनांक 12 सितंबर 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को प्रसाद स्वरूप एक तुलसी का पौधा भेंट किया जाएगा और उसे अपने घर-आंगन में लगाने का संकल्प दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल झज्जर जिले तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली सहित देशभर में जहां-जहां धाम के अनुयायी हैं, वहां तक इस अभियान को पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर महाराज नितानंद सेवा समिति-माजरा ने सभी पर्यावरण प्रेमियों और श्रद्धालुओं से इस पुण्य कार्य में सहयोग की अपील की है।

ग्राम पंचायत बहल ने करवाई विभिन्न विकास कार्यों की व्यवस्था, ग्रामीणों में खुशी

**दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र सिंह जावला)**

बहल, 7 सितंबर । गोगा जी मेले के अवसर पर ग्राम पंचायत बहल द्वारा ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यवस्थाएं एवं विकास कार्य करवाए गए। पंचायत की ओर से पीने के पानी के लिए बोर, पानी की टंकी, गांव के प्रवेश द्वार पर भव्य गेट, पुरुष एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, स्टेज निर्माण तथा रास्ते/पगडंडी का निर्माण करवाया गया। इन व्यवस्थाओं से मेले में आने वाले श्रद्धालुओं, पहलवानों एवं ग्रामीणों को काफी सुविधा मिली। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासियों, गोगा जी मेला कमेटी के सदस्यों, गणमान्य व्यक्तियों, पहलवानों एवं खेल प्रेमियों का विशेष सहयोग रहा।

इस अवसर पर गोगा जी मेला कमेटी एवं ग्रामवासियों ने सरपंच श्री साधु राम पनिहार का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि ग्रामीणों की सुविधा और गांव के विकास के लिए इसी प्रकार निरंतर कार्य किए जाएंगे।

खेत में घास लेने गई थी मां के साथ

25 वर्षीय युवती लापता, घर लौटने पर नहीं मिली युवती

परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां की तलाश, सुराग नहीं मिलने पर लोहारू थाना पुलिस ने दर्ज किया मामला

दैनिक समाज जागरण। जिला संवाददाता भिवानी।

लोहारू। लोहारू क्षेत्र के गांव से 25 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। युवती की मां ने लोहारू थाना पुलिस को शिकायत देकर अपनी बेटी की तलाश कराने की गुहार लगाई है। शिकायत के अनुसार अपनी बेटी के साथ खेत में घास लेने गई थी। खेत में पहुंचने के बाद उसने अपनी बेटी को वहीं छोड़कर घास लेकर घर लौट आई। करीब 10 बजे घर पहुंचने पर बेटी वहां नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने युवती की आसपास के क्षेत्र में तलाश की। रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी जानकारी ली गई, लेकिन काफी तलाश के बावजूद युवती का कोई सुराग नहीं मिल सका।

परिजनों की शिकायत के आधार पर लोहारू थाना में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 127(6) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक कृष्णा, भिवानी को सौंपी गई है। पुलिस द्वारा युवती की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। परिजनों ने आमजन से अपील की है कि युवती के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस या उसके परिवार को सूचना दें।

हर माह लगेगी डाक अदालत, डाक संबंधी शिकायतों का होगा समाधान

**दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)**

बहल-भिवानी। डाक विभाग की सेवाओं से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए अब हर महीने प्रधान डाकघर भिवानी में डाक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस डाक अदालत में भिवानी नगर तथा भिवानी मंडल कार्यालय के अधीन आने वाले सभी नगरों, कस्बों और गांव-देहात के लोग डाकघर से संबंधित अपनी शिकायतें सीधे अधीक्षक डाकघर के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। डाक विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार सितंबर माह की डाक अदालत 8 सितंबर 2026, मंगलवार को आयोजित की जाएगी। डाक अदालत का आयोजन प्रधान डाकघर, घंटाघर चौक, भिवानी में किया जाएगा। इसमें आमजन डाक सेवाओं से जुड़ी समस्याओं, शिकायतों और अन्य मामलों को विभाग के अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे, ताकि उनका उचित समाधान किया जा सके। विभाग ने बताया कि भविष्य में भी प्रत्येक माह भिवानी प्रधान डाकघर में डाक अदालत लगाना सुनिश्चित किया गया है। प्रत्येक डाक अदालत के आयोजन की अग्रिम सूचना संबंधित लोगों को उपलब्ध करवाई जाएगी। डाक विभाग ने आमजन से अपील की है कि यदि उन्हें डाक सेवाओं से संबंधित किसी प्रकार की शिकायत या समस्या है तो वे निर्धारित तिथि पर डाक अदालत में पहुंचकर अपनी शिकायत प्रस्तुत करें और विभाग की इस सुविधा का लाभ उठाएं।

पर्युषण पर्व को लेकर जैन संतों की प्रेस कॉन्फ्रेंस कर युवाओ को नशे दूर रहने का किया आह्वान संतो ने सुनाए प्रवचन

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) एस एस जैन सभा कालांवाली की ओर से सभी पत्रकार बंधुओं एवं प्रेस रिपोर्टरों को सादर आमंत्रित किया गया है। पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर 7 सितंबर को एसएस जैन सभा भवन में जैन संतों द्वारा विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। टाईम 12-15 पर इस दौरान जैन संतों द्वारा पर्युषण पर्व के आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सामाजिक महत्व के साथ-साथ भगवान महावीर के सिद्धांतों और जैन धर्म के संदेश पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के उपरांत जैन प्रेमियों एवं पत्रकार बंधुओं के साथ भोजन का भी आयोजन किया जाएगा।

एसएस जैन सभा के प्रधान संदीप जैन ने कालांवाली के सभी पत्रकार बंधुओं एवं प्रेस रिपोर्टरों से अपील की है कि वे 7 सितंबर को निर्धारित समय पर एसएस जैन सभा भवन में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं तथा जैन संतों के विचारों को समाज तक पहुंचाने में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज और धार्मिक संस्थाओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं और ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में अहिंसा, संयम, सद्भाव एवं भाईचारे का संदेश पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

बारिश में कमी से सीआईएल का उत्पादन बढ़ा, बिजली क्षेत्र की आपूर्ति में तेजी

दैनिक औसत उत्पादन 1 से 3 सितंबर के दौरान 1.36 मिलियन टन से 35 प्रतिशत बढ़कर 6 सितंबर, 2026 को 1.83 मिलियन टन हो गया विद्युत क्षेत्र का उत्पादन 24 प्रतिशत बढ़कर 1.37 मिलियन टन से बढ़कर 1.7 मीट्रिक टन हो गया कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने खनन क्षेत्रों में बारिश में कमी के बीच कोयला उत्पादन और बिजली क्षेत्र के लिए आपूर्ति में तेज सुधार किया है। सीआईएल का औसत दैनिक कोयला उत्पादन, 35 प्रतिशत तक बढ़ गया। यह सितंबर के पहले तीन बारिश प्रभावित दिनों के दौरान लगभग 1.36 मिलियन टन (एमटी) था और 6 सितंबर 2026 को लगभग 1.83 एमटी हो गया।

यह सुधार तब आता है जब खनन की स्थिति लगातार ठीक रहती है और प्रभावित परिवहन मार्ग और कार्य क्षेत्र निर्बाध रहते हैं। उत्पादन में वृद्धि सीआईएल की सहायक कंपनियों के कार्य निष्पादन से प्रेरित थी। इसी अवधि के दौरान, एनसीएल में औसत दैनिक उत्पादन लगभग 61 प्रतिशत बढ़कर 0.18 एमटी से 0.29 एमटी हो गया, जो एसईसीएल में 0.15 एमटी से 0.20 एमटी तक 33 प्रतिशत तक बढ़ गया।

जिले की सीमाओं पर पुलिस की बढ़ी निगरानी

शराब पीकर वाहन चलाने और बिना नंबर प्लेट के वाहनों पर कार्रवाई, यातायात नियम तोड़ने वाले 3 चालकों के काटे चालान

राजगढ़ रोड नाका सुधिवास पर रातभर चला चेकिंग अभियान, 72 वाहनों की जांच

**दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)**

बहल। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने और जिले की सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से भिवानी जिला पुलिस ने रात्रिकालीन विशेष चेकिंग एवं सर्च अभियान चलाया। थाना बहल क्षेत्र के राजगढ़ रोड स्थित नाका सुधिवास पर पुलिस ने रातभर वाहनों की जांच की और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। पुलिस के अनुसार, 6/7 सितंबर 2026 की रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार ने किया। इस दौरान पुलिस टीम ने नाके से गुजरने वाले कुल 72 वाहनों की गहनता से जांच की।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालक का भी चालान

चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने कुल 3 चालान किए। इनमें एक चालान शराब पीकर वाहन चलाने और दो चालान बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने पर किए गए। चेकिंग के दौरान किसी भी वाहन को इंपाउंड नहीं किया गया। पुलिस के अनुसार, जिले की सीमाओं और प्रमुख मार्गों पर रात के समय संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। चेकिंग अभियान के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को परखने के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है।

अपराध रोकथाम और सड़क सुरक्षा पर जोर

जिला पुलिस का कहना है कि इस तरह के अभियान का उद्देश्य अपराधियों और असामाजिक तत्वों में कानून का भय बनाए रखना तथा आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। साथ ही यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कर सड़क सुरक्षा को मजबूत करना भी अभियान का हिस्सा है।

पुलिस महानिदेशक हरियाणा अजय सिंघल, आईपीएस के आदेशानुसार और पुलिस अधीक्षक भिवानी सुमित कुमार, आईपीएस के निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा अपराध की रोकथाम, कानून व्यवस्था को मजबूत करने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे विशेष चेकिंग अभियान आगे भी जारी रखने की बात कही गई है।

सूखे की मार से किसानों की बढ़ी परेशानी

अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी की बैठक में फैसला, सरकार ने मांग नहीं मानी तो अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की चेतावनी

सिवानी तहसील को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग तेज, 14 सितंबर को एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन

**दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र सिंह जावला)**

सिवानी मंडी। सिवानी तहसील को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर किसानों का आंदोलन तेज होता जा रहा है। अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी की बैठक पूर्व ब्लॉक समिति सदस्य सुरेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में क्षेत्र में पड़े सूखे और किसानों की खराब होती आर्थिक स्थिति को लेकर गंभीरता से चर्चा की गई। किसान सभा के नेताओं ने बताया कि 3 सितंबर को सिवानी तहसील को सूखाग्रस्त घोषित करवाने की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया था। किसान सभा ने प्रदर्शन में शामिल किसानों का आभार जताते हुए कहा कि किसानों की एकजुटता उनके संघर्ष को मजबूती देती है।

मूंग और बाजरे की पैदावार में भारी गिरावट का दावा

बैठक में किसान नेताओं ने कहा कि क्षेत्र में पड़े भयंकर सूखे के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। वर्तमान में इलाके में मूंग और बाजरे की फसल की कटाई-कढ़ाई का कार्य चल रहा है। किसान सभा के अनुसार, कई गांवों में मूंग की पैदावार घटकर करीब 50 किलो प्रति एकड़ तक रह गई है, जबकि बाजरे की पैदावार 2 से 3 मण प्रति एकड़ तक ही हो रही है। किसानों के अनुसार, एक एकड़ फसल पर करीब 8 से 10 हजार रुपये तक खर्च हो चुका है। इसके बावजूद उत्पादन बेहद कम होने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान सभा ने सरकार से सूखे की स्थिति को देखते हुए तत्काल राहत देने की मांग की।

14 सितंबर को प्रदर्शन, अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि हरियाणा सरकार ने सिवानी तहसील को जल्द सूखाग्रस्त घोषित नहीं किया और संबंधित पोर्टल नहीं खोला, तो 14 सितंबर को सिवानी एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। किसान सभा ने इसके साथ ही अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने का ऐलान किया है।

बैठक में तहसील स्तर पर इंतकाल और गिरदावरी से संबंधित कार्य प्रभावित होने का मुद्दा भी उठाया गया। किसान सभा का कहना है कि संबंधित पोर्टल पिछले कई दिनों से सुचारु रूप से नहीं चल रहा है, जिसके कारण ग्रामीणों को अपने कार्यों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

किसान सभा ने प्रशासन से पोर्टल को जल्द सुचारु करवाने और लंबित इंतकाल एवं गिरदावरी से संबंधित कार्यों का शीघ्र निपटारा करवाने की मांग की। बैठक में किसान सभा के नेता दयानन्द पूनिया, जंगबीर ढांडा, सुभाष श्योराण एडवोकेट, रामचन्द्र फौजी, दारा गोरा, बालकिशन गुढ़ा, लिलू ठेकेदार, राजेन्द्र नंबरदार, विकास, योगेश जांगड़ा, धर्मसिंह सरपंच, जयचंद सहित अन्य किसान नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बहल में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि

डॉ. साक्षी व डॉ. तमन्ना की टीम ने किया जटिल ऑपरेशन; एसएमएसजी हॉस्पिटल के एमडी डॉ. गौरव बोले- जटिल उपचार के लिए अब भिवानी-हिसार जाने की जरूरत नहीं

5.5 किलो की बच्चेदानी की गांठ का सफल ऑपरेशन, 12 साल की पीड़ा से महिला को मिली राहत

**दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)**

बहल। बहल के एसएमएसजी सुपर स्पेशलिटी एवं ट्रॉमा सेंटर में चिकित्सा क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई है। अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम ने बहल क्षेत्र के एक गांव की महिला की बच्चेदानी में बनी करीब 5.5 किलोग्राम की गांठ का सफल ऑपरेशन कर उसे वर्षों से चली आ रही परेशानी और दर्द से राहत दिलाई। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, महिला पिछले करीब 12 वर्षों से दर्द और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से जूझ रही थी। जांच के दौरान उसकी बच्चेदानी में काफी बड़ी गांठ होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद चिकित्सकों ने आवश्यक जांच एवं चिकित्सकीय प्रक्रिया के बाद ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। डॉ. साक्षी और डॉ. तमन्ना की टीम ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर गांठ को निकाल दिया। अस्पताल के अनुसार गांठ का वजन करीब 5.5 किलोग्राम था। ऑपरेशन सफल रहने के बाद महिला को लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत मिली।

बहल में उपलब्ध हो रही बेहतर चिकित्सा सुविधाएं

एसएमएसजी हॉस्पिटल के एमडी डॉ. गौरव ने बताया कि अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा गंभीर और जटिल मामलों का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। डॉ. गौरव ने कहा कि अब मरीजों को जटिल ऑपरेशन के लिए हर बार भिवानी या हिसार जाने की जरूरत न पड़े, इसके लिए बहल स्थित एसएमएसजी हॉस्पिटल में ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के माध्यम से उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह भी अस्पताल की टीम द्वारा गर्दन और जबड़े से जुड़ी गंभीर चोट वाली एक महिला का सफल ऑपरेशन किया गया था। लगातार सफल उपचार के मामलों से क्षेत्र के लोगों में स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधाओं को लेकर भरोसा बढ़ रहा है।

एसएमएसजी हॉस्पिटल प्रबंधन के अनुसार, अस्पताल का उद्देश्य बहल और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें गंभीर उपचार के लिए दूर के शहरों की ओर कम जाना पड़े।

वैज्ञानिकों ने क्वांटम एंटैंगलमेंट लॉस को मात देने का तरीका खोज निकाला है

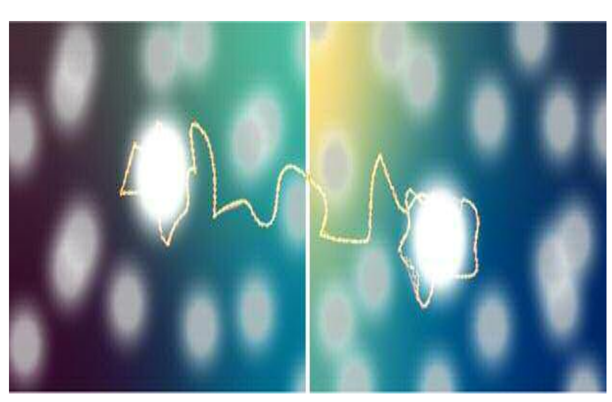

वैज्ञानिकों ने एक सटीक समय पर की गई फ्लिप प्रक्रिया को लागू करके विस्तृत समय तक एंटैंगलमेंट को संरक्षित रखने का तरीका खोज निकाला है। इससे यह साबित होता है कि क्वांटम प्रणालियों में कौन सी प्रक्रिया लागू करनी है, उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि कब कार्रवाई करनी है। यह तकनीक भविष्य के क्वांटम कंप्यूटरों के भीतर मौजूद नाजुक क्वांटम लिंक्स को हार्डवेयर में बिना कोई बदलाव किए लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद कर सकती है।

एंटैंगलमेंट एक ऐसा गुण है जो एक कण की अवस्था को दूसरे दूर स्थित कण की अवस्था से जोड़ता है। क्वांटम प्रणालियों में एंटैंगलमेंट एक अनिवार्य संसाधन है। हालांकि, वातावरण के साथ परस्पर क्रिया करने पर एंटैंगलमेंट क्षीण या कमजोर हो सकती है।

दो परस्पर एंटैंगल कणों की कल्पना कीजिए, जिनमें से प्रत्येक दो अवस्थाओं में विद्यमान हो सकता है- एक उत्तेजित अवस्था और एक स्थिर अवस्था। यदि इन्हें अकेला छोड़ दिया जाए, तो प्रत्येक कण उत्तेजित अवस्था से स्थिर अवस्था में लुप्त होने लगता है, ठीक उसी प्रकार जैसे कोई परमाणु अपने परिवेश में ऊर्जा खोता है। ऐसा होने पर कणों के बीच का एंटैंगलमेंट कमजोर हो जाता है। आश्चर्यजनक रूप से एंटैंगलमेंट एक निश्चित समय में समाप्त हो सकता है- लुप्च होने की प्रक्रिया पूरी होने से काफी पहले। भौतिक विज्ञानी इस अचानक लुप्त होने को 'बंधन की अचानक अंत' कहते हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक स्वायत्त संस्थान, रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई), कैलगरी विश्व विद्यालय और लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस लुप्त होने की प्रक्रिया को टालने की चुनौती स्वीकार की। इस अध्ययन को आंशिक रूप से डीएसटी के प्रमुख राष्ट्रीय क्वांटम मिशन द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

शोधकताओं के एक समूह ने अचानक लुप्त होने की प्रक्रिया को टालने का एक कारगर तरीका खोज निकाला। उन्होंने सबसे पहले अपने ऑप्टिकल सेटअप में दो-स्तरीय प्रणाली की नकल की। प्रकाश में ध्रुवीकरण नामक एक गुण होता है जो प्रकाश तरंगों के दोलन की दिशा बताता है। मान लीजिए कि प्रकाश या फोटॉन–प्रकाश के कण–दो अलग-अलग ध्रुवीकरण रूपों में मौजूद हैं । उन्होंने ऊर्ध्वाधर ध्रुवीकरण को उत्तेजित अवस्था और क्षैतिज ध्रुवीकरण को मूल अवस्था माना। ध्रुवीकरण को बदलने के लिए उपयोग किए जाने वाले एक ऑप्टिकल उपकरण, वेवप्लेट का उपयोग करके, वे ध्रुवीकरण को ऊर्ध्वाधर से क्षैतिज में नियंत्रित कर सकते थे, जिससे कणों के मूल अवस्था में क्षय को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता था।

उत्तेजित अवस्था में मौजूद कणों के प्राकृतिक क्षय से मूल अवस्था में लौटने देने के बजाय, उन्होंने एक सुनियोजित प्रक्रिया अपनाई जिससे मूल और उत्तेजित अवस्थाओं में मौजूद कणों की संख्या आपस में बदल गई। इस प्रक्रिया का प्रभाव क्षय प्रक्रिया के दौरान इसके लागू होने के समय पर निर्भर करता था । समय का चयन करके, उन्होंने सभी कणों के मूल अवस्था में क्षय को विलंबित किया या एंटैंगलमेंट के नुकसान को विलंबित किया।

"मेरे लिए, इस परिणाम का मूल यह है कि समय केवल एक प्रयोगात्मक विवरण नहीं है; यह एक नियंत्रण संसाधन हो सकता है," यह बात क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग (क्विआईसी) प्रयोगशाला के समूह प्रमुख और आरआरआई में वरिष्ठ प्रोफेसर उबार्सी सिन्हा ने कही, जिन्होंने इस अध्ययन का नेतृत्व किया। सही समय पर किया गया फ्लिप न केवल अचानक होने वाली लुप्तता को टालता है, बल्कि उसे होने से भी रोक सकता है। टीम इसे बचाव कहती है।

जब आप इस प्रक्रिया को लागू कर रहे होते हैं, तो क्षय के दौरान विकास की कितनी अवधि बीतने के बाद आप इस एकल फ्लिप ऑपरेशन को लागू करते हैं, यह निर्धारित करेगा कि आप अचानक लुप्त होने से बचते हैं, उसमें देरी करते हैं या उसे तेज करते हैं, आरआरआई में क्यूआईसी लैब के क्वांटम वैज्ञानिक और नए अध्ययन के प्रमुख लेखक सौम्या रंजन बेहरा कहते हैं। यह शोध पत्र जुलाई में अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी के फिजिकल रिव्यू ए में प्रकाशित हुआ था।

क्वांटम कंप्यूटरों में, क्वांटम सूचना के क्षय होने से पहले उसके अस्तित्व की अवधि सीमित होती है। प्रयोग से पता चलता है कि इस प्रकार की सीमा की उपस्थिति में, किसी क्रिया का समय एंटैंगलमेंट के भाग्य को बदल सकता है।

क्यूआईसी प्रयोगशाला में, जो सैद्धांतिक और प्रायोगिक विशेषज्ञों के सामंजस्यपूर्ण कार्य का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, इस अध्ययन के प्रायोगिक परिणामों ने वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया। यह प्रयोग क्वांटम प्रणालियों द्वारा अपने परिवेश में सूचना खोने के दो मानक पाठ्यपुस्तक मॉडलों में से किसी में भी फिट नहीं बैठता था।

इसलिए लगभग एक वर्ष तक सिद्धांतकारों ने डेटा को समझने के लिए विभिन्न विवरणों का अध्ययन किया। अंततः उन्हें एहसास हुआ कि प्रयोग 'गलत' नहीं था। बल्कि यह ठीक उस वक्र पर स्थित था जो इन दोनों ढांचों को दोनों सिरों पर जोड़ता है। संक्षेप में, उन्होंने वह 'ट्यूनिंग पैरामीटर' खोज लिया जो प्रयोग को दोनों ढांचों के बीच स्थानांतरित करने में सक्षम बनाता है। इसलिए अब इन दोनों ढाँचों के लिए दो अलग-अलग सेटअप नहीं हैं। यह एकल सेटअप चुने गए ट्यूनिंग पैरामीटर के आधार पर नॉयज मॉडल और उनके बीच के सभी प्रकारों का प्रतिनिधित्व कर सकता है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने भारत को एक वैश्विक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा के गंतव्य के रूप में उभरने का आह्वान किया

भारत का एफटीए नेटवर्क स्वास्थ्य सेवा उद्योग के लिए बाजार पहुंच के अवसरों का विस्तार करता है: श्री गोयल भारत को मेडटेक इनोवेशन, इनक्यूबेशन और बौद्धिक संपदा इकोसिस्टम को मजबूत करना चाहिए: श्री गोयल केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने भारत से 'विश्व की फामेर्सी' के रूप में अपना दर्जा कायम करने और वैश्विक चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सेवा के गंतव्य के रूप में उभरने का आह्वान किया। नई दिल्ली में फार्मा मैकटेक और लैबनेक्स्ट एक्सपो 2026 को संबोधित करते हुए, श्री गोयल ने उपचार से परे स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें रोकथाम, कल्याण, देखभाल, निदान, प्रयोगशाला क्षमता, चिकित्सा उपकरण, टेलीमेडिसिन, टेलीकंस ल्टेशन, डिजिटल स्वास्थ्य समाधान, नई दवाओं और आधुनिक उपकरणों के लिए नवाचार और अनुसंधान और विकास शामिल हैं। श्री गोयल ने उद्योग जगत से भारत के मुक्त व्यापार समझौतों से उत्पन्न होने वाले अवसरों का उपयोग करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, भारत के मुक्त व्यापार समझौतों में सामूहिक रूप से लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद वाली अर्थव्यवस्थाओं को शामिल किया गया था, जबकि पिछले चार से साढ़े चार वर्षों में अंतिम रूप दिए गए

आईआईटी बीएचयू के साथ मिल गंगा समग्र क्षेत्रीय नदियों के निर्मलता के लिए करेगा मंथन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। मां गंगा और उनकी सहायक नदियों की अविरलता और निर्मलता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सतत क्रियाशील संगठन 'गंगा समग्र' के गंगा भाग के कार्यकताओं की बैठक वीएनआर टावर पांडेयपुर में संपन्न हुई ।

बैठक में गंगा समग्र के आगामी कार्यक्रमों पर गहन विचार विमर्श किया गया। वक्ताओं ने मां गंगा की निर्मलता और अविरलता के लिए उसके आसपास के जिलों से प्रवाहमान क्षेत्रीय सहायक नदियों का निर्मल और अविरल होना आवश्यक बताया। सहायक नदियों के स्वास्थ्य के परिपेक्ष्य में कारण और निवारण के पहलू पर विस्तृत चर्चा हुई। इस बिंदु पर चिंतन और मंथन के लिए आगामी विश्व नदी दिवस 27 सितंबर को आईआईटी बीएचयू के साथ मिलकर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन का निश्चय किया गया।

विश्व नदी दिवस के अवसर पर अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी छात्रों के बीच जाकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निश्चय हुआ।

19 सितंबर को काशी प्रांत के शैक्षणिक आयाम की बैठक और अक्टूबर प्रथम सप्ताह में काशी प्रांत की कार्यकारिणी का बैठक का आयोजन तय हुआ।

बैठक को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय कुमार उपाध्याय, राष्ट्रीय गंगा आश्रित आयाम प्रमुख अमिताभ उपाध्याय, प्रांतीय संगठन मंत्री निरंजन जी, सह प्रांतीय संयोजक दिवाकर द्विवेदी ने संबोधित किया।

बैठक में प्रांतीय कार्यकारिणी की ओर से महंत राजनाथ तिवारी,कपीन्द्र नाथ तिवारी,रणदीप सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह,उमेश सिंह,अशोक तिवारी,गोपाल कृष्ण पांडेय एडवोकेट,सुधीर दुबे श्रीमती माला तिवारी सहित जिला संरक्षक चंदौली जयशंकर तिवारी, जिला संरक्षक गाजीपुर विजय शंकर राय, जिला संयोजकगण काशी धर्मेंद्र पांडेय ,काशी दक्षिण जिला श्रवण मिश्रा, काशी मध्य जिला विजय पाठक, काशी उत्तर जिला संदीप त्रिपाठी, जिला संयोजक सोनभद्र शमशेर बहादुर सिंह सह जिला संयोजक भदोही अनुराग द्विवेदी, गंगा भाग के अन्य सह जिला संयोजक अशोक त्रिपाठी, राज नारायण पटेल, अंबरीश उपाध्याय, संजय सिंह सिसोदिया, रवि उपाध्याय आदि पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

बैठक का आयोजन गंगा भाग संयोजक चंद्र प्रकाश एवं संचालन प्रांतीय सह संयोजक डॉ0अभिषेक श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

उदय नारायण राय के निधन पर शोक संवेदना प्रकट करने पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय

बिकास राय ब्यूरो चीफ
गाजीपुर समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के मोहम्मदाबाद तहसील क्षेत्र के गोंडी निवासी उदय नारायण राय उम्र 70 वर्ष का हार्ट अटैक के कारण दिनांक 27 अगस्त गुरूवार को निधन हो गया।शोक संवेदना प्रकट करने वाले लोगों का शनिवार से पहुंचने का क्रम जारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष मऊ मनोज राय,पूर्व ब्लाक प्रमुख कोपागंज सर्वेश राय,प्रयागराज निवासी डाक्टर अजीत सिंह संपादक भोजपुरी संगम मासिक पत्रिका,घोसी सांसद राजीव राय ,पंकज राय वरिष्ठ पत्रकार इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शताब्दी अध्यक्ष व सपा नेता एस पी पांडेय,पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. कल्पनाथ राय के पौत्र व भाजपा नेत्री सीता राय के पुत्र अनंत राय।

डीसीएसके पीजी कॉलेज मऊ के छात्र संघ अध्यक्ष पद्मेश तिवारी, स्नातक एम एल सी देवेंद्र सिंह जी के प्रतिनिधि भदीड़ मऊ निवासी माखन सिंह, प्रधान बरबोझी बबलू सिंह, प्रधान देवलास अभिषेक यादव, श्याम बहादुर राय राजापुर, दिनेश राय गुड्डू प्रोपराइटर बिनायक प्रोडक्ट ,भाजपा किसान मोर्चा गाजीपुर अध्यक्ष कृष्णानंद राय, मेरठ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मयंक राय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉ गौरव राय, असिटेंट कमिश्नर सेल टैक्स नोएडा प्रशांत राय, एपीओ मऊ प्रशांत राय, जोगा निवासी जेपी राय, जोगा निवासी राजेश राय, क्षेत्र पंचायत सदस्य जोगा गोलू श्रीवास्तव, मऊ से सांसद घोसी प्रतिनिधि प्रभात राय, संतोष राय, आशुतोष शाही, अमित सिंह, सुधीर सिंह , जहूराबाद सपा नेता अविनाश विद्यार्थी, सैदपुर से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष प्रत्याशी अजीत विधायक, समेत ढेर सारे लोगों ने गोंडी पहुंच कर शोक संवेदना प्रकट किया। मृत्युंजय राय ने बताया की त्रयोदशाह एवं श्रद्धांजलि का कार्यक्रम 8 सितंबर दिन मंगलवार को आयोजित किया जाएगा।

खोराडीह में किसानों को कृषि निर्यात की संभावनाओं की दी गई जानकारी

समाज जागरण

मीरजापुर/ विकासखंड राजगढ़ के खोराडीह गांव में कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्षमता निर्माण कार्यक्रम एवं फील्ड विजिट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान एपीडा के प्रतिनिधि देवानंद त्रिपाठी ने किसानों से संवाद कर जैविक खेती, कृषि उत्पादों की गुणवत्ता और निर्यात की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। देवानंद त्रिपाठी ने किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जैविक खेती से मिट्टी की उर्वरक क्षमता को बनाए रखने में मदद मिलती है। किसानों को आधुनिक तकनीक के साथ गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर विशेष ध्यान देना चाहिए, जिससे उनके उत्पादों को बेहतर बाजार मिल सके और आमदनी में वृद्धि हो।इस दौरान खोराडीह गांव के किसान विजय कुमार ने अपने खेत में लगभग सात सौ निर्यात गुणवत्ता वाले कागजी नींबू के पौधे, पचास आंवला के पेड़ तथा अन्य ताजे फलों की खेती के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस तरह की खेती से किसानों को बेहतर आमदनी का अवसर मिल सकता है।

कार्यक्रम में क्षेत्र में मिर्च और टमाटर के निर्यात की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। राजगढ़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर टमाटर और मिर्च की खेती होती है तथा यहां की पैदावार भी अच्छी रहती है। हालांकि, कई बार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता, जिससे लागत निकालना भी मुश्किल हो जाता है। वहीं बारिश के मौसम में फसलों में रोग लगने से किसानों को अतिरिक्त नुकसान उठाना पड़ता है।एपीडा प्रतिनिधि ने किसानों को कृषि उत्पादों के निर्यात की प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों और आवश्यक प्रमाण-पत्रों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों से गुणवत्तापूर्ण उत्पादन कर स्थानीय स्तर से आगे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने की दिशा में प्रयास करने का आह्वान किया। इस अवसर पर किसान रूपेश कुमार, सुनील कुमार और भूपेंद्र सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

सरप्लस शिक्षकों के अन्तःजनपदीय स्थानान्तरण हेतु 46 शिक्षकों ने प्रस्तुत किया विद्यालय विकल्प

समाज जागरण

मीरजापुर /सचिव उत्तर बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद में योजित विशेष अपील संख्या 398/2026 सौरभ कुमार सिंह व 06 अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य में माननीय उच्च न्यायालय के पारित आदेश दिनांक 24.08.2026 के अनुपालन में ऐसे सरप्लस शिक्षक/शिक्षिका जिनके द्वारा आपत्तियाँ उपलब्ध नही करायी गयी है उनके अन्तःजनपदीय स्थानान्तरण / समायोजन की कार्यवाही शासनादेश दिनांक 14 नवम्बर 2025 में निहित प्राविधानानुसार पूर्ण करते हुए अवगत कराने हेतु प्रदान किये निर्देश के अनुपालन में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार की सदस्यता में गठित जनपदीय समिति के सदस्यों के समक्ष कुल 46 शिक्षक / शिक्षिकाओं द्वारा अन्तःजनपदीय स्थानान्तरण / समायोजन हेतु विद्यालय का विकल्प प्रस्तुत किया गया। बैठक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

महामना मालवीय की बगिया के अनमोल पुष्प डॉ0 टी0 के0 लहरी डॉ0 आर0एन0 सिंह

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय मेरे जैसे लाखों व्यक्तियों की ज्ञानपीठ रहा है। वहाँ की स्मृतियां हमारे जर्रेजर्रे में बसी है और आजीवन बसी रहेगी। वहां का शैक्षणिक सांस्कृतिक और मालवीय जी की अदृश्य उपस्थिति से रचाबसा वातावरण अन्यत्र कहीं नहीं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय केवल एक सामान्य विश्वविद्यालय नहीं है, इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसकी स्थापना के पीछे छिपी मालवीय जी की भारतीयता की सोच इसे अद्भुत बना देती है।हमलोग जो कुछ भी हैं इस विश्वविद्यालय के कारण ही हैं। हम अपने ज्ञान जीवन के प्रति दृष्टिकोण और राष्ट्र के प्रति समर्पण सभी कुछ के लिए इस महान विश्वविद्यालय के ऋणी रहेंगे।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आया परिवर्तन इस कारण है क्योंकि अब यहाँ पर विश्वविद्यालय के प्रति कर्मचारियों और प्राध्यापकों का दृष्टिकोण पूर्णतः बदल गया है।उनमें समर्पण सेवा और त्याग की वह भावना अब बची ही नहीं है। हमारे गुरुजन के समक्ष आज के नियुक्त अध्यापक हमें तो काफी हल्के लगते हैं। उनमें वह गरिमा नहीं है वह गौरवबोध नहीं है वह विनम्रता और आत्मीयता नहीं है जो पहले हुआ करती थी।कुछ अपवाद अवश्य होंगे लेकिन वे रेती में छिपे एक दो स्वर्ण कणों की तरह दिखते नहीं है। पहले हर विभाग में एक दो महान प्रोफेसर हुआ करते थे जिनका नाम देश विदेश में हर कोई जानता था लेकिन अब तो विभागाध्यक्ष तक का नाम कोई नहीं जानता है,भले ही कोई विभागाध्यक्ष होने का भ्रम पाले बैठा रहे इससे कोई अंतर नहीं पड़ता है।चरित्र और संस्कार मेंआई गिरावट बहुत ही चिंतनीय है।

हम लोग बिरला होस्टल में रहते थे, अस्सी के दशक की शुरूआत थी, होस्टल से ही हम प्रोफेसर टी0 के0 लहरी को मेडिकल इन्क्लेव से सर सुंदरलाल अस्पताल आते जाते देखते थे, अपनी सधी धीमी चाल सिर झुका हुआ हाथ में छाता लिए हुए पैदल ही लहरी साहब को देखना हम अभी भी नहीं भूले हैं। उनके विषय में अनेक चचाएं चलती रहती थीं,उनका अनुशासन उनका मरीजों के प्रति समर्पण उनका हर मरीज को सिर्फ मरीज मानकर इलाज करना उनके द्वारा अपने कक्ष में किसी को आउट आफ टर्न नहीं देखना उनकी दानशीलता उनका एकाकीपन उनका हर किसी से सहजभाव से मिलना इत्यादि मानवीय गुण उन्हें हमारी दृष्टि में किसी देवपुरुष की तरह ही प्रतिस्थापित करते थे वे किसी को बिगड़ भी दें तो उसे सिर झुकाकर आशीर्वाद की तरह हर व्यक्ति ग्रहण करता था, यह था उनके व्यक्तित्व का आभामंडल !हम डॉ0 टी0 के0 लहिरी को सिर्फ लहरी साहब नाम से ही जानते थे,उनमें महामना मालवीय के सपनों का चिकित्सक विद्यमान था। काश वही अध्यापक और वही कर्मचारी और वही कुलपति और वही कुलसचिव काशी हिंदू विश्वविद्यालय में पदासीन हर व्यक्ति में विद्यमान हो जाये तो वही गौरव पुनः इस विश्वविख्यात विश्वविद्यालय को प्राप्त हो जाए। प्रोफेसर लहरी के साथ पचासी वर्ष की अवस्था में उसी अस्पताल में दुर्व्यवहार का समाचार सुनकर हर व्यक्ति हर काशीवासी हर पुरातन छात्र आहत और व्यथित है।यदि ऐसा हुआ है जैसा विजुअल बता रहे हैं तो दुर्भाग्यपूर्ण है। महामना मालवीय की इस बगिया के अद्भुत अनमोल पुष्प प्रोफेसर टी0 के0 लहिरी विश्वविद्यालय के गौरव हैं इसलिए ही इतनी तीखी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं।

उक्त बातें आज राजेश्वरी महिला महाविद्यालय में पत्रकारों से भेंटवार्ता में डॉ0 राघवेन्द्र नारायण सिंह साहित्यकार शिक्षाविद समीक्षकपूर्व प्रोफेसर उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा ,हरहुआ ने व्यक्त की। डॉ0 के सम्मान ,स्वाभिमान और उनकी सेवा को जिला प्रशासन न्याय दिलाकर पूरा करें।

बैंक आफ इंडिया का 121 वा स्थापना दिवस मनाया गया

बिकास राय ब्यूरो चीफ
गाजीपुर समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के बैंक आफ इंडिया शाखा लठ्ठूडीह के द्वारा बैंक का 121 वा स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर सिनियर सिटिजन के द्वारा केक काटा गया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए शाखा प्रबंधक रविशंकर सिंह द्वारा बताया गया कि बैंक का स्थापना 9 सितम्बर 1906 को हुआ था। तब से लेकर आज तक बैंक लगातार आगे बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ग्राहकों का आधार, पैन, सहित मोबाइल नंबर बैंक से जुड़ा हुआ है। इस स्थिति में ग्राहकों विशेष कर सीनियर सिटीजन को विशेष रूप से सतर्क रहना होगा कि कभी भी कोई आप से ओटीपी मांगे तो आप कभी भी शेयर न करें। बैंक कभी भी किसी खाताधारक से ओटीपी नहीं मांगता।बैंक की स्थापना 9 सितम्बर 1906 को हुआ था।

इसके साथ ही बैंक द्वारा दिये जाने वाले लोन सम्बंधित योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस दौरान अमर शोनी, उत्कर्ष श्रीवास्तव, सुजीत मिश्रा, रवि गुप्ता, आकृति राय, रितेश कुमार, अपूर्वा राय, गुलाब रावत, पूर्व अध्यापक देवनाथ यादव,अवकाश प्राप्त शिक्षक अवधेश राय, हरेराम राय, अनिल कुमार राय,राजेश कुशवाहा, यशवंत सिंह ,राम चन्द्र सिंह,बंटी सिंह समेत ढेर सारे लोग मौजूद रहे।

विद्युत उपकेंद्र का कंप्यूटर खराब

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। सेवापुरी विकास खंड के 33/11 केवी बरनी बिजली उपकेंद्र पर बिल जमा करने के लिए इस्तेमाल होने वाला कंप्यूटर पिछले कुछ दिनों से काम नहीं कर रहा है। इससे बिजली बिल जमा कराने पहुंच रहे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं के मुताबिक, समस्या की जानकारी विभागीय अधिकारियों को दी गई है।बरनी उपकेंद्र से रामेश्वर, बरनी, बरेमा,खेवली परसीपुर और कुड़ी समेत दर्जनों गांवों की बिजली आपूर्ति जुड़ी है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में उपभोक्ता बिल जमा कराने पहुंचते हैं। कंप्यूटर में तकनीकी समस्या के चलते उन्हें बिल जमा कराने के लिए सेवापुरी या राजातालाब उपकेंद्र जाना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिल जमा कराने के लिए उन्हें करीब 8 से 10 किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। समय पर बिल जमा नहीं होने की स्थिति में सरचार्ज लगने की भी चिंता बनी रहती है। लोगों ने स्थानीय स्तर पर बिल जमा करने की व्यवस्था जल्द बहाल करने की मांग की है।

उपखंड अधिकारी सेवापुरी संजय कटारिया ने बताया कि उन्हें कंप्यूटर में तकनीकी समस्या की जानकारी मिली है।जल्द ही समस्या को दूर कर लिया जाएगा। साथ ही उहोंने अवर अभियंता से इस संबंध में बात की है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की परेशानी को देखते हुए कंप्यूटर को जल्द ठीक कराने के निर्देश दिए गए हैं और व्यवस्था जल्द सामान्य होने की उम्मीद है।

कम लागत में सब्जी की खेती किसानों की आय बढ़ाने का बेहतर माध्यम बन सकती है-अतुल राय

किसानों को निःशुल्क सब्जी के पौधों का वितरण

बिकास राय ब्यूरो चीफ
गाजीपुर समाज जागरण

किसानों को निःशुल्क सब्जी के पौधों का वितरण सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने की पहल, किसानों को आधुनिक व जैविक खेती की जानकारी, क्षेत्र में सब्जियों की खेती को बढ़ावा देने तथा छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को जय मां कष्टहरणी प्रोड्युसर, करीमुद्दीनपुर के द्वारा निःशुल्क सब्जी नर्सरी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छोटे किसानों को अच्छी प्रजातियों की हरी मिर्च, गोभी, टमाटर सहित विभिन्न सब्जियों के पौधे निःशुल्क वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद अतुल राय रहे।

पूर्व सांसद अतुल राय ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कम लागत में सब्जी की खेती किसानों की आय बढ़ाने का बेहतर माध्यम बन सकती है। किसानों को परंपरागत खेती के साथ सब्जी उत्पादन को भी बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने किसानों से खेती में नई तकनीकों को अपनाने तथा उत्पादन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के आयोजक एवं पॉलीहाउस संचालक पंकज राय, करीमुद्दीनपुर ने बताया कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले पौधे उपलब्ध कराने के साथ ही उन्नत सब्जी उत्पादन, पौधों की देखभाल, जैविक खाद, सिंचाई प्रबंधन तथा बेहतर उत्पादन के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के अधिक से अधिक छोटे किसानों को सब्जी की खेती से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

लोवाडीह निवासी किसान अवनीश राय ने जैविक सब्जी उत्पादन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर जैविक तरीके से सब्जियों का उत्पादन किया जा सकता है। जैविक खाद और उचित देखभाल से तैयार सब्जियों की मांग भी बढ़ रही है। उन्होंने किसानों से मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जैविक खेती को अपनाने की अपील की।

इस दौरान किसानों ने पूर्व सांसद अतुल राय के समक्ष मंगई नदी में असमय पानी आने की समस्या भी रखी। किसानों ने बताया कि नदी में समय से पहले पानी आने के कारण आसपास के खेत प्रभावित होते हैं और फसलों को नुकसान की आशंका बनी रहती है। किसानों ने नदी की समस्या के स्थायी समाधान तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था की मांग की। इस पर उन्होंने उपस्थित किसानों को भरोसा दिया कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए बातचीत चल रही है और बहुत जल्द इसके परिणाम दिखाई देंगे।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को हरी मिर्च, गोभी, टमाटर सहित अन्य सब्जियों की नर्सरी के पौधे वितरित किए गए। किसानों ने निःशुल्क पौधा वितरण की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे सब्जी उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ उनकी अतिरिक्त आय का रास्ता भी मजबूत होगा।

इस मौके पर गोपाल राय प्रतिनिधि पूर्व सांसद, सन्तोष सिंह,रामजीवन पाण्डेय,बिजय बहादुर राय ,प्रताप नारायण मिश्रा, रमाकांत राय, बृहद राय, उमाशंकर राय, रविन्द्र नाथ राय,नित्यांश राय, विनीत राय,देवेन्द्र राय,राम चन्द्र सिंह,अवनीश राय, आशुतोष राय पत्रकार,राधा मोहन यादव सहित क्षेत्र के ढेर सारे किसान मौजूद रहे।

रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद का क्षेत्रीय चुनाव सम्पन्न

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। जिले के उत्तर प्रदेश परिवहन निगम से मान्यता प्राप्त रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद की क्षेत्रीय प्रबन्ध समिति का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से पूरा हुआ। यह चुनाव 07 सितंबर 2026 को क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी बस स्टेशन पर हुआ।

चुनाव प्रक्रिया प्रांतीय उपाध्यक्ष महेश राय और आजमगढ़ क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह की देखरेख में हुई। इस चुनाव में सभी पदाधिकारियों को निर्विरोध चुना गया। नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसमें इन्द्रेश मिश्रा को क्षेत्रीय अध्यक्ष, अमरनाथ तिवारी को क्षेत्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुदर्शन गुप्ता को क्षेत्रीय मंत्री और विवेकानंद सिन्हा को प्रांतीय सदस्य चुना गया है।

इस चुनाव में क्षेत्र की अलग-अलग शाखाओं से आए शाखा अध्यक्ष, शाखा मंत्री और क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जौनपुर, गाजीपुर, सोनभद्र, विंध्याचल (विंध्यनगर), चंदौली और वाराणसी से बड़ी संख्या में कर्मचारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे।

चुनावी बैठक के दौरान मनोज यादव, अरविंद सिंह, सेवालाल, रविंद्र मुन्ना प्रसाद, राजेश, प्रभाकर मिश्रा, विनोद सिंह, दीनानाथ, सुधीर जायसवाल, पप्पू प्रसाद, हरेंद्र बहादुर, ब्रह्मानंद तिवारी, विजय त्रिपाठी समेत कई खास लोग और कर्मचारी उपस्थित थे।

निजी अस्पताल में मरीज की मौत पर हंगामा

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। आशापुर स्थित दीघार्यु अस्पताल में पथरी के इलाज के लिए भर्ती मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में हंगामा करते हुए चिकित्सक पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाने के साथ मामले की जांच शुरू कर दी।

जौनपुर के शाहगंज निवासी अंशु सिंह को पथरी के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान चिकित्सक एसके जायसवाल ने मरीज को ऐसी दवा दी, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, घटना के बाद चिकित्सक अस्पताल के पीछे के रास्ते से निकल गए।परिजनों का यह भी आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने उन्हें मरीज से मिलने नहीं दिया और काफी देर तक मौत की जानकारी नहीं दी। मृतक के भाई सत्यम सिंह को संदेह होने पर वह आईसीयू में पहुंचे, जहां मरीज मृत अवस्था में मिली।

मौत की जानकारी होते ही परिजन अस्पताल के बाहर विरोध करने लगे। उन्होंने चिकित्सक को मौके पर बुलाने और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। परिजनों का कहना है कि कार्रवाई होने तक वे शव अस्पताल से नहीं ले जाएंगे। पुलिस ने परिजनों से बातचीत कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जनगणना द्वितीय चरण हेतु फील्ड ट्रेनरों की बैठक आयोजित, जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक निर्देश

समाज जागरण

मीरजापुर /जनगणना द्वितीय चरण कार्य हेतु फील्ड ट्रेनर कार्य हेतु जनपद की समस्त तहसील एवं नगर पालिका/नगर पंचायत से चयनित कार्मिकों की एक बैठक जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में जी0डी0 बिन्नानी कालेज में आयोजित हुई। उपरोक्त बैठक में जनपद की समस्त तहसीलों के उप जिलाधिकारी, प्रभारी अधिकारी जनगणना, तहसीलदार तथा अधिशासी अधिकारीगण ने भी प्रतिभाग किया। बैठक को जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 ने सम्बोधित किया।जिलाधिकारी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनगणना अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य है तथा इसको हम सभी को बड़ी सावधानी से ससमय पूरा करना है तथा किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करनी है। उपस्थित कार्मिकों से प्रथम चरण के मानदेय की प्राप्ति के सम्बन्ध में पूछा गया तो सभी ने अवगत कराया कि मिल गया है तथा अवगत कराया गया कि द्वितीय चरण का मानदेय भी ससमय मिल जायेगा। जिलाधिकारी महोदय ने अवगत कराया कि जनगणना के दौरान एकत्रित की गयी सूचनायें मात्र शासन की नीतियों के निर्माण से सम्बन्धित होती हैं, इससे किसी भी व्यक्ति को व्यक्तिगत लाभ या हानि नहीं होता है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा स्वगणना कार्य को ज्यादा से ज्यादा करने के लिए आम जनमानस को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया, जिससे कि जनगणना कार्य के दौरान कम से कम समय लगे।अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि समस्त कर्मचारी पूरे मनोयोग से जनगणना के कार्य को सम्पादित करें तथा यदि किसी प्रकार की कोई समस्या हो, तो अवगत करायें जिससे कि उसका निराकरण किया जा सके।

नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष सेवा, संकल्प एवं समर्पण पर जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

पीएम मोदी का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण : विनोद गौंटिया

समाज जागरण

उमरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा सेवा, संकल्प एवं समर्पण के 25 वर्ष अभियान के तहत स्थानीय भाजपा कार्यालय भरौली में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में अभियान के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में मध्यप्रदेश मेला विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं अभियान के प्रदेश सह संयोजक विनोद गौंटिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने की। इस अवसर पर मानपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री सुश्री मीना सिंह, वरिष्ठ नेता मिथलेश पयासी, भाजपा नेत्री सुश्री ज्ञानवती सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुजा पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा, अरविंद बंसल, दिलीप पांडेय, जिला महामंत्री हरीश विश्वकर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मंचासीन रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष

आशुतोष अग्रवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 9 सितंबर को मंडल स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित होंगी तथा योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंचकर उनके अनुभवों और जीवन में आए बदलाव की कहानियों को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा किया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं से अभियान को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ धरातल पर उतारने का आह्वान किया। वरिष्ठ नेता मिथलेश पयासी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में लंबे समय तक जनसेवा की है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की जिम्मेदारी है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की वास्तविक जान कारी आमजन तक पहुंचाएं तथा दुष्प्रचार का प्रभावी ढंग से जवाब दें। मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश मेला विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष और कार्यक्रम के प्रदेश सह संयोजक विनोद गौंटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गरीब, दलित, आदिवासी और समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन स्तर में व्यापक परिवर्तन आया है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने में संगठन और कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के निर्धारित बिंदुओं के अनुरूप कार्यकताओं को बूथ से लेकर मंडल एवं जिला स्तर तक सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करना होगा, ताकि जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सुशासन का संदेश जन-जन तक पहुंच सके। जिला संगठन प्रभारी राजेन्द्र पाण्डेय ने भी कार्यकताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं अभियान की जानकारी जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक दीपक छतवानी ने एलईडी के माध्यम से दी, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन जिला उपाध्यक्ष सुमित गौतम ने किया। आभार प्रदर्शन अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप प्रजापति ने किया। जिला संगठन प्रभारी राजेन्द्र पाण्डेय ने भी संबोधित किया, आभार प्रदर्शन एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप प्रजापति ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी, धनुषधारी सिंह, अमित सिंह, जनपद अध्यक्ष ममता सिंह, जिला पदाधिकारी सावित्री सिंह, प्रेमलता बर्मन, लवली यादव, पूजा बैगा, शैलेंद्र सिंह, पंकज तिवारी नीरज चंदानी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नम्रता यादव किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राकेश द्विवेदी, वरिष्ठ नेता विष्णु भारती, प्रकाश पालीवाल, विश्वजीत पांडे अतुल जैन अर्जुन सिंह सैयाम, मोदी लाल चौधरी, मंडल अध्यक्ष नीतू सिंह शैलेंद्र कुमार द्विवेदी पुष्पेंद्र सिंह रघुवंशी पुष्पेंद्र सोनी, विनोद सिंह, शिवकुमार साहू, राधा तिवारी, राममोल केवट, हरिहर प्रसाद चतुर्वेदी, अशोक नायक, सचिन सिंह, सौखी लाल, राकेश यादव सहित समस्त जिला पदाधिकारी मंडलों के महामंत्री और समस्त अपेक्षित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमलाई में भजन संध्या का आयोजन 9 सितंबर को

समाज जागरण

अमलाई। श्री कृष्ण जन्म उत्सव के छठें पर्व के अवसर पर अमलाई बस स्टैंड से चचाई रोड शंकर मंदिर में भव्य भजन संध्या आयोजन 9 सितंबर को 7:00 बजे कृष्णा समिति द्वारा किया गया है,जिसमें शहडोल जिले केश्याम भजन प्रवाहक गोलू सांवरिया, विजय भूमिया एवं उनकी टीम द्वारा कार्यक्रम होना तय हुआ है।साथ ही छप्पन भोग, पुष्प वर्षा एवं फूलों की होली का भी आयोजन किया गया है। समिति के अध्यक्ष सुमित केसरवानी ने समस्त लोगों से आवाहन किया है कि इस कार्यक्रम में अपनी सह भागिता प्रदान करें

एक घंटे में मंडल निपटाकर लौटे एमडी, औपचारिकता तक सिमटा दौरा

बांधवगढ़ के सैर-सपाटे की रही योजना

समाज जागरण

उमरिया --- भ्रष्टाचार की दलदल में धंसा वन विकास निगम आज फर्जी पौधरोपण, सागौन-सरई की अवैध कटाई, जंगलों से पत्थरों की बेजा खुदाई और खाद घोटाले का पर्याय बन चुका है। आरोप है कि इस लूट की जड़ें प्रदेश से संभाग तक बैठे आला अधिकारियों तक फैली हैं, जो जिले के अधिकारियों से वसूली कर उन्हें खुली छूट दे रहे हैं, और इसी का नतीजा है कि एमडी मनोज अग्रवाल का बहुचर्चित उमरिया दौरा एक घंटे की खानापूर्ति बनकर रह गया। बताया जाता है कि ताला-बांधवगढ़ में आवभगत के बाद एमडी साहब उमरिया पहुंचे, नौरोजाबाद और हरवाह का एक घंटे में चक्कर लगाया और सब कुछ ठीक है का सर्टिफिकेट देकर रवाना हो गए। न कोई समीक्षा, न कोई फाइल पलटी, न कोई जमीनी पड़ताल। सवाल लाजिमी है कि जब पूरे मंडल में अवैध आरा मशीनों, फर्नीचर कारखानों और चोरी की लकड़ी से पटिया सप्लाई के आरोप लग रहे हैं, तब एमडी को आल इज वेल कैसे दिख गया? इस चुप्पी के पीछे सबसे बड़ा खेल कोल इंडिया

के वृक्षारोपण की फाइल बताई जा रही है। महारत्न कंपनी कोल इंडिया की आनुषंगिक कंपनी एसईसीएल में वृक्षारोपण का जिम्मा वन विकास निगम के पास है। हर साल करोड़ों के अनुबंध, कागजों पर लाखों पौधे, सुरक्षा-खाद-सिंचाई के नाम पर भुगतान, लेकिन हकीकत में मैदान खाली। आज तक कभी समीक्षा ही नहीं हुई कि अनुबंध में कितने पौधे लगाने थे और आज कितने जिंदा हैं। सूत्रों का कहना है कि खदानों के आसपास हरियाली के नाम पर आया पैसा फाइलों में ही पौधा बनकर लहलहा रहा है। आरोप तो यहां तक है कि रेंजर-डिप्टी रेंजर को पोस्टिंग बचाने के लिए ऊपर का चढ़ावा देना पड़ता है, इसलिए अवैध कटाई और पत्थर खुदाई को रोकने के बजाय प्रश्रय देना उनकी मजबूरी बन गई है। कागजों पर पौधों को जिंदा दिखाने के लिए खरीदी गई एक ट्रक खाद का आज तक अता-पता नहीं है। एक समय सरई-सागौन से भरे निगम के जंगल आज ठूंठों में बदल गए हैं, जब शोर ज्यादा होता है तो एक-दो टहनियों की जब्ती दिखाकर कार्रवाई की औपचारिकता पूरी कर दी जाती है। और सबसे अहम चर्चा यह भी रही कि अधिकांश वरिष्ठ अधिकारी उमरिया जिले के दौरे के बहाने शासकीय व्यय पर बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान का लुत्फ उठाने की रणनीति बनाकर सरकारी दौरे बनाते हैं और मुफ्त की जंगल सफारी, रिसॉर्ट में आवभगत कर फिर एक घंटे में मंडल निपटाकर वापसी कर जाते हैं, वर्तमान में यही नया प्रोटोकॉल बन गया है। यदि यही रफ्तार रही तो वह दिन दूर नहीं जब वन विकास निगम के जंगल सिर्फ फाइलों में और एसईसीएल का वृक्षारोपण सिर्फ कागजों पर हरा-भरा नजर आएगा।

अतिक्रमण हटाने निकली पालिका-पुलिस की टीम, कार्रवाई पर उठे पक्षपात के सवाल

कहीं चार साइकिल और साइन बोर्ड जब्त, तो कहीं सड़क-नाली पर रखा सामान रहा जस का तस; व्यापारियों ने पूछा – सबके लिए एक जैसा नियम क्यों नहीं?

समाज जागरण

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। नगर में याता यात व्यवस्था को व्यवस्थित करने और सड़क व नालियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद गौरेला एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने सोमवार को नगर के विभिन्न बाजार क्षेत्रों में कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान नालियों के ऊपर और सड़कों पर सामान रखने वाले कुछ व्यापारियों का सामान जब्त किया गया, वहीं दुकानों के सामने लगाए गए तिरपाल भी हटाए गए। नगर पालिका और पुलिस प्रशासन की इस पहल को यातायात व्यवस्था सुधारने की दिशा में सकारात्मक कदम माना जा सकता है। लेकिन कार्रवाई के तरीके को लेकर अब सवाल भी खड़े होने लगे हैं। व्यापारियों का आरोप है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में समानता का पालन नहीं किया गया और चुनिंदा दुकानदारों पर ही कार्रवाई की गई। चार साइकिल और साइन बोर्ड जब्ती तक सीमित रही कार्रवाई? व्यापारियों के अनुसार कार्रवाई के दौरान एक

दुकानदार की चार साइकिल तथा कुछ दुकानदारों के साइन बोर्ड जब्त किए गए। वहीं दूसरी ओर मंगली बाजार क्षेत्र में नाली के ऊपर और सड़क पर सामान रखकर कारोबार करने वाले कई दुकानदारों के खिलाफ ऐसी प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दी। यही अंतर अब पूरी कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा कर रहा है। व्यापारियों का कहना है कि यदि उद्देश्य वास्तव में सड़क और नाली को अतिक्रमण मुक्त करना है तो कार्रवाई सभी अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध एक समान होनी चाहिए।

कार्रवाई पर सवाल–नियम सबके लिए बराबर या चुनिंदा दुकानदारों के लिए? व्यापारियों के बीच यह चर्चा भी रही कि यदि किसी दुकान के सामने सड़क अथवा नाली पर सामान रखना अतिक्रमण की श्रेणी में आता है तो फिर सभी ऐसे दुकानदारों को समान रूप से चिन्हित कर कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

एक तरफ नगर पालिका यातायात व्यवस्था सुधारने की बात कर रही है, दूसरी तरफ यदि कुछ स्थानों पर अतिक्रमण हटाया जाए और कुछ स्थानों पर उसे नजरअंदाज किया जाए तो इससे व्यवस्था सुधारने के अभियान की गंभीरता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

सिर्फ खानापूर्ति से कैसे सुधरेगी यातायात व्यवस्था? नगर की सड़कों और बाजारों में अतिक्रमण के कारण यातायात प्रभावित होने की शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं। ऐसे में महज कुछ साइन बोर्ड या कुछ सामान जब्त कर कार्रवाई पूरी कर देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। व्यापारियों का कहना है कि यदि नगर पालिका वास्तव में यातायात व्यवस्था को मजबूत करना चाहती है तो उसे बिना किसी भेदभाव के अभियान चलाना होगा। सड़क, फुटपाथ और नालियों पर सामान रखने वाले प्रत्येक व्यापारी को समान नियमों के दायरे में लाना होगा।

पालिका की कार्रवाई पर व्यापारियों में असंतोष कार्रवाई के बाद व्यापारियों के एक वर्ग में असंतोष देखने को मिला। उनका कहना है कि किसी एक दुकान पर कार्रवाई और दूसरे स्थान पर समान स्थिति होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते हैं। व्यापारियों का कहना है कि कार्रवाई किसी व्यक्ति या दुकान को निशाना बनाने के बजाय अतिक्रमण की वास्तविक स्थिति के आधार पर होनी चाहिए। तभी अभियान को निष्पक्ष और प्रभावी माना जाएगा। अध्यक्ष और पालिका प्रशासन से जवाब की मांग अब सवाल यह है कि नगर पालिका परिषद गौरेला द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए क्या स्पष्ट और समान नीति बनाई गई है? यदि बनाई गई है तो उसका पालन सभी बाजार क्षेत्रों में एक समान क्यों नहीं दिखाई देता? क्या मंगली बाजार में सड़क और नाली पर सामान रखने वाले दुकानदारों को भी नोटिस या कार्रवाई के दायरे में लिया गया है? नगरवासियों और व्यापारियों का कहना है कि यातायात सुधार के नाम पर दिखावटी कार्रवाई से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। यदि अभियान चलाना है तो उसे पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और समानता के साथ चलाया जाना चाहिए।

अब देखने वाली बात यह होगी कि नगर पालिका परिषद और पुलिस प्रशासन आगे की कार्रवाई में सभी अतिक्रमणकारियों पर समान रूप से कार्रवाई करता है या फिर अभियान कुछ चुनिंदा दुकानों तक ही सीमित रह जाता है।

लकवाग्रस्त जग्गू कोल की मदद के लिए आगे आए पार्षद पवन कुमार चीनी

₹10 हजार की आर्थिक सहायता दी, इलाज और अस्पताल आने-जाने का खर्च उठाने का भी दिया भरोसा

समाज जागरण

अमलाई। नगर परिषद बरगवां-अमलाई के वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद पवन कुमार चीनी ने एक बार फिर मानवता और सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश करते हुए इंदिरा नगर निवासी लकवाग्रस्त जग्गू कोल के परिवार की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। उन्होंने पीड़ित परिवार को ₹10 हजार की नगद आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ ही इलाज के लिए अस्पताल आने-जाने में वाहन, तेल सहित आवश्यक खर्च में भी अपनी ओर से सहयोग करने का भरोसा दिलाया। बताया गया कि जग्गू कोल पिछले करीब छह माह से लकवा की बीमारी से पीड़ित हैं। परिवार के मुखिया और प्रमुख कमाने वाले सदस्य होने के कारण बीमारी के बाद उनके लिए काम करना संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और रोजमर्रा के खर्च के साथ इलाज का खर्च उठाना भी मुश्किल हो रहा है। जग्गू कोल की स्थिति की जानकारी मिलते ही पार्षद पवन कुमार चीनी तत्काल उनके घर पहुंचे और परिवार का हाल जाना। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए ₹10 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही उन्होंने कहा कि इलाज के दौरान परिवार को अस्पताल आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर वाहन

की व्यवस्था, डीजल-पेट्रोल का खर्च तथा उपचार से संबंधित आवश्यक सहयोग भी वे अपनी ओर से करेंगे। जिला और प्रदेश की सीमाओं से परे मानवता पार्षद पवन कुमार चीनी का कहना है कि जग्गू कोल शहडोल जिले के निवासी हैं, लेकिन जरूरतमंद की मदद करते समय उनके लिए न जिला मायने रखता है और न ही प्रदेश। उनके लिए सबसे ऊपर मानवता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति की परेशानी देखकर मदद के लिए आगे आना ही सबसे बड़ा धर्म है। इंसानियत किसी जिले, वार्ड या प्रदेश की सीमा नहीं देखती। जहां भी किसी को हमारी जरूरत होगी, हम अपनी सामर्थ्य के अनुसार मदद के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। पार्षद चीनी ने कहा कि जनप्रतिनिधि होना केवल अपने वार्ड की समस्याओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों के सुख-दुख में साथ खड़ा होना भी सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जग्गू कोल के इलाज में परिवार को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए वे आगे भी हरसंभव सहयोग करते रहेंगे। इससे पहले भी जरूरतमंद परिवार की कर चुके हैं मदद पार्षद पवन कुमार चीनी द्वारा जरूरतमंद परिवार की मदद का यह पहला मामला नहीं है। इससे पूर्व इंदिरा नगर निवासी जयमानती का बारिश के दौरान मकान गिर गया था। उस समय भी पार्षद चीनी ने पीड़ित परिवार की स्थिति को देखते हुए व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक सहयोग किया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि वार्ड ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति की परेशानी सामने आने पर पवन कुमार चीनी द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर मदद के लिए आगे आना सराहनीय है। उनके इस प्रयास से आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवारों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ मानसिक संबल भी मिलता है। मानवता को सर्वोपरि मानकर जरूरतमंदों के साथ खड़े होने की उनकी यह पहल क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदारी और जनसेवा की एक सकारात्मक मिसाल के रूप में देखी जा रही है।

घुनघुटी पंचायत में आंगनबाड़ी में बिजली फिटिंग के सहारे लाखों की लूट

जला सॉकेट, कबाड़ पंखा और एक ट्यूबलाइट, बच्चों की जान से खिलवाड़

समाज जागरण

बिरसिंहपुर पाली --- जिले की ग्राम पंचायत घुनघुटी, स्थानीय शासन निर्देशिका कोड 153877 में भ्रष्टाचार ने शर्म की सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। मेरी पंचायत एप पर दर्ज सरकारी रिकॉर्ड खुद चीख-चीख कर बता रहा है कि कैसे सचिव विजय सिंह और सरपंच सिरतिया बाई ने एक आंगनबाड़ी की चार बाहरी फोटो के सहारे पंद्रहवें वित्त आयोग की 4.86 लाख रुपये की राशि को छह बार में निकालकर हड़प लिया और मौके पर लगा दिया जला हुआ बोर्ड और कबाड़ पंखा। यह पूरा खेल बहुत ही शातिर तरीके से रचा गया। सबसे पहले 18 और 19 जनवरी 2026 को मेरी पंचायत एप के भौतिक प्रगति अनुभाग में आंगनबाड़ी केंद्र घुनघुटी क्रमांक 1 की एक ही पीली बिल्डिंग की चार फोटो अपलोड की जाती हैं। पहली 18 जनवरी शाम 5:59 बजे, दूसरी उसी दिन शाम 7 बजे, तीसरी 19 जनवरी सुबह 8:49 बजे और चौथी 19 जनवरी शाम 6:52 बजे। सभी पर अक्षांश-देशांतर 23.3493, 81.1876 दर्ज है। चारों फोटो में वही मिकी माउस की पेंटिंग वाली बाहरी दीवार दिखती है, अंदर की बिजली फिटिंग का एक भी फोटो नहीं लिया गया, न बोर्ड का, न पंखे का, न वायरिंग का, न ट्यूबलाइट का, जो यह साबित करता है कि फोटो सिर्फ खानापूर्ति के लिए डाली गई थीं। और फिर इस खानापूर्ति के ठीक दो दिन बाद 21 जनवरी 2026 को एक ही दिन में एक ही कार्य बिजली फिटिंग कार्य के नाम पर छह अलग-अलग भुगतान आदेश तैयार कर दिए जाते हैं। जिनके क्रमांक हैं पंद्रहवां वित्त आयोग/2025-26/भु.आ./8, 9, 10, 11, 12 और 13। हर भुगतान आदेश में एक ही राशि 81 हजार रुपये, एक ही उद्देश्य बिजली फिटिंग कार्य, एक ही विक्रेता रामकरण लोधी, खाता **2363, और हर भुगतान आदेश पर सचिव विजय सिंह और सरपंच सिरतिया बाई के डिजिटल हस्ताक्षर से सफल भुगतान का ठप्पा। कुल मिलाकर एक आंगनबाड़ी में बिजली फिटिंग के नाम पर 4 लाख 86 हजार रुपये की निकासी, जो किसी भी आंगनबाड़ी की पूरी बिल्डिंग बनाने की लागत के बराबर है। जब इस कागजी फिटिंग की जमीनी हकीकत देखने के लिए तीन तस्वीरें सामने आईं तो रोंगटे खड़े हो गए। पहली तस्वीर में दीवार पर लगा छह स्विच वाला बोर्ड दिखता है जिसका एक सॉकेट बुरी तरह जला हुआ, काला पड़ा हुआ, प्लास्टिक पिघला हुआ, जो कभी भी शॉर्ट सर्किट और आग का कारण बन सकता है। दूसरी तस्वीर में छत पर टंगा वही पुराना पंखा दिखता है जो जंग लगा हुआ, धूल से भरा हुआ, ब्लेड टेढ़े हुए और उसकी तार खुली लटकी हुई, ऐसा पंखा जो कबाड़ी की दुकान पर भी न मिले। तीसरी तस्वीर में पूरी आंगनबाड़ी की हकीकत, छत पर वही पुराना पंखा, दीवार पर एक ट्यूबलाइट, एक बोर्ड और सफेद केसिंग पाइप, बस यही है 4.86 लाख की बिजली फिटिंग। बाजार में इस पूरे सामान की कीमत नया लेने पर भी 3 से 4 हजार रुपये से ज्यादा नहीं। फिर सवाल उठता है कि 4 लाख 82 हजार रुपये कहां गए, किसकी जेब में गए। घुनघुटी का यह कारनामा सिर्फ वित्तीय अनियमितता नहीं, यह पंद्रहवें वित्त आयोग के दिशा-निर्देशों का खुला उल्लंघन, शासकीय दस्तावेजों में कूटरचना, डिजिटल हस्ताक्षर का दुरुपयोग और सबसे बड़ी बात छोटे-छोटे बच्चों की जान से खिलवाड़ है। आंगनबाड़ी में 3 से 6 साल के मासूम बच्चे पढ़ते हैं, जला हुआ सॉकेट और खुली तार कभी भी बड़ा हादसा करा सकते हैं। इस पूरे मामले में कई गंभीर सवाल खड़े होते हैं। बिना कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र और बिना अंदरूनी फोटो के छह बार भुगतान कैसे हो गया, एक ही कार्य के लिए छह भुगतान आदेश कैसे स्वीकृत हुए, ग्राम सभा और सामाजिक अंकेक्षण कहां गया, और इतनी बड़ी राशि के बाद भी घटिया और जला हुआ सामान क्यों लगाया गया। यह सब सचिव, सरपंच, विक्रेता और उच्च अधिकारियों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं।

ध्यान देने योग्य है कि जिला पंचायत उमरिया द्वारा इस सचिव को, जो पूर्व में निलंबित था, बिना नोटिस के जवाब के आनन-फानन में बहाल कर घुनघुटी की तिजोरी की चाबी सौंपी गई थी, तभी से जिला पंचायत पर भ्रष्टाचार के तीखे आरोप लग रहे थे, जो वर्तमान में सचिव द्वारा भ्रष्टाचार का नंगा नाच करते हुए उन आरोपों की पुष्टि कर रहे हैं। साफ है

कि ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचारियों के तार सीधे जिला पंचायत से जुड़े हुए हैं। अब पूरे क्षेत्र के ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों ने कलेक्टर उमरिया और लोकायुक्त से मांग की है कि इस जले हुए बोर्ड और पुराने पंखे को तुरंत जब्त कर भौतिक सत्यापन कराया जाए, मेरी पंचायत एप पर अपलोड की गई चारों फोटो और छह भुगतान आदेशों की फोरेंसिक और तकनीकी जांच कराई जाए, 4.86 लाख रुपये की वसूली कर संबंधितों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना, शासकीय राशि के गबन और बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी पंचायत प्रतिनिधि पंद्रहवें वित्त के पैसे को इस तरह लूटने की हिम्मत न कर सके।

बांधवगढ़ में रक्षक ही परेशान, फिर आंदोलन की तैयारी

दैनिक वेतनभोगियों का आरोप—पीएफ, वेतन-भत्ते और सुरक्षा के सवाल वर्षों से लंबित; एक सप्ताह में धरने की तारीख घोषित करने की चेतावनी

समाज जागरण

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा में तैनात दैनिक वेतनभोगियों का आक्रोश एक बार फिर सामने आया है। कर्मचारियों का आरोप है कि वर्षों से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। समय पर वेतन, शासन से मिलने वाले भत्ते और ड्यूटी के दौरान सुरक्षा को लेकर कर्मचारी परेशान हैं। 2017 के आदेश के बाद भी पीएफ पर स्थिति साफ नहीं कर्मचारियों के अनुसार वर्ष 2017 में पीएफ कटौती संबंधी आदेश जारी हुआ था, लेकिन आज तक यह स्पष्ट नहीं है कि पात्र कर्मचारियों के वेतन से कब से और कितनी पीएफ राशि काटी गई तथा वह राशि संबंधित पीएफ खातों में जमा हुई या नहीं। कर्मचारियों ने मांग की है कि विभाग प्रत्येक कर्मचारी की पीएफ कटौती और खाते में जमा राशि का स्पष्ट विवरण सार्वजनिक करे। जंगल में जोखिम, शिकायत पर कार्रवाई का आरोप दैनिक वेतन भोगियों का कहना है कि हाथी, बाघ और भालू जैसे वन्यजीवों के बीच ड्यूटी करनी पड़ती है, लेकिन पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि शिकार, अवैध कटाई या वनभूमि अतिक्रमण जैसी गतिविधियों की सूचना देने पर स्थानांतरण या नौकरी से हटाए जाने का दबाव बनाया जाता है। इन आरोपों पर विभाग का पक्ष सामने आना बाकी है। अब अनिश्चित कालीन धरने की चेतावनी कर्म चारियों ने कहा है कि लगातार उपेक्षा के चलते वे पुनः आंदोलन की राह पर जाने को मजबूर हैं। एक सप्ताह के भीतर अनिश्चितकालीन धरने की तारीख घोषित करने की चेतावनी दी गई है। कर्मचारियों का कहना है कि मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी। बांधवगढ़ के रक्षकों का सवाल सीधा है—जब वे जंगल की सुरक्षा में दिन-रात खड़े हैं, तो उनके भविष्य और सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा?

पंचकोश : समग्र व्यक्तित्व विकास की भारतीय दृष्टि पर राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

विज्ञानमय एवं मनोमय कोश पर हुआ गहन मंथन, भारतीय ज्ञान परंपरा से समग्र व्यक्तित्व निर्माण का संदेश

समाज जागरण

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्व विद्यालय, रीवा एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला पंचकोश : समग्र व्यक्तित्व

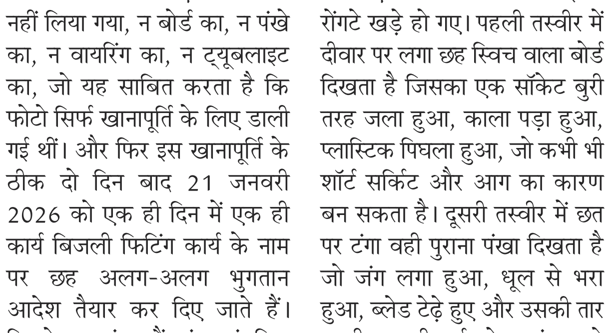

विकास की भारतीय दृष्टि का समापन हुआ। दूसरे दिन विज्ञानमय कोश एवं मनोमय कोश विषयों पर शिक्षाविदों, प्राध्यापकों, अतिथि विद्वानों एवं शोधार्थियों ने गहन मंथन किया। प्रथम सत्र में उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी प्रो. भरत व्यास ने कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए विवेक आवश्यक है। व्यक्ति के आचरण से उसके व्यक्तित्व की वास्तविक पहचान होती है। उन्होंने कहा कि अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञान मय और आनंदमय कोश के संतुलित विकास से समग्र व्यक्तित्व का निर्माण संभव है। द्वितीय सत्र में कुलगुरु प्रो. राजेंद्र कुमार कुडरिया ने मनोमय कोश पर विचार रखते हुए कहा कि जैसा हमारा व्यक्तित्व होगा, वैसा ही हम दुनिया का नक्शा बनाएंगे। उन्होंने मन को नियंत्रित एवं संतुलित रखने तथा शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव पर जोर दिया। समापन समारोह में डॉ. नीलेश पाण्डेय ने विश्वविद्यालय के नवाचारों की सराहना की। कुलगुरु ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है। उन्होंने पांच गांवों को गोद लेकर जल संरक्षण कार्य करने की घोषणा की। कार्यक्रम में शिक्षाविद, प्राध्यापक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा का सेवा संकल्प अभियान प्रशिक्षण एवं जिला कार्यसमिति की बैठक संपन्न

समाज जागरण

शहडोल। भारतीय जनता पार्टी जिला शहडोल की ओर से सोमवार को कमला नगर स्थित अटल निलय जिला भाजपा कार्यालय में सेवा संकल्प अभियान प्रशिक्षण कार्यशाला एवं जिला कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने की। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, जबलपुर विधायक व जिला संगठन प्रभारी अभिलाष पांडे, विधायक जयसिंह मरावी, विधायक शरद कोल सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने बताया कि बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रस्तावित सेवा संकल्प

अभियान की कार्ययोजना पर प्रशिक्षण दिया गया। अभियान के तहत सेवा, जनसंपर्क और जनकल्याणकारी गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम के गायन से हुआ। दिवंगत भाजपा कार्यकताओं को श्रद्धांजलि भी दी गई।

जिलाध्यक्ष अमिता चपरा ने मंडल स्तर पर कार्ययोजना बनाकर लाभार्थियों से निरंतर संपर्क और युवाओं से संवाद बढ़ाने का आह्वान किया। मनीषा सिंह ने सामाजिक समरसता तथा अभिलाष पांडे ने विकसित भारत-2047 एवं अभियान की रूपरेखा पर विचार रखे।

बैठक में जिला, मंडल एवं मोर्चा पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

असाटी महिला समिति ने हर्षोल्लास से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह।असाटी महिला समिति द्वारा 6 सितंबर 2026, रविवार को संस्कार भवन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति व हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी, संरक्षक मंडल, मार्गदर्शक मंडल, महासभा के पदाधिकारी व समाज की बहनों और बेटियों की गरिमामय उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ झूले पर विराजमान श्रीकृष्ण भगवान के समक्ष विधिवत पूजा-अर्चना व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया तथा उपस्थित सभी बहनों ने श्रद्धा भाव से श्रीकृष्ण आरती कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।कार्यक्रम की शुरूआत कृष्ण भजन से हुई, जिसकी सुंदर प्रस्तुति असाटी महिला समिति की मार्गदर्शिका सुनीता भाभी व उनकी बेटी द्वारा दी गई।

सांस्कृतिक श्रृंखला में आरती असाटी, शैलजा असाटी, श्रद्धा असाटी, पिंकी असाटी, सोनिया असाटी, उषा असाटी, आशी असाटी, प्रियंका असाटी द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसने सभी का मन मोह लिया।वहीं समाज की प्रतिभाशाली बेटियां प्रतिज्ञा असाटी, अनन्या असाटी, रोनिका असाटी, राधिका असाटी ने भी गोपी व राधा स्वरूप धारण कर आकर्षक व मनभावन रासलीला की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।इसके पश्चात रोचक धार्मिक प्रश्नोत्तरी गेम खिलवाया गया। जिसमें समाज की बहनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया रोचक धार्मिक प्रश्नोत्तरी गेम की विजेता रश्मि असाटी, शांति असाटी, रुचि असाटी रही।सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसके पश्चात बाल स्वरूप कृष्ण जी द्वारा मटकी फोड़ने कीआकर्षक प्रस्तुति ने कार्यक्रम में उत्साह और आनंद का रंग भर दिया।कार्यक्रम के अंत में सभी बहनों प्रसाद वितरण के साथ इस कार्यक्रम का सफल समापन किया गया।

बहन को बचाने कुएं में कूदा भाई, दोनों की डूबने से मौत; शहडोल में उजड़ा परिवार

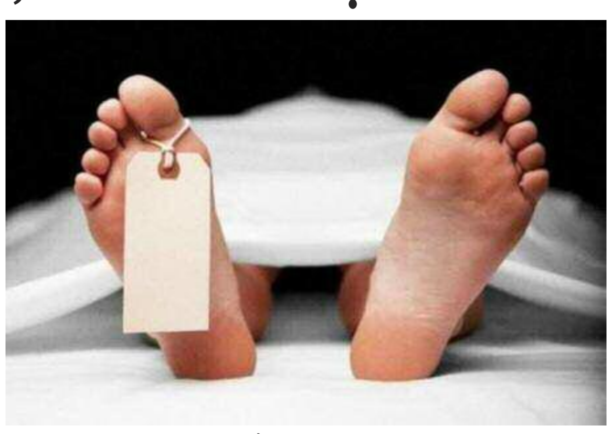

समाज जागरण

बहन को बचाने कुएं में कूदा भाई, नहीं बची दोनों की जान; शहडोल में उजड़ा परिवार शहडोल ब्यौहारी थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाले हादसे में कुएं में डूबने से सगे भाई-बहन की दर्दनाक मौत हो गई। घर के समीप स्थित कुएं पर नहाते समय पैर फिसलने से 13 वर्षीय किशोरी गहरे पानी में गिर गई। उसे डूबता देख 14 वर्षीय भाई ने जान की परवाह किए बिना कुएं में छलांग लगा दी, लेकिन गहरे पानी और दलदल के चलते दोनों की डूबने से जान चली गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। भमरहा-दो गांव में पसरा मातम, इकलौती संतानों के जाने से टूटा परिवार यह दर्दनाक हादसा ब्यौहारी थाना अंतर्गत ग्राम भमरहा-दो में घटित हुआ। मृतकों की पहचान अमित सिंह गोंड (14) और उसकी छोटी बहन शिवानी गोंड (13) के रूप में हुई है, जो उदयभान गोंड के बच्चे थे। ग्रामीणों के अनुसार दोनों ही अपने माता-पिता की इकलौती संतानें थीं। हादसे की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण व परिजन तुरंत कुएं की ओर दौड़े। भारी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। दोनों संतानों को एक साथ खो देने से माता-पिता की हालत बदहवास है। बहन को डूबता देख बचाने कूदा था भाई प्राथमिक जांच में सामने आया कि शिवानी घर के पास बने कुएं पर नहाने गई हुई थी। पानी खींचने के दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे गहरे कुएं में समा गई। मौके पर मौजूद भाई अमित ने अपनी बहन को छटपटाते देखा तो उसे बचाने के लिए तत्काल कुएं में कूद पड़ा। दोनों तैरने में असमर्थ रहे और पानी में समा गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हादसे की सूचना मिलते ही ब्यौहारी थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया और पोस्टमार्टम के लिए ब्यौहारी सिविल अस्पताल भिजवाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विधिक औपचारिकताएं और पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

स्वच्छ वायु दिवस पर सर्वश्रेष्ठ शहरों और वार्डों को पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शहरों और वार्डों को स्वच्छ वायु दिवस 2026 के अवसर पर 5वें स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार प्रदान किए गए; एनसीएपी के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन पद्धतियों का संकलन जारी किया गया वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए स्थानीय निकायों को सर्वांगीण और समग्र समाज के दृष्टिकोण को अपनाना चाहिएः अध्यक्ष (एनजीटी) वायु प्रदूषण से लड़ना एक सतत कार्यक्रम है, जिसके लिए मिशन मोड में नागरिक आंदोलन की आवश्यकता हैः सचिव (ईएफसीसी) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एम ओईएफसीसी) ने आज स्वच्छ वायु दिवस 2026 का आयोजन किया। आज ही स्वच्छ आकाश के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के रूप में की। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में सचिव (ईएफसीसी) श्री तन्मय कुमार; अध्यक्ष (सीएक्यूएम) श्री राजेश वर्मा; महानिदेशक (वन) और विशेष सचिव (ईएफसीसी) श्री सुशील कुमार अवस्थी; अध्यक्ष (सीपीसीबी) श्री अमनदीप गर्ग; और अवर सचिव (ईएफसीसी), श्री आशुतोष अग्निहोत्री शामिल थे। केंद्रीय मंत्रालयों और बहुपक्षीय संगठनों के अधिकारियों, पुरस्कार विजेता शहरों और वार्डों के महापौरों, जिला कलेक्टरों और नगर आयुक्तों के साथ-साथ एमओईएफसीसी, सीपीसीबी और सीएक्यूएम के अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह देश भर के शहरों/वार्डों द्वारा वायु की गुणवत्ता को निर्धारित मानकों के भीतर बनाए रखने के लिए किए गए प्रयासों को मान्यता देने का अवसर है। उन्होंने कहा, पुरस्कार विजेताओं ने यह सिद्ध किया है कि स्वच्छ वायु कोई आकांक्षा नहीं बल्कि एक व्यावहारिक लक्ष्य है जिसे उचित योजना और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन से हासिल किया जा सकता है।ह्न एनजीटी अध्यक्ष ने जोर देते हुए कहा कि स्वच्छ वायु एक मूलभूत आवश्यकता है, विलासिता नहीं। उन्होंने कहा, विकास और पर्यावरण संरक्षण परस्पर विरोधी नहीं हैं, बल्कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए साथ-साथ चल सकते हैं। यह प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि आने वाली पीढ़ियों को रहने के लिए स्वच्छ वातावरण मिल सके।

न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने वायु प्रदूषण को एक जटिल चुनौती बताया, क्योंकि प्रदूषण राजनीतिक सीमाओं को नहीं देखता और इसके कई स्रोत हैं। एनजीटी अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय दृष्टिकोण के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने वाली अग्रणी संस्थाएं शहरी/ग्रामीण स्थानीय निकाय हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों के माध्यम से सरकार वायु गुणवत्ता प्रबंधन के क्षेत्र में सभी हितधारकों के प्रयासों को मान्यता देती है, जो वायु गुणवत्ता को निर्धारित सीमा के भीतर बनाए रखने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने यह भी कहा, यह आवश्यक है कि स्थानीय निकाय नागरिकों को जागरूक करके प्रदूषण के स्रोत को ही रोकने का प्रयास करें; इस समस्या से निपटने के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाएं; और इस मुद्दे के समाधान के लिए एक समावेशी और समग्र सामाजिक दृष्टिकोण अपनाएं।

इस अवसर पर अपने संबोधन में, ईएफसीसी सचिव श्री तन्मय कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, भारत सरकार वायु प्रदूषण से निपटने के लिए बहुआयामी, समन्वित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपना रही है। वायु प्रदूषण से लड़ने में नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और सभी हितधारकों के क्षमता विकास सुनिश्चित करने के लिए इस अभियान में जन प्रतिनिधियों को शामिल किया जा रहा है। श्री कुमार ने एनसीएपी के बारे में बात की। एनसीएपी एक ऐसा ढांचा प्रदान करता है जिसके तहत शहरों को स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने के लिए अपनी रणनीतियां बनानी होती हैं, वहीं प्राण पोर्टल एनसीएपी के अंतर्गत आने वाले 130 शहरों के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन के विभिन्न मापदंडों पर नजर रखता है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण से निपटना एक सतत कार्यक्रम है, न कि एक बार का काम। आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण हासिल करने के लिए नागरिकों के नेतृत्व में एक मिशन की आवश्यकता है। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी और उन्हें वायु गुणवत्ता प्रबंधन को जन-भागीदारी आंदोलन बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार इस अवसर पर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शहरों और वार्डों को पुरस्कृत किया, जिन्हें 5वें स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के तहत रैंकिंग दी गई थी। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण का ढांचा 2022-23 में जारी किया गया था, जिसमें शहरों द्वारा सड़क की धूल, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन, अन्य उत्सर्जन (डीजी सेट और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान), और सूचना एवं संचार संचार (आईईसी) गतिविधियों पर उठाए गए उपायों का विवरण दिया गया था। ये पुरस्कार 3 समूहों (3 लाख से कम जनसंख्या; 3-10 लाख जनसंख्या; और 10 लाख से अधिक जनसंख्या) में सभी 130 शहरों की भागीदारी और रैंकिंग के आधार पर दिए गए थे।

अनूपपुर: बिजुरी पुलिस की कोयला माफिया पर सर्जिकल स्ट्राइक, 200 टन अवैध कोयले से लदे 5 भारी ट्रेलर जब्त

समाज जागरण

बिजुरी (अनूपपुर): पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के सख्त निर्देशों और अवैध उत्खनन/परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिजुरी पुलिस ने आधी रात को एक बड़ी और साहसिक कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर अवैध रूप से कोयला परिवहन कर रहे 5 विशाल ट्रेलरों को रंगे हाथों दबोचा, जिनमें कुल 200 टन कोयला लदा हुआ था।

आधी रात को 'ऑपरेशन खेडिया': गश्त के दौरान पुलिस का बड़ा एक्शन प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात्रि गश्त के दौरान बिजुरी पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी। सूचना की तत्काल तस्दीक करते हुए पुलिस टीम ने रात करीब 01:30 बजे खेडिया क्रेशर के पास नाकेबंदी की। इसी दौरान बेलियाछोट की ओर से आ रहे 05 संदिग्ध ट्रेलरों को रोककर जब दस्तावेजों की सघन जांच की गई, तो कोयला परिवहन के इस पूरे खेल की पोल खुल गई। रूट डायवर्जन और एक्सपायर्ड TP का बड़ा खेल जांच में सामने आया कि प्रत्येक वाहन में लगभग 40-40 टन कोयला लोड था। चालकों के पास मौजूद कागजातों में निर्धारित रूट डोला होकर बिजुरी साइडिंग जाने का था, लेकिन वे बिना किसी स्वीकृति के अनाधिकृत रूट (बेलियाछोट से बिजुरी) का इस्तेमाल कर रहे थे। इतना ही नहीं, पुलिस की जांच में 2 ट्रेलरों की परिवहन परमिट (TP) की समय-सीमा भी समाप्त पाई गई। जब्त वाहनों और आरोपी चालकों का पूरा ब्योराः ट्रेलर क्र. MP18ZC8029 – चालक शेख रमजान (43 वर्ष), निवासी कटनी (टीपी एक्सपायर्ड एवं अनाधिकृत रूट)। ट्रेलर क्र. CG04PC1952 – चालक अमर सिंह गोंड (30 वर्ष), निवासी कटनी (टीपी एक्सपायर्ड एवं अनाधिकृत रूट)। ट्रेलर क्र. CG10CA0657 – चालक राजेन्द्र रैदास (31 वर्ष), निवासी उमरिया (अनाधिकृत रूट)। ट्रेलर क्र. CG04RB 5214 – चालक प्रदीप कुमार सिंह (46 वर्ष), निवासी औरंगाबाद, बिहार (अनाधिकृत रूट)। ट्रेलर क्र. CG10BR 9633 – चालक हीरा सिंह (22 वर्ष), निवासी अनूपपुर (अनाधिकृत रूट)। कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा) भेजा जा रहा मामला रूट में हेराफेरी और समयावधि समाप्त टीपी पर परिवहन करना धारा 18(1)(5) म.प्र. खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण निवारण) अधिनियम का खुला उल्लंघन है। पुलिस ने पांचों वाहनों मय कोयला जप्त कर थाना परिसर में खड़ा करा दिया है। चालकों के खिलाफ इस्तगासा तैयार कर अग्रिम दंडात्मक कार्रवाई हेतु कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा) अनूपपुर को भेजा जा रहा है। पुलिस टीम की मुस्तैदी की सराहना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एवं एसडीओपी (कोतमा) आरती शाक्य के मार्गदर्शन में हुई इस बेहद प्रभावशाली कार्रवाई में बिजुरी थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सिंह, उप निरीक्षक विपुल शुक्ला, सहायक उप निरीक्षक प्रदीप अग्निहोत्री, आरक्षक रामनिवास गुर्जर एवं आरक्षक मनोज उपाध्याय की अहम व सराहनीय भूमिका रही। पुलिस की इस त्वरित व कड़े प्रहार से क्षेत्रीय कोयला माफियाओं और अवैध परिवहनकताओं में हड़कंप मच गया है।

लक्जमबर्ग के अर्थव्यवस्था, एसएमई, ऊर्जा एवं पर्यटन मंत्री श्री लेक्स डेल्स ने केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की; मुख्य रूप से अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग के ठोस क्षेत्रों की पहचान करने का प्रस्ताव दिया

समाज जागरण

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत-लक्जमबर्ग संबंध नये क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक अनुकूल आधार प्रदान करते हैं; वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अपने लक्जमबर्ग समकक्ष के साथ हुई वचुर्अल बैठक का भी उल्लेख किया भारत और लक्जमबर्ग ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकियों, जीवन विज्ञान और वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र में नए अवसरों की तलाश की डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत और लक्जमबर्ग के संस्थानों, अनुसंधान इकोसिस्टम और उद्योगों के बीच संरचित सहभागिता का आह्वान किया

मौजूदा अंतरिक्ष साझेदारी उभरती प्रौद्योगिकियों में व्यापक भारत-लक्जमबर्ग सहयोग के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है

वर्तमान में भारत की यात्रा कर रहे लक्जमबर्ग के अर्थव्यवस्था, एसएमई, ऊर्जा एवं पर्यटन मंत्री लेक्स डेल्स ने आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच मुख्य रूप से अंतरिक्ष क्षेत्र के साथ-साथ अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों और जीवन विज्ञान के क्षेत्रों में सहयोग के ठोस क्षेत्रों की पहचान करने का प्रस्ताव दिया।

प्रस्तावित तंत्र के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकियों, उन्नत पदार्थ और जीवन विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया जा सकता है। इससे जनवरी 2027 में प्रस्तावित लक्जमबर्ग की भारत की राजकीय यात्रा से पहले दोनों पक्षों की ओर से विशिष्ट प्रस्ताव तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

दोनों मंत्रियों के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत-लक्जमबर्ग सहयोग की वर्तमान स्थिति, इस क्षेत्र में भविष्य के विकास, संस्थागत एवं वाणिज्यिक सहयोग की संभावनाओं तथा प्रस्तावित राजकीय यात्रा की तैयारियों पर चर्चा हुई। लक्जमबर्ग के प्रतिनिधिमंडल में मंत्री महोदय की कैबिनेट, आर्थिक नीति, उद्योग, नई प्रौद्योगिकी और अनुसंधान से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी तथा लक्जमबर्ग अंतरिक्ष एजेंसी के प्रतिनिधि शामिल थे। भारतीय पक्ष की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, अंतरिक्ष विभाग और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत और लक्जमबर्ग के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और मजबूत आधार से सहयोग को नए और अधिक गहन क्षेत्रों तक ले जाने के लिए अनुकूल आधार मिलता है। उन्होंने वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और उनके लक्जमबर्ग समकक्ष के बीच हुई वर्चुअल बैठक का भी उल्लेख किया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच मौजूद महत्वपूर्ण समानताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पारस्परिक लाभ की उच्च संभावनाओं वाले उभरते क्षेत्रों में दोनों पक्षों की क्षमताओं को एक साथ लाया जा सकता है।

श्री सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष भारत-लक्जमबर्ग द्विपक्षीय साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है। दोनों देशों ने फरवरी 2022 में बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए अन्वेषण और उपयोग में सहयोग संबंधी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस साझेदारी ने एक वाणिज्यिक आयाम भी विकसित किया है, जिसमें संचार उपग्रह ट्रांसपोंडर को लीज पर देना तथा पीएसएलवी के माध्यम से वाणिज्यिक आधार पर लक्जमबर्ग के दो उपग्रहों का प्रक्षेपण शामिल है। आईएन-एसपीएसीई और लक्जमबर्ग अंतरिक्ष एजेंसी दोनों देशों के अंतरिक्ष इकोसिस्टम के बीच अधिक समन्वय को बढ़ावा देने के लिए भी लगातार सम्पर्क में हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत के व्यापक अंतरिक्ष रोडमैप की जानकारी साझा की। इसमें निकट भविष्य में नेविगेशन और संचार उपग्रहों के महत्व तथा 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने और वर्ष 2040 तक चंद्रमा पर मानव की लैंडिंग कराने की देश की दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी से अंतरराष्ट्रीय और वाणिज्यिक साझेदारियों की नई संभावनाएं भी सामने आ रही हैं।

दोनों पक्षों ने लक्जमबर्ग के अंतरिक्ष उद्योग की भारत के तेजी से विस्तार कर रहे निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम के साथ अधिक सहभागिता की संभावनाओं पर चर्चा की। भारतीय पक्ष की ओर से संभावित क्षेत्रों में पृथ्वी अवलोकन संबंधी इमेजरी, संचार ट्रांसपोंडर, वाणिज्यिक उपग्रह एवं उपग्रह उप-प्रणालियों का निर्माण, प्रक्षेपण यान सेवाएं, ग्राउंड स्टेशन और मिशन सहायता शामिल हैं। एसईएस सहित लक्जमबर्ग स्थित कंपनियां उपग्रह क्षमता, उपयोगकर्ता टर्मिनलों तथा उपग्रह और ग्राउंड सब-सिस्टम से संबंधित अवसरों के लिए पहले से ही भारतीय संस्थाओं और आईएन-एसपीएसीई के साथ जुड़ी हुई हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सहयोग के एक अन्य महत्वपूर्ण संभावित क्षेत्र के रूप में उभरकर सामने आए। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने, अतिरिक्त जीपीयू की खरीद तथा भारत की भाषाई विविधता के अनुरूप स्वदेशी बड़े भाषा मॉडल विकसित करने के लिए भारत के प्रयासों के बारे में बताया। लक्जमबर्ग पक्ष ने कृत्रिम बुद्धिमता पर केन्द्रित नई उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधा स्थापित करने की अपनी योजनाओं की जानकारी दी और निजी क्षेत्र के साथ अधिक सम्पर्क स्थापित करने में रुचि व्यक्त की। दोनों पक्षों ने इस क्षेत्र में भारत और लक्जमबर्ग की कंपनियों तथा संस्थानों को जोड़ने की संभावनाओं पर चर्चा की।

क्वांटम प्रौद्योगिकी को भी महत्वपूर्ण सहयोग की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में चर्चा में शामिल किया गया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन और क्वांटम संचार, कंप्यूटिंग, सेंसिंग और संबंधित क्षेत्रों में हुई प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि क्वांटम प्रौद्योगिकियों का स्वास्थ्य सेवा, सुरक्षा और अंतरिक्ष सहित अनेक क्षेत्रों में उपयोग हो सकता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र के साथ ऑप्टिकल संचार को जोड़ना भारत और लक्जमबर्ग के बीच सहयोग का विशेष रूप से आशाजनक क्षेत्र हो सकता है।

जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत की बायोई3 (बीआईओईथ्री) नीति और जैव प्रौद्योगिकी आधारित आर्थिक और वैज्ञानिक विकास पर देश के फोकस के बारे में बताया। उन्होंने लक्जमबर्ग इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ और लक्जमबर्ग सेंटर फॉर सिस्टम्स बायोमेडिसिन जैसे लक्जमबर्ग संस्थानों के साथ सहयोग की संभावनाओं का उल्लेख किया। इसमें न्यूरोडीजनरेटिव रोगों और अल्जाइमर रोग सहित साझा हित के क्षेत्र शामिल हैं।

श्री सिंह ने टीका विकास और चिकित्सा अनुसंधान के लिए भारत में बढ़ते सार्वजनिक-निजी दृष्टिकोण तथा हाल में परमाणु चिकित्सा अनुसंधान को निजी क्षेत्र के लिए खोले जाने का भी उल्लेख किया उन्होंने कहा कि इस विकास से अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और उद्योगों के लिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य से संबंधित क्षेत्रों में भागीदारी के और अवसर पैदा हो सकते हैं।

श्री लेक्स डेल्स ने अंतरिक्ष, उपग्रह संचार, एआई, साइबर सुरक्षा और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग के क्षेत्र में लक्जमबर्ग की भारत के साथ बढ़ती सहभागिता तथा लक्जमबर्ग की कंपनियों के लिए भारत में अपनी गतिविधियों को और बढ़ाने की संभावनाओं के बारे में बताया।

उन्होंने दोनों देशों के सरकारी संस्थानों और निजी क्षेत्र के इकोसिस्टम के बीच अधिक सम्पर्क के महत्व पर भी जोर दिया। बैठक में जनवरी 2027 में प्रस्तावित लक्जमबर्ग की भारत की राजकीय यात्रा पर भी चर्चा हुई। इसे द्विपक्षीय सहयोग को और गति प्रदान करने के अवसर के रूप में देखा गया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने सुझाव दिया कि दूतावास संबंधित भारतीय संस्थानों के साथ संपर्क बनाए रख सकता है, ताकि रुचि वाले क्षेत्रों की पहले से पहचान की जा सके और यात्रा के दौरान चर्चा के लिए विशिष्ट प्रस्ताव तैयार किए जा सकें।

यह बैठक स्थापित अंतरिक्ष साझेदारी से आगे बढ़कर एआई, क्वांटम प्रौद्योगिकियों, जीवन विज्ञान, उन्नत प्रौद्योगिकियों और वाणिज्यिक अवसरों में भारत-लक्जमबर्ग सहयोग के बढ़ते विस्तार को दशार्ती है, जहा दोनों पक्ष अपने-अपने संस्थानों, अनुसंधान इकोसिस्टम और उद्योगों को जोड़ने के व्यावहारिक मार्गों की तलाश कर रहे हैं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गोवा की राजधानी पणजी में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की

पश्चिमी क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण और देश का सबसे बड़ा आर्थिक, औद्योगिक और वित्तीय केंद्र है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2014 से लगातार बहुत सारे प्रशासनिक सुधारों के साथ देश के अर्थतंत्र को गति दी है पश्चिमी क्षेत्र को देश के आर्थिक विकास के WEST Engine के रूप में जाना जाता है 12 साल में मोदी जी ने संविधान के सहकारी संघवाद के प्रावधान को चरितार्थ किया है

मोदी जी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषदें विकास व जनकल्याण के कामों में आगे बढ़ रही हैं और बैठकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है 2004-14 के दौरान क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की कुल 25 बैठकें हुईं, वर्ष 2014 से अब तक क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की कुल 71 बैठकें हुई हैं, जो लगभग तीन गुना वृद्धि है बैठको की संख्या में लगभग तीन गुना वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी जी के टीम इंडिया के कॉसेप्ट का उत्कृष्ट उदाहरण है इन बैठकों में 1893 मुद्दों पर चर्चा हुई और उनमें से 1445 मुद्दों का समाधान हुआ है, जो इन बैठकों की कार्यात्मकता और प्रभावशीलता का द्योतक है क्षेत्रीय परिषदें अब dispute resolution की जगह जनकल्याण की योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग का साधन बन गई हैं पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों के बीच अब कोई भी विवाद नहीं बचा है, यह एक बड़ी उपलब्धि है

नवीन न्याय संहिताओं के क्रियान्वयन और नशे के खिलाफ भारत की जंग को सफल करने के काम में भी पश्चिमी क्षेत्र को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए सभी राज्यों के अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों को CFCFRMS से जुड़ना चाहिए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गोवा की राजधानी पणजी में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस और दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के प्रशासक श्री प्रफुल्ल के. पटेल शामिल थे। भारत सरकार और राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी परिषद की बैठक में भाग लिया। अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि उन्नत पर्यटन, उच्च प्रति व्यक्ति आय और खदानों के कारण आर्थिक विकास में अपनी भौगोलिक स्थिति से कहीं अधिक योगदान गोवा का है। उन्होंने कहा कि हाल ही में देश ने वित्तीय वर्ष 2026-2027 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की विकास वृद्धि दर दर्ज की है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अशांति के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा इस प्रकार की विकास दर दर्ज करना हम सबके लिए गौरव का विषय है। श्री शाह ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र कई दृष्टिकोणों से अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह क्षेत्र देश का सबसे बड़ा आर्थिक, औद्योगिक और वित्तीय केंद्र है।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2014 से लगातार बहुत सारे प्रशासनिक सुधारों के साथ देश के अर्थतंत्र को द्रुत गति से चलने वाला अर्थतंत्र बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि दमन और दीव और दादरा और नगर हवेली और पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद के तीनों राज्यों का भी 7.8 प्रतिशत की विकास दर को हासिल करने में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र को देश के आर्थिक विकास के WEST Engine के रूप में जाना जाता है। में देश में सबसे बड़ा हिस्सा पश्चिमी क्षेत्र का है। गोवा में 1 करोड़ से अधिक टूरिस्ट आते हैं और उनमें 5 लाख विदेशी टूरिस्ट होते हैं। गोवा की GSDP में 16 प्रतिशत आय पर्यटन क्षेत्र से आती है। महाराष्ट्र 33,872 स्टार्ट अप के साथ देश में पहले स्थान पर है, धोलेरा अब सेमी कंडक्टर के क्षेत्र में हब बन चुका है। गुजरात का मुंदरा पोर्ट सबसे अधिक कार्गो हैंडल करता है और दीन दयाल पोर्ट कार्गो की मात्रा की दृष्टि से सबसे बड़ा पोर्ट है। देश की वित्तीय राजधानी मुंबई भी वैश्विक पूंजी के लिए बहुत बड़ा हब बनकर उभर रही है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 12 साल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमारे संविधान के सहकारी संघवाद के प्रावधान को चरितार्थ करने का काम किया है। श्री नरेन्द्न मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद क्षेत्रीय परिषद की बैठकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने बताया कि 2004 से 2014 के दौरान क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की बैठकों की कुल संख्या मात्र 25 थी, लेकिन वर्ष 2014 से अबतक क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की कुल 71 बैठकें हुई हैं, जो लगभग तीन गुना वृद्धि है। उन्होंने कहा कि बैठको की संख्या में लगभग तीन गुना वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी जी के टीम इंडिया के कॉसेप्ट का उत्कृष्ट उदाहरण है। इन बैठकों में 1893 मुद्दों पर चर्चा हुई और उनमें से 1445 मुद्दों का समाधान हुआ है।

यह परिणाम इन बैठकों की कार्यात्मकता और प्रभावशीलता का द्योतक है। यह सभी राज्य सरकारों, संघ राज्यक्षेत्रों तथा केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के सहयोग से हो सका है और इसमें अंतर-राज्य परिषद सचिवालय सक्रिय भूमिका निभा रहा है। श्री अमित शाह ने कहा कि क्षेत्रीय परिषद अब dispute resolutionकी जगह जनकल्याण की योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग का साधन बन गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों के बीच अब कोई भी विवाद नहीं बचा है, यह एक बड़ी उपलब्धि है। श्री शाह ने यह भी कहा कि आज की बैठक में शामिल सभी मुद्दे मॉनीटरिंग के थे। राज्यों के बीच नदियों के कई विवाद भी क्षेत्रीय परिषद में हल किए गए हैं, बच्चों के कुपोषण, कम वजन और ठिंगनापन पर भी हम क्षेत्रीय परिषदों में काम कर रहे हैं। आधार के पेनेट्रेशन को भी मॉनीटर कर रहे हैं और आयुष्मान भारत कार्ड को सफल करने के लिए भी यहां से मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

नवीन न्याय संहिताओं के क्रियान्वयन और नशे के खिलाफ भारत की जंग को सफल करने के काम में भी पश्चिमी क्षेत्र को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) के कंप्यूटराइजेशन में भी महाराष्ट्र में 98 प्रतिशत औऱ गुजरात में 92 प्रतिशत की दर से अच्छा काम हुआ है। उन्होंने कहा कि बनास डेयरी ने गोबरधन का जो मॉडल खड़ा किया है, उसे भी राज्य अपनाएं।

पटना के बाढ़ में खेत में चोरी रोकने गए 50 वर्षीय किसान की निर्मम हत्या

गमछे से गला घोंटकर उतारा मौत के घाट

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बाढ़ अनुमंडल के पंडारक थाना क्षेत्र स्थित पैठानी चक के तेलिया बागी इलाके में सोमवार सुबह एक दर्दनाक वारदात से सनसनी फैल गई। खेत में फसल की रखवाली करने गए करीब 50 वर्षीय किसान की अज्ञात बदमाशों ने गमछे से गला घोंटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान बिहारी महतो के रूप में की गई है। इस दुस्साहसिक घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि बिहारी महतो सोमवार की सुबह करीब चार बजे अपने खेत में लगी बैंगन और परवल की फसल की निगरानी के लिए घर से निकले थे। पिछले कुछ दिनों से उनके खेत के साथ-साथ

आसपास के खेतों से भी लगातार परवल और बैंगन की फसल चोरी हो रही थी, जिससे किसान काफी परेशान थे। इसी चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने और चोरों को रंगे हाथों पकड़ने के लिए वे सुबह-सुबह खेत पर पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि खेत में पहुंचने पर उनकी सामना चोरों से हो गया। इस दौरान संभवतः किसान ने चोरों को पहचान लिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी हाथापाई हुई। आरोप है कि पकड़े जाने के डर से बदमाशों ने बेरहमी से बिहारी महतो के ही गमछे से उनका गला कस दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पाकर पंडारक थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के साथ ही आसपास के लोगों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पटना के पालीगंज में मूसलाधार बारिश से तबाही

पूर्व विधायक के घर समेत कई इलाकों में घुसा बाढ़ जैसा पानी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज अनुमंडल क्षेत्र में रविवार की देर रात हुई मूसलाधार बारिश ने नगर प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। भारी बारिश के चलते पालीगंज बाजार और आसपास के ग्रामीण व शहरी इलाकों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थिति इतनी विकराल हो गई कि पालीगंज के पूर्व विधायक दीनानाथ सिंह यादव के घर के अंदर तक बारिश का पानी घुस गया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की रात हुई झमाझम बारिश के बाद पालीगंज बाजार, डिहपाली वार्ड नंबर 8 और बिहटा-अरवल मुख्य सड़क सहित कई वार्डों में गंभीर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। जल निकासी की कोई उचित व्यवस्था न होने के कारण वार्ड नंबर 8 स्थित पूर्व विधायक दीनानाथ सिंह यादव के आवास सहित कई अन्य लोगों के घरों में दो से तीन फीट तक पानी घुस गया। पानी घरों में घुसने से लोगों का कीमती घरेलू सामान, अनाज और अन्य जरूरी वस्तुएं पूरी तरह खराब हो गईं। रातभर पीड़ित परिवार और स्थानीय लोग घरों से पानी बाहर निकालते रहे, लेकिन नालियां पूरी तरह जाम होने के कारण पानी को निकलने का कोई रास्ता नहीं मिला। स्थानीय लोगों और दुकानदारों में नगर प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि हर साल मानसून या बरसात के मौसम में यही हाल होता है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और नगर परिषद स्थायी समाधान निकालने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाते हैं। नालियों की समय पर सफाई न होने के कारण बारिश का सारा पानी मुख्य सड़कों पर बहने लगता है और अंततः लोगों के घरों में तबाही मचाता है। इस गंभीर समस्या से त्रस्त होकर स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्धजनों ने अनुमंडल प्रशासन और नगर परिषद से तत्काल प्रभाव से युद्ध स्तर पर जल निकासी करवाने तथा जाम पड़ी नालियों की मुकम्मल सफाई कराने की जोरदार मांग की है, ताकि लोगों को इस नरकीय जीवन से मुक्ति मिल सके।

पटना के फुलवारी शरीफ में प्रशासनिक उदासीनता

सहयोग शिविर के 65 आवेदन महीनों से लंबित, मुखिया ने प्रधान सचिव से लगाई गुहार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फुलवारी शरीफ के ग्राम पंचायत राज कुरकुरी में प्रशासन की सुस्त कार्यशैली का एक बड़ा मामला सामने आया है। मुख्यमंत्री के सहयोग शिविर के दौरान ग्रामीणों और किसानों द्वारा जमाबंदी पुनर्गठन, परिमार्जन प्लस और जमीन के कागजात सुधार के लिए दिए गए 65 आवेदन अब तक लंबित पड़े हैं। स्थिति से परेशान पंचायत के मुखिया रवि कुमार ने अब राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर इन मामलों का शीघ्र निष्पादन कराने की पुरजोर मांग की है।मुखिया रवि कुमार ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि गत 17 जून 2026 को पंचायत में मुख्यमंत्री के सहयोग शिविर का आयोजन किया गया था। इस शिविर में किसानों और ग्रामीणों ने जमीन सुधार से जुड़े कुल 65 आवेदन जमा किए थे। राजस्व कर्मचारियों और अमीन द्वारा इन आवेदनों की स्थलीय व कागजी जांच कर रिपोर्ट अंचल कार्यालय में जमा भी कराई जा चुकी है, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी एक भी आवेदन का निष्पादन नहीं किया गया है। पत्र में बताया गया है कि कई जमीनें आज भी मृत व्यक्तियों के नाम पर दर्ज हैं, जिनके उत्तराधिकारी अपनी जमाबंदी ऑनलाइन कराना चाहते हैं। इस समस्या को लेकर मुखिया ने 14 जुलाई 2026 को फुलवारी शरीफ के अंचलाधिकारी को भी पत्रांक 551 के माध्यम से अवगत कराया था, इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। मुखिया ने आरोप लगाया कि किसानों को मूल दस्तावेजों के साथ अंचल कार्यालय बुलाया गया और जांच भी कराई गई, लेकिन नतीजा सिफर रहा। यहाँ तक कि जनप्रतिनिधियों के फोन का जवाब तक नहीं दिया जाता है। लंबित मामलों में बालेश्वर प्रसाद, संजय कुमार, सुजिन्द्र पासवान, संजू देवी, मनीष कुमार (जमाबंदी संख्या 122) और भगवान चौधरी (जमाबंदी संख्या 68) से जुड़े सुधार कार्य शामिल हैं। इसके अलावा परिमार्जन प्लस के तीन आवेदन भी अटके हुए हैं। मुखिया ने पत्र की प्रतिलिपि पटना के जिलाधिकारी को भी भेजी है और उम्मीद जताई है कि उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप से किसानों को राहत मिलेगी।

चौड़ा के पांड्रा गांव में वज्रपात का कहर, दो महिलाओं की मौत; तीन घायल

समाज जागरण

चांडिल: तिरुलडीह थाना क्षेत्र के चौड़ा पंचायत अंतर्गत पांड्रा गांव में सोमवार को वज्रपात की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। अचानक हुई इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

मृतकों की पहचान पांड्रा गांव निवासी सोनामनी महतो (41 वर्ष) और मुक्ता महतो (35 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सोमवार को अचानक हुए वज्रपात की चपेट में कुल पांच लोग आ गए। हादसा इतना भयावह था कि दो महिलाओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

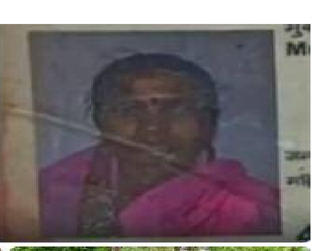

वहीं, वज्रपात की चपेट में आने से घायल हुए तीन लोगों को स्थानीय ग्रामीणों और तिरूलडीह पुलिस बल के सहायता से तत्काल तिरुलडीह उप स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। यहां चिकित्सक डॉ. हरेंद्र सिंह मुंडा की देखरेख में घायलों का उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों द्वारा उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद तिरुलडीह थाना प्रभारी कौशल कुमार पुलिस बल के साथ पांड्रा गांव पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतक महिलाओं के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पांड्रा गांव सहित आसपास के इलाके में शोक के साथ-साथ भय का माहौल बना हुआ है।

पटना के दानापुर दियारा में जंगली सुअर का आतंक

हमले में महिला व व्यक्ति घायल, गुस्से में ग्रामीणों ने घेरकर सुअर को मार डाला

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर के बाढ़ प्रभावित दियारा इलाके में जंगली जानवरों का आतंक चरम पर पहुंच गया है। बाढ़ के पानी से घिरे अकिलपुर थाना क्षेत्र के दुधिया गांव में सोमवार को एक आक्रामक जंगली सुअर ने हमला कर एक महिला और एक व्यक्ति को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। लगातार हो रहे इन हमलों से त्रस्त और भयभीत ग्रामीणों ने एकजुट होकर जंगली सुअर को चारों तरफ से घेर लिया और पीट-पीटकर मार डाला। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन दिनों पूरा दियारा क्षेत्र बाढ़ के पानी से जलमग्न है, जिसके कारण दियारा में भोजन और सुरक्षित ठिकाने की तलाश में जंगली जानवरों का आना-जाना बढ़ गया है। सोमवार को दुधिया गांव में अचानक एक जंगली सुअर आ गया और उसने प्रहलाद महतो तथा वैशाखी देवी पर जानलेवा हमला कर उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया। अचानक हुए इस हमले से ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। घायल प्रहलाद महतो और वैशाखी देवी को तुरंत स्थानीय ग्रामीणों की मदद से गांव के ही उत्क्रमित मध्य विद्यालय में पहुंचाया गया, जहाँ ग्रामीण चिकित्सक द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। अकिलपुर की मुखिया मिन्ता देवी के प्रतिनिधि वकील राय और पूर्व जिला पार्षद ओम प्रकाश यादव ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि दियारा के बाढ़ प्रभावित इलाकों में जंगली सुअर का आतंक इस कदर बढ़ चुका है कि अब तक आधा दर्जन से अधिक लोगों को ये जानवर घायल कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को ही पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान (चिड़ियाघर) से आठ सदस्यीय विशेष टीम और एसडीआरएफ की टीम जंगली सुअर को रेस्क्यू करने के लिए दियारा क्षेत्र में गई थी, लेकिन वे एक भी सुअर को पकड़ने में नाकाम साबित रहे। वन विभाग की नाकामी और लचर व्यवस्था से गुस्साए बाढ़ पीड़ितों का कहना है कि वे पहले से ही बाढ़ के पानी और तबाही से जूझ रहे हैं, ऊपर से जंगली जानवरों का खतरा उनके लिए जानलेवा साबित हो रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से मांग की है कि बाढ़ के बीच दियारा के लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

पटना के नौबतपुर में पुनपुन नदी का तांडव

27 गांवों में घुसा बाढ़ का पानी, हजारों एकड़ में लगी धान की फसल जलमग्न

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के नौबतपुर प्रखंड में पुनपुन नदी का जलस्तर बढ़ने से भयंकर जलप्रलय आ गया है। नदी का पानी खतरे के निशान को पार कर सुरक्षा तटबंधों के ऊपर से बह रहा है, जिससे इलाके में बाढ़ की स्थिति बेहद भयावह हो गई है। तटबंधों के कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने और उनमें दरार आने के कारण बाढ़ का पानी तेजी से रिहाइशी इलाकों और खेतों में प्रवेश कर रहा है, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस प्राकृतिक आपदा से प्रखंड की करंजा और खजुरी-सावरचक पंचायत के करीब 12 गांव तथा बारा और देवरा पंचायत के लगभग 15 गांव सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। बखोरदारचक, पनहारा, करदाहां, मितनचक, खैरा और सलारपुर जैसे गांवों में पानी लोगों के घरों तक पहुंच चुका है। मुख्य संपर्क मार्ग जलमग्न हो जाने के कारण इन गांवों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है और लोग अपने घरों में कैद रहने को मजबूर हैं। बाढ़ के कारण सबसे अधिक मार किसानों पर पड़ी है। स्थानीय किसान सिद्धि कुमार ने बताया कि देवरा और बारा पंचायत में हजारों एकड़ में लगी धान की फसल पूरी तरह जलमग्न हो गई है। फसल के लंबे समय तक पानी में डूबे रहने से उसके पूरी तरह बर्बाद होने की आशंका है। इसके अलावा पशुपालकों के सामने मवेशियों के चारे और उनके सुरक्षित ठहराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पटना जिला कृषक संघर्ष समिति के अध्यक्ष अजय कुमार ने सरकार से बर्बाद फसलों का वैज्ञानिक सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। वहीं, सूचना मिलते ही बीडीओ अशोक कुमार, सीओ राजेंद्र कुमार राजीव और प्रमुख प्रतिनिधि मल्लू पासवान ने प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल नाव, शुद्ध पेयजल, भोजन, चिकित्सा और पशु चारे की व्यवस्था करने की गुहार लगाई है।

पटना के फुलवारी शरीफ में प्रसिद्ध अर्धनारीश्वर मंदिर परिसर में घुसा पानी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फुलवारी शरीफ और चंडासी इलाके में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। पुनपुन और दरधा नदियों के उफान पर होने के कारण जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिसकी चपेट में अब क्षेत्र का प्रसिद्ध अर्धनारीश्वर मंदिर भी आ गया है। मंदिर परिसर चारों तरफ से बाढ़ के पानी से घिर चुका है, जिसे देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर मंदिर के सभी प्रवेश द्वार फिलहाल बंद कर दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाढ़ का पानी तेजी से मंदिर परिसर में फैल रहा है, जिससे आसपास का पूरा क्षेत्र जलमग्न नजर आ रहा है। मंदिर परिसर में बने सैकड़ों हवन कुंड पूरी तरह पानी में डूब चुके हैं। पानी अब धीरे-धीरे मंदिर के मुख्य भाग की ओर बढ़ रहा है। सुरक्षा कारणों से मंदिर में नियमित पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है, जिससे दर्शनार्थियों को निराश लौटना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि इस अर्धनारीश्वर मंदिर की ख्याति यहाँ स्थापित 108 फीट ऊंची विशाल अर्धनारीश्वर प्रतिमा के कारण दूर-दूर तक है, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी अर्धनारीश्वर प्रतिमाओं में गिना जाता है। इस पवित्र और ऐतिहासिक परिसर में बाढ़ का पानी पहुंचने से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की चिंता काफी बढ़ गई है। इस बीच, कुछ बच्चों को जलमग्न हवन कुंड के आसपास पानी में स्नान करते हुए भी देखा गया है, जिसे लेकर प्रशासन ने लोगों से पानी से दूर रहने की सख्त अपील की है। चंडासी क्षेत्र में बाढ़ का कहर पहले ही सड़कों पर देखने को मिल चुका है। पानी के अत्यधिक दबाव से कई मुख्य सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे दर्जनों गांवों का संपर्क टूट गया है। नदियां यदि इसी तरह उफनती रहीं, तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित इलाकों में तत्काल राहत और बचाव कार्य तेज करने की जोरदार मांग की है।

एनटीपीसी खैरा थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, टेम्पो से अंग्रेजी एवं देसी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर प्रखंड के एनटीपीसी खैरा थाना अंतर्गत सुरार पुल के पास पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वाहन जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई की है।पुलिस ने एक नीले रंग के टेम्पो की तलाशी ली। तलाशी के क्रम में स्टेशनरी के सामान के अंदर सफेद रंग के बोरे में छिपाकर रखी गई अवैध शराब बरामद हुई।बरामद शराब में 23.25 लीटर अंग्रेजी शराब और 42.5 लीटर देसी शराब, कुल 65.75 लीटर अवैध शराब बरामद किया गया । पुलिस ने शराब के साथ टेम्पो को भी जब्त कर लिया है। वहीं मौके से शंकर सिंह, पिता - रामविलास सिंह, ग्राम - बारा खुर्द, थाना - देव, जिला - औरंगाबाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। थानाध्यक्ष परमजीत कुमार मंडल ने बताया कि मामले में मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

अनंत सिंह की नाराजगी दूर करने में जुटी जदयू, बैठक के बाद भी बाहुबली विधायक खामोश

समाज जागरण

पटना। मोकामा विधायक अनंत सिंह के बागी तेवरों से जदयू में मची हलचल के बीच पार्टी ने डैमेज कंट्रोल की कवायद तेज कर दी है। अनंत सिंह ने हाल ही में कहा था कि वह और उनके समर्थक अनुज सिंह का समर्थन करेंगे। उनके इस बयान के बाद पार्टी नेतृत्व सक्रिय हुआ और पटना स्थित जदयू कार्यालय में बैठक बुलाई गई। बताया जा रहा है कि निशांत कुमार ने अनंत सिंह से बातचीत कर उनकी नाराजगी दूर करने का प्रयास किया। बैठक में पार्टी के कई बड़े नेता शामिल हुए। बैठक खत्म होने के बाद नेताओं ने मीडिया से बातचीत की, लेकिन अनंत सिंह पूरे घटनाक्रम के दौरान खामोश नजर आए।

विस्थापित गाड़ी मालिकों की महाबैठक में गूंजा हक और रोजगार का मुद्दा

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर के बीआरबीसीएल एवं एनपीजीसी परियोजना से विस्थापित एवं प्रभावित गाड़ी मालिकों की महत्वपूर्ण महाबैठक सोमवार को केरका पंचायत सरकार भवन में आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या मे गाड़ी मालिक शामिल हुए और अपनी समस्याओं को लेकर एकजुट होकर

आवाज बुलंद की।बैठक का मुख्य उद्देश्य फ्लाई ऐश परिवहन में स्थानीय एवं प्रभावित गाड़ी मालिकों को हो रही परेशानियों पर चर्चा करना और इन समस्याओं को एनटीपीसी प्रबंधन एवं स्थानीय प्रशासन के समक्ष मजबूती से रखने की रणनीति तैयार करना था।गाड़ी मालिकों ने कहा कि परियोजनाओं के लिए अपनी जमीन देने के बाद कई परिवारों के सामने रोजगार का संकट उत्पन्न हो गया है। ऐसे में फ्लाई ऐश परिवहन सहित परियोजना से जुड़े कार्यों में स्थानीय एवं विस्थापित गाड़ी मालिकों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। आरोप लगाया कि लंबे समय से उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।बैठक में मौजूद गाड़ी मालिकों ने समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए संगठित होने पर जोर दिया। इसी क्रम में विस्थापित एवं प्रभावित गाड़ी मालिकों की यूनियन बनाने की आधारशिला रखी गई। संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक गाड़ी मालिकों को जोड़ने का निर्णय लिया गया।बैठक में मुनचुन सिंह, केरका पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि जगदीश चौधरी, मेह पंचायत के मुखिया अन्नू सिंह यादव, कुंदन सिंह, छोटू सिंह, सुरेंद्र पाल, सरोज मेहता, श्रवण सिंह, मनीष सिंह, बबलू सिंह, लाल सिंह सहित दर्जनों गाड़ी मालिक मौजूद रहे।

बड़ेम थाना पुलिस की कार्रवाई : शराब मामले मे 6 गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर प्रखंड के बड़ेम थाना पुलिस ने शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।एएसआई नवीन कुमार ने कार्रवाई करते हुए दो लोगों को महुआ शराब के साथ उनके घर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त

रविन्द्र भुइयां को 12 लीटर महुआ शराब और सुनील राम को 6.3 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।दोनों की गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के माझीयाव गांव से हुई है। वहीं दूसरी ओर शराब पीने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है राजेश चौधरी, ग्राम - महुआवां,भीम शर्मा ग्राम बंकोरहा, थाना - एनटीपीसी खैरा,अखिलेश यादव, ग्राम माजियावां और मिथिलेश कुमार, ग्राम - समहुता, जिला रोहतास है। थानाध्यक्ष अमरजीत चौधरी ने बताया कि पुलिस ने सभी के खिलाफ मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नबीनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कार से 3 व्यक्ति गिरफ्तार, विदेशी शराब बरामद

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर थाना पुलिस ने वाहन जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार के साथ तीन व्यक्तियों को विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान - श्रवण ठाकुर, ग्राम - बिहारी बिगहा, थाना - टंडवा,सौरभ सिंह, ग्राम - भवानो खाप, थाना नबीनगर और राम गुप्ता, ग्राम - मायापुर, थाना - कोतवाली, जिला - सरगुजा (छत्तीसगढ़) के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से कार और विदेशी शराब को जब्त कर तीनों को हिरासत में ले लिया है। थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि पुलिस ने तीनों के खिलाफ मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बड़ेम थाना पुलिस ने फरार चल रहे दो वारंटी को किया गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर प्रखंड के बड़ेम थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो अजमानतीय वारंटी को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार वारंटियों की पहचान -

टुनटुन सिंह और शिवनाथ सिंह दोनों ग्राम - नवाडीह

के रूप में हुई है। यह कार्रवाई एएसआई राजेश कुमार द्वारा की गई।थानाध्यक्ष अमरजीत चौधरी ने बताया कि उक्त दोनों के ऊपर कोर्ट से वारंट निर्गत था ।दोनों फरार चल रहे थे गुप्त सूचना पर पुलिस ने कारवाई करते हुय दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।वहीं आवश्यक कारवाई के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

माली थाना क्षेत्र से हत्या के प्रयास मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर प्रखंड के माली थाना अंतर्गत ग्राम बेल बिगहा से हत्या के प्रयास के कांड में पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अवधेश यादव के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष दीपक कुमार राय ने बताया कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

28 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला, दो निलंबित; बिशनपुर थानाध्यक्ष भी कार्रवाई की जद में

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

जिले में बेहतर विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं कार्यहित को लेकर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने 28 पुलिस पदाधिकारियों का स्थानांतरण एवं पदस्थापन किया है। इनमें एक पुलिस निरीक्षक, चार पुलिस अवर निरीक्षक और 23 पीटीसी शामिल हैं। सभी स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं।

इसी कार्रवाई के तहत कर्तव्यहीनता, अनुशासनहीनता, मनमानेपन तथा वरीय पदाधिकारियों के आदेश की अवहेलना के आरोप में दो पुलिस अवर निरीक्षकों को निलंबित किया गया है। इनमें बिशनपुर थानाध्यक्ष अंजनी कुमार तिवारी और अभियोजन शाखा में पदस्थापित विनोद कुमार पाण्डेय शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, 30 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक ने बिशनपुर थाना का वार्षिक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान थाना के कई अभिलेखों तथा कांडों के निष्पादन में त्रुटियां पाई गई थीं। इसको लेकर थानाध्यक्ष अंजनी कुमार तिवारी से स्पष्टीकरण मांगा गया था। उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी शुरू की गई है।

वहीं, 4 सितंबर को पुलिस केंद्र में पदस्थापित सिपाही संख्या 580 गौतम कुमार ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर अभियोजन शाखा में पदस्थापित पु०अ०नि० विनोद कुमार पाण्डेय पर सुपर पेट्रोलिंग जोन-04 में ड्यूटी के दौरान गाली-गलौज करने का आरोप लगाया था। मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) से कराई गई। जांच में आरोप प्रथम द्दष्टया सत्य पाए जाने के बाद विनोद कुमार पाण्डेय को भी निलंबित कर दिया गया।

राजू कुमार बने बिशनपुर के नए थानाध्यक्ष

स्थानांतरण के तहत पु०अ०नि० राजू कुमार को किशनगंज थाना से बिशनपुर थानाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं पु०अ०नि० कुन्दन कुमार को पुलिस केंद्र से छतरगाछ पिकेट प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। पु०अ०नि० शैलेश कुमार को लाइन हाजिर किया गया है।

पु०अ०नि० रंजीत कुमार सिंह को गोपनीय शाखा का प्रभारी बनाया गया है। वे पुलिस अधीक्षक के जनसंपर्क पदाधिकारी (PRO) का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। वहीं पु०नि० मकसूद आलम अशर्फी को त्वरित विचारण कोषांग एवं अभियोजन कोषांग का प्रभारी बनाया गया है। उन्हें विधि-व्यवस्था शाखा और लोक शिकायत निवारण कोषांग का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

इसके अलावा पुलिस केंद्र में पदस्थापित कई पीटीसी जवानों को जिले के विभिन्न थानों में एफ्र, थाना लेखक समेत अन्य जिम्मेदारियों में पदस्थापित किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने सभी स्थानांतरित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अविलंब नए पदस्थापन स्थल पर योगदान करने का निर्देश दिया है।

किशनगंज पुलिस ने कहा है कि कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही, अनियमितता अथवा भ्रष्ट आचरण के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई गई है। दोषी पाए जाने वाले किसी भी पदाधिकारी या कर्मी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

60 लाख की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का पदार्फाश

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज पुलिस एवं सीमा सशस्त्र बल (एसएसबी) की संयुक्त कार्रवाई में मादक पदार्थ तस्करी के अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का पदार्फाश करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 308.45 ग्राम हेरोइन, एक मोटरसाइकिल और नकद 1,840 रुपये बरामद किए गए हैं। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 6 सितंबर 2026 को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में किशनगंज पुलिस एवं एसएसबी की टीम हैदर नगर मस्जिद के पास गुप्त सूचना के आधार पर वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान तैयबपुर की ओर से मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों ने मोटरसाइकिल घुमाकर भागने का प्रयास किया। शक होने पर पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके पास से 308.45 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. मोहसीन (35), पिता स्व. मो. नियाजुद्दीन, निवासी फुलहारा, थाना पोठिया, जिला किशनगंज तथा जयरूल (29), पिता समशेर अली, निवासी कालुगंज, थाना इस्लामपुर, जिला उत्तर दिनाजपुर (पश्चिम बंगाल) के रूप में हुई है।

पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि वे आपस में मिलकर अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री करते हैं। पुलिस अब गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों तथा बरामद हेरोइन के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज का पता लगाने में जुटी है। साथ ही तस्करी से अर्जित अवैध संपत्ति की पहचान कर नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में दिघलबैंक थाना कांड संख्या 266/26, दिनांक 06. 09. 2026, धारा 8(c)/ 21(c)/ 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में एसडीपीओ मनोज कुमार सिंह, ठाकुरगंज थानाध्यक्ष पु.नि. अजय अमन, पु.अ.नि. नवनीत कुमार नमन, पु.अ.नि. आनंद मोहन सहित ठाकुरगंज थाना पुलिस एवं एसएसबी 19वीं वाहिनी के जवान शामिल रहे।

टीबी के खिलाफ सरकारी अभियान ने पकड़ी रफ्तार, जांच से उपचार और पोषण तक मरीजों को मिल रहा सहारा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

7 सितंबर। क्षय रोग (टीबी) के खिलाफ जिले में चल रहा सरकारी अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। संभावित मरीजों की सक्रिय खोज, जांच, समय पर उपचार, नियमित निगरानी और पोषण सहायता को अभियान का हिस्सा बनाया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें दूरस्थ और संवेदनशील इलाकों तक पहुंचकर लोगों की स्क्रीनिंग कर रही हैं, जिससे ऐसे मरीज भी सामने आ रहे हैं, जो सामान्य परिस्थितियों में स्वास्थ्य केंद्रों तक नहीं पहुंच पाते।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 24 मार्च से 5 अप्रैल 2026 के बीच जिले में 5,91,514 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान संवेदनशील समूहों के 43,888 लोगों की विशेष स्क्रीनिंग, 32,053 लोगों की एक्स-रे जांच और 7,227 लोगों की नाट जांच कराई गई। जांच के बाद 1,073 टीबी मरीजों की पहचान हुई। इनमें 417 मरीज सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों और 656 मरीज निजी क्षेत्र के माध्यम से चिन्हित किए गए।

कजला से खाड़ी बस्ती तक पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

जिला यक्ष्मा नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. मंजर आलम ने बताया कि दिघलबैंक प्रखंड के धनटोला पंचायत स्थित कजला गांव और किशनगंज प्रखंड के गाछपाड़ा स्थित खाड़ी बस्ती में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने स्क्रीनिंग अभियान चलाया। इस दौरान लोगों की जांच करने के साथ उपचाररत टीबी मरीजों को पोषण सहायता के रूप में फूड बास्केट भी उपलब्ध कराया गया।

टीबी के उपचार के दौरान पर्याप्त पोषण महत्वपूर्ण माना जाता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए पौष्टिक भोजन की व्यवस्था चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे में मरीजों को उपलब्ध कराया जा रहा फूड बास्केट उपचार के दौरान उनके लिए महत्वपूर्ण सहयोग साबित हो रहा है। अभियान के तहत अब तक 945 फूड बास्केट वितरित किए जा चुके हैं।

सक्रिय खोज से सामने आए मरीज

सक्रिय खोज अभियान के कारण ऐसे मरीजों की भी पहचान हो रही है, जो बीमारी के लक्षण होने के बावजूद जांच के लिए स्वास्थ्य संस्थानों तक नहीं पहुंच पाते थे। स्क्रीनिंग के बाद

आवश्यक जांच कराकर मरीजों को उपचार से जोड़ा जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 4,848 लोग टीबी संक्रमण से बचाव के लिए टीपीटी के पात्र पाए गए, जबकि 2,758 लोगों को टीपीटी दिया गया। वहीं उपचार पूरा करने के बाद 832 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।

पोषण सहायता से मरीजों का बढ़ा हौसला

कजला में फूड बास्केट प्राप्त करने वाले एक उपचाररत मरीज ने बताया कि टीबी के दौरान दवा के साथ पौष्टिक भोजन की व्यवस्था करना आर्थिक रूप से मुश्किल हो जाता है। फूड बास्केट मिलने से परिवार को काफी राहत मिली है। जांच, दवा और पोषण सहायता मिलने से बीमारी से पूरी तरह ठीक होने का भरोसा बढ़ा है।

खाड़ी बस्ती के एक अन्य मरीज ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम के क्षेत्र में पहुंचने से जांच और उपचार के लिए दूर जाने की परेशानी कम हुई है। पोषण सहायता मिलने से परिवार पर आर्थिक बोझ भी कम हुआ है।

सामुदायिक सहयोग से मजबूत हो रहा टीबी उन्मूलन अभियान

डॉ. मंजर आलम ने बताया कि जिले में टीबी उन्मूलन के लिए सक्रिय खोज अभियान को लगातार मजबूत किया जा रहा है। संभावित मरीजों की पहचान के बाद आवश्यक जांच कराकर उन्हें उपचार से जोड़ा जाता है। उपचाररत मरीजों की नियमित निगरानी और पोषण संबंधी जरूरतों पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में स्वास्थ्य टीमों की पहुंच का उद्देश्य टीबी की शुरूआती स्तर पर पहचान करना है, ताकि मरीज को समय पर उपचार मिल सके और संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

सरकारी प्रयासों के साथ सामुदायिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी भी अभियान को मजबूती दे रही है। खाड़ी बस्ती में फूड बास्केट उपलब्ध कराने में मास एग्रो फूड लिमिटेड, पोठिया का सहयोग भी इसी सामूहिक प्रयास का उदाहरण है।

जिले में अब तक 5.91 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग, 32 हजार से अधिक एक्स-रे जांच, 7 हजार से अधिक नाट जांच और 1,073 मरीजों की पहचान की जा चुकी है। वहीं 832 मरीज उपचार के बाद स्वस्थ हुए हैं और 945 उपचाररत मरीजों को पोषण सहायता मिली है। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि कोई संभावित मरीज जांच से वंचित न रहे और चिन्हित मरीज अपना उपचार पूरा कर स्वस्थ जीवन की ओर लौट सकें।

60 मवेशियों के साथ तीन अंतरजिला पशु तस्कर गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

अवैध पशु तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सुखानी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक डीसीएम ट्रक से 60 मवेशियों को बरामद किया है। मामले में तीन अंतरजिला पशु तस्करों को गिरफ्तार करते हुए तस्करी में प्रयुक्त डीसीएम ट्रक को जब्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 6 सितंबर को दिवा गश्ती के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि बहादुरगंज की ओर से एक डीसीएम ट्रक में मवेशियों को अवैध रूप से लादकर पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तातपौआ मोड़ के समीप मुख्य सड़क पर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान बहादुरगंज की ओर से आ रहे डीसीएम ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रक से 60 मवेशी बरामद हुए।

पुलिस ने बताया कि पशुओं की खरीद-बिक्री और परिवहन से संबंधित वैध कागजात मांगे जाने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। आरोप है कि ट्रक में क्षमता से अधिक पशुओं को क्रूर तरीके से भरकर ले जाया जा रहा था। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को बताया कि मवेशियों को नवगछिया से पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भागलपुर जिले के परवत्ता थाना क्षेत्र के गरिया निवासी अजीत कुमार मंडल (52), कटिहार जिले के फलका थाना क्षेत्र के डूमर निवासी मो. फिरोज (35) और नवगछिया थाना क्षेत्र के मानिया मोड़ वार्ड संख्या छह निवासी मो. इंतजार (20) के रूप में हुई है। सुखानी थाना पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम समेत अन्य सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने डीसीएम ट्रक संख्या BR-10GA-29087 को भी जब्त कर लिया है।

जन वितरण प्रणाली दुकानों की नई अनुज्ञप्ति के लिए 104 अभ्यर्थियों का चयन

107 रिक्तियों के लिए 1371 आवेदन प्राप्त, तीन पदों पर नहीं मिल सका योग्य अभ्यर्थी

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

जिले में जन वितरण प्रणाली दुकानों की नई अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) जारी करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जिलांतर्गत 107 रिक्तियों के विरुद्ध 104 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, जबकि तीन रिक्तियों पर कोई योग्य अभ्यर्थी नहीं मिलने के कारण चयन नहीं हो सका।

बिहार लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश, 2016 तथा खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार, पटना के निदेशों के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी, किशनगंज द्वारा विज्ञापन संख्या 01/2025-26 के माध्यम से कोटिवार रिक्तियां प्रकाशित कर आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इसके तहत 21 अगस्त 2026 तक कुल 1371 आवेदन प्राप्त हुए।

प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रखंडों में पंचायतवार तथा नगर निकायों में वार्डवार औपबंधिक मेधा सूची तैयार कर प्रकाशित की गई थी। इस सूची के विरुद्ध 8 अगस्त से 22 अगस्त 2026 तक दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की गईं। प्राप्त आपत्तियों को अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा समेकित कर जिला स्तरीय चयन समिति के समक्ष रखा गया।

जिला स्तरीय चयन समिति के सदस्यों ने प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों का अवलोकन करते हुए नियमानुसार उनका निराकरण किया। इसके बाद अंतिम मेधा सूची एवं चयनित अभ्यर्थियों की सूची को अनुमोदित किया गया।

प्रशासन के अनुसार, निराकृत दावा-आपत्ति, अनुमोदित अंतिम मेधा सूची तथा चयनित अभ्यर्थियों की सूची जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। संबंधित अभ्यर्थी एवं आमजन ॅ२ँल्लॅल्ल.ल्लू.ल्ल पर जाकर पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

इसके अलावा अनुमंडल कार्यालय तथा सभी प्रखंड मुख्यालयों के सूचना पट्ट पर भी निराकृत दावा-आपत्ति, अंतिम मेधा सूची और चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्रदर्शित की जाएगी। इससे संबंधित अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया और आपत्तियों के निराकरण की जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

पश्चिमपाली से चूड़ीपट्टी तक अतिक्रमण पर चला प्रशासन का डंडा, मुख्य बाजार भी जाम से बेहाल

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

शहर में बढ़ती अतिक्रमण और जाम की समस्या के बीच जिला प्रशासन ने सोमवार को व्यापक अभियान चलाकर सड़क और फुटपाथ पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया। जिला पदाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार के नेतृत्व में रामजान ब्रिज से लहरा चौक तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पश्चिमपाली चौक पर विशेष रूप से कार्रवाई की गई।

प्रशासनिक टीम के अचानक पहुंचते ही सड़क और फुटपाथ पर दुकान लगाकर बैठे अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। सड़क किनारे एवं सार्वजनिक स्थानों पर किए गए व्यावसायिक अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन कर संचालित किए जा रहे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 47,500 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। दुकानदारों एवं अतिक्रमणकारियों को सार्वजनिक सड़क और सरकारी भूमि पर दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई।

सड़क पर दुकान लगाने से रोजाना जाम

पश्चिमपाली से चूड़ीपट्टी तक सड़क के किनारे और फुटपाथ पर अक्सर दुकानें लगा दी जाती हैं। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और प्रतिदिन जाम की स्थिति बनी रहती है। व्यस्त समय में राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है। कई बार वाहनों की लंबी कतार लगने से लोगों को काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ता है।

शहर का मुख्य बाजार भी अतिक्रमण और जाम की समस्या से लगातार जूझ रहा है। कई स्थानों पर सड़क पर ही दुकानें लगाने के कारण आवागमन बाधित होता है। इससे पैदल यात्रियों के साथ-साथ वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अवैध पार्किंग और मॉडिफाइड वाहनों पर भी कार्रवाई

अभियान के दौरान सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों तथा नियम विरुद्ध परिवर्तित (मॉडिफाइड) व्यावसायिक वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। ऐसे वाहनों को जब्त कर सदर थाना, किशनगंज को सौंप दिया गया, जहां नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक सप्ताह तक चलेगा अभियान

जिला प्रशासन के अनुसार अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार एक सप्ताह तक प्रतिदिन चलाया जाएगा। इस दौरान शहर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर अवैध अतिक्रमण, अवैध पार्किंग तथा यातायात में बाधा डालने वाले मामलों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

अतिक्रमण हटाने का उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाना, पैदल यात्रियों के आवागमन को आसान करना तथा सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण उत्पन्न होने वाली जाम की समस्या को दूर करना है। साथ ही अतिक्रमण हटने से नाला निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अभियान को लगातार जारी रखने और नियमित निगरानी की मांग की है, ताकि कार्रवाई के बाद अतिक्रमणकारी दोबारा सड़क और फुटपाथ पर कब्जा न जमा सकें और शहर के मुख्य बाजार सहित पश्चिमपाली-चूड़ीपट्टी मार्ग को जाम की समस्या से स्थायी राहत मिल सके।

आम लोगों की समस्याओं पर डीएम सख्त, अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

सात निश्चयझ3 के तहत ह्यसबका सम्मानझ्रजीवन आसान (Ease of Living) को प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन ने आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। जिला पदाधिकारी नवीन कुमार ने सोमवार को आमजनों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

डीएम ने निर्देश दिया कि सोमवार और शुक्रवार को सभी पदाधिकारी अनिवार्य रूप से अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर आम लोगों की समस्याएं सुनेंगे। संबंधित पदाधिकारी के अनुपस्थित रहने पर अधिकृत पदाधिकारी लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे।

सभी सरकारी कार्यालयों में आगंतुकों के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। प्रत्येक कार्यालय में आगंतुक पंजी का विधिवत संधारण करते हुए प्राप्त शिकायतों को दर्ज करने और उनका समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

प्रखंड, पंचायत एवं जिला स्तर पर प्रतिदिन कार्यालयों में आने वाले आगंतुकों की संख्या की रिपोर्टिंग भी अनिवार्य की गई है। किसी समस्या के उत्पन्न होने पर संबंधित पदाधिकारी को तत्काल अपने वरीय अधिकारी को सूचित करना होगा।

डीएम ने स्पष्ट किया कि आम लोगों को सरकारी कार्यालयों में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। एक से अधिक कार्यालयों का प्रभार संभालने वाले पदाधिकारी सोमवार और शुक्रवार को सुविधा के अनुसार समय निर्धारित कर सभी संबंधित कार्यालयों में उपस्थित होकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे।

निदेर्शों की अवहेलना पर कार्रवाई की चेतावनी

जिला पदाधिकारी ने चेतावनी दी कि निदेर्शों की अनदेखी अथवा अधिकृत पदाधिकारी की अनुपस्थिति की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में आम लोगों की पहुंच आसान बनाना और उनकी शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

डकैती से पहले पुलिस का बड़ा एक्शन, हथियारों के साथ छह गिरफ्तार

शराब दुकान, पेट्रोल पंप और होटल में लूट व छिनतई की घटनाओं से जुड़े गिरोह के तार

समाज जागरण

चांडिल,चौका। सरायकेला-खरसावां जिले की चौका थाना पुलिस ने बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने से पहले छह अपराधियों को गिरफ्तार कर डकैती की साजिश का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से पिस्टल, जिंदा कारतूस, चाकू, दाउली, हथौड़ी, सात मोबाइल फोन और तीन मोटरसाइकिल समेत अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने क्षेत्र में पूर्व में हुई लूट और छिनतई की कई घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

एसपी मनोज स्वर्गियारी ने सोमवार को चौका थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 6 सितंबर को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि

मतकामडीह के चुटीयाखाल टोला स्थित बंद पड़े नव प्राथमिक विद्यालय, बरियाबेड़ा में कुछ संदिग्ध अपराधी जमा हैं और किसी बड़ी आपराधिक वारदात की योजना बना रहे हैं।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए विशेष पुलिस टीम का गठन कर तत्काल छापेमारी की गई। पुलिस ने मौके से छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोनसा सिंह मुंडा, चम्बुराम मुंडा उर्फ चमुरा, सोमा मुंडा उर्फ सब्जी, देबेन मुंडा, सोमा मुंडा उर्फ करपा तथा रामजीत मुंडा उर्फ मंगरा मुंडा के रूप में हुई है।

हथियार समेत कई सामान बरामद

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक पिस्टल, जिंदा गोली, चाकू, दाउली, हथौड़ी, सात मोबाइल फोन तथा तीन मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार बरामद मोबाइल फोन में पूर्व की आपराधिक घटनाओं में लूटे गए मोबाइल भी शामिल हैं।

शराब दुकान, पेट्रोल पंप और होटल की घटनाओं में संलिप्तता

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने 19 अगस्त को बनसा स्थित शराब दुकान में लूट के प्रयास की घटना में संलिप्तता स्वीकार की है। इसके अलावा उरमाल स्थित माधुरी पेट्रोल पंप से मोबाइल फोन और नकदी लूटने तथा तीन सितंबर को घाटदुलमी स्थित माउंट 10 व्यू होटल में मोबाइल छिनतई की घटना में भी गिरोह की संलिप्तता सामने आई है।

पुलिस ने इन घटनाओं से संबंधित तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में कई के खिलाफ पूर्व से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। चम्बुराम मुंडा उर्फ चमुरा के खिलाफ पूर्व में यूएपीए समेत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज होने की बात भी सामने आई है।

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य अपराधों और इसमें शामिल अन्य लोगों के संबंध में भी जांच कर रही है।

छापेमारी अभियान में चौका थाना प्रभारी गौरव कुमार, कुचाई थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार मुंडा समेत चौका थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।